खबरों के 67 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें :→ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 11 दिसंबर 2023 | वर्ष –68 | अंक –31 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ अब भी राहुल सख्त ... ■ महुआ: अदानी पर ... 04

■ सैनिकों को आराम और हमास की सुरंगे ... ■ अपने ही घर के बाहर लॉक हो गए सुनक... 09

■ कम लागत में बेहतर उत्पादन के लिए करें... ■ चीकू की खेती और इससे लाभ 11

■ धोनी के लिये लीजेंड्स.. ■ आरसीबी डब्ल्यू पीएल ... 10

छत्तीसगढ़ का फैसला दिखा रहा मध्यप्रदेश और राजस्थान में होने वाले निर्णय की राह..

नई दिल्ली/रायपुर/भोपाल, देशबन्धु। हिन्दी पट्टी के तीन प्रदेशों में भाजपा की तगड़ी जीत के बाद अब मुख्यमंत्रियों के चयन की तस्वीर एक हद तक साफ होने लगी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा आलाकमान ने सबको चौंकाते हुए मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर रहे विष्णुदेव साय को प्रदेश के मुखिया बनाया है। और यह निर्णय सर्वसम्मिति से लिया गया। साय को मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव तीन बार मुख्यमंत्री रहे रमन सिंह ने रखा जबकि वे स्वयं इस पद के सबसे सशक्त दावेदार माने जा रहे थे।

छत्तीसगढ़ का फैसला तो हो गया लेकिन भाजपा के इस फैसले ने मध्यप्रदेश और राजस्थान में होने वाले निर्णयों की संभावित राह दिखा दी है। अलबत्ता इन दोनों प्रदेशों में पूर्व मुख्यमंत्री अपनी-अपनी तरह अनुशासन के दायरे में रहकर अपना जनसमर्थन पार्टी हाईकमान को दिखा रहे हैं लेकिन इस सावधानी के साथ कि इसमें दावों की झलक न दिखे।

विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री

रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष, दो उपमुख्यमंत्री भी बने

रायपुर, (देशबन्धु)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं आदिवासी नेता विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायक दल की यहां हुई बैठक में नेता चुन लिए गए। श्री साय राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

श्री साय को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की पार्टी पर्यवेक्षकों केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा एवं सर्वानंद सोनोवाल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम के अलावा पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर,सह प्रभारी केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया एवं सह प्रभारी नितिन नबीन की उपस्थिति में हुई बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया। राज्य में विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 54 सीटो पर जीत कर पांच वर्ष बाद सत्ता में वापसी की है। नवम्बर 2000 में मध्यप्रदेश को विभाजित कर आस्तित्व में आए छत्तीसगढ़ में श्री साय भाजपा के दूसरे मुख्यमंत्री होंगे।

श्री साय जशपुर जिले की कुनकुरी सीट से विधायक है। वह 2014 में मोदी सरकार में राज्यमंत्री भी रहे है। चार बार सांसद रहे श्री साय 2014 में मोदी सरकार में राज्य मंत्री रहे है। वह 1990 से अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए तपकरा सीट से पहली बार विधायक चुने गए थे। श्री साय का जन्म 21 फरवरी 1964 में जशपुर जिले के बगिया गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी स्थित लोयोला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है।

1989 में शुरू किया राजनीतिक जीवन

श्री साय ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1989 में ग्राम पंचायत बगिया के पंच के रूप में की थी।श्री साय को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री

डॉ.रमन सिंह की भी पसन्द बताए जाते है। पार्टी ने उन्हें 2006 और 2020 में दो बार प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा था।वर्तमान में श्री साय भाजपा के राष्ट्रीय कार्य समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं।

मध्य प्रदेश में विधायक दल की बैठक आज, राजस्थान पर अब भी सस्पेंस

भोपाल, (देशबन्धु)। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को यहां होगी, जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा। दल

अगले मुख्यमंत्री पर तस्वीर होगी साफ,कई नेताओं की दावेदारी आ रही सामने

का नेता ही राज्य का अगला मुख्यमंत्री होगा। हालांकि राजस्थान को लेकर अभी सस्पेंस पर बरकरार है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अनुसार दिन में चार बजे प्रारंभ होने वाली बैठक में केंद्रीय संगठन की ओर से नियुक्त तीनों पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पार्टी के ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ के लक्ष्मण और राष्ट्रीय सचिव सुश्री आशा लकड़ा भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान सभी 163 नवनिर्वाचित विधायक अपना नेता चुनेंगे। बैठक में मौजूदा मुख्यमंत्री एवं बुधनी से विधायक शिवराज सिंह चौहान के अलावा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन के जिम्मेदार नेता भी मौजूद रहेंगे। इस बीच नए मुख्यमंत्री के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मुरैना जिले के दिमनी से नवनिर्वाचित विधायक नरेंद्र सिंह तोमर का नाम भी लिया जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं इंदौर एक विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित कैलाश विजयर्गीय को भी महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाने की संभावना है। नरसिंहपुर विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की दावेदारी भी सामने आई है। बैठक में पूर्व सांसद एवं सीधी से विधायक श्रीमती रीति पाठक, जबलपुर पश्चिम सीट से विधायक राकेश सिंह और गाडरवारा विधायक राव उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे, जो हाल में लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर आए हैं।

वसुंधरा राजे ने फिर किया शक्ति प्रदर्शन

जयपुर। इस बीच राजस्थान में भी अगले मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस बरकरार है। मुख्यमंत्री के लिए किसी ने चेहरे की संभावनाओं के बीच पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा आज फिर से शक्ति प्रदर्शन किया गया है। वहीं राजस्थान के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अभी तक समय नहीं दिया है, जिसकी वजह से बैठक तय नहीं हो पा रही है। पहले सोमवार को विधायक दल की बैठक प्रस्तावित थी; लेकिन अब यह टल गई है। अब यह बैठक मंगलवार को होने की संभावना है। बताया जा रहा है वसुंधरा राजे जिद पर अड़ी हुई हैं। राजे मुख्यमंत्री से कम कोई पद लेने को तैयार नहीं हैं।

इंडिया गठबंधन की अब 19 को बैठक

'मैं नहीं, हम' थीम पर काम करेगा गठबंधन

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की अब 19 दिसम्बर को बैठक होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी दी है। राष्ट्रीय राजधानी में विपक्षी दलों के गठबंधन की अगली बैठक में सीटों के बंटवारे और संयुक्त रैलियां आयोजित करने पर चर्चा होगी।

इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं की चौथी बैठक 19 दिसंबर को नई दिल्ली में दोपहर तीन बजे होगी। विपक्षी दल बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब में एकता की

सीटों के बंटवारे और संयुक्त रैलियां पर होगी चर्चा

थीम 'मैं नहीं, हम' के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। यह बैठक हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में हो रही है। पार्टी को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, भाजपा का कहना है कि लोगों ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

आज 'विकसित भारत 2047 वॉयस ऑफ यूथ' लॉन्च करेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए । इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और देश भर के राजभवनों में आयोजित कार्यशालाओं में संस्थानों के प्रमुख और संकाय सदस्य को संबोधित करेंगे। पीएमओ की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी का दृष्टिकोण देश के युवाओं को देश की राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल करना है। पीएमओ ने कहा, इस दृष्टिकोण के अनुरूप, 'विकसित भारत 2047' युवाओं की आवाज पहल देश के युवाओं को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करेगी।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी बनाया

लखनऊ, (देशबन्धु)। बहुजन समाज पार्टी की

अध्यक्ष मायावती ने रविवार को अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का नेतृत्व करने के लिए अपना उत्तराधिकारी बनाया। आकाश आनंद बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक के आधिकारिक पद पर हैं। मायावती ने लखनऊ में एक पार्टी बैठक को संबोधित करते हुए हालांकि कहा कि वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की कमान संभालती रहेंगी, लेकिन आकाश आनंद अन्य राज्यों के संबंध में फैसले लेंगे।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर

epaper.deshbandhump.com

वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी कीबात

चूहा-सुनती हो- इंडिया गठबंधन अब मैं नहीं हम की थीम पर काम करने की बात कर रहा है ।

चुहिया- हां प्रिये- बातें हैं, बातों का क्या...? लेकिन पुरानी कहावत है कि - ठोकर खाने के बाद अक्ल आती है।

500 करोड़ पर पहुंची जब्त नोटों की गिनती

सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर कार्रवाई जारी

रांची (झारखंड)। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू से संबंधित बौध डिस्टिलरीज कंपनी के ठिकाने पर रविवार को पांचवें दिन भी आयकर विभाग (आईटी) की छापेमारी हुई। कंपनी के दोनों मैनेजर राजेश साहू और बंटी साहू से पूछताछ की जा रही है।

जब्त नोटों की गिनती एसबीआई के बोलांगीर स्थित मुख्य ब्रांच में जारी है- नोटों की गिनती पूरी की जा सके इसके लिए अधिक काउंटिंग मशीनें और मैनपावर लगाए गए हैं। अबतक लगभग 500 करोड़ रुपये की गिनती हुई है। पहले दो-तीन दिनों की छापेमारी में 300 करोड़ से अधिक बरामद हुए थे। चौथे

जब्ती का आंकड़ा 1000 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

दिन ओडिशा में सांसद धीरज साहू के मैनेजर के घर से 200 करोड़ से अधिक की बरामदगी की बात सामने आयी है। कुल मिलाकर आयकर विभाग के चार दिनों की छापेमारी में 500 से भी अधिक कैश मिले हैं।

इस संबंध में ओडिशा एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक भगत बेहरा ने बताया कि हमें 176 बैग मिले और उनमें से 140 की गिनती हो चुकी है। बाकी की गिनती आज की जाएगी। गिनती प्रक्रिया में तीन बैंकों के अधिकारी शामिल हैं। हमारे 50 अधिकारी इसमें शामिल हैं। लगभग 40 नोट गिनने की मशीनें यहां लाई गई हैं। 25 उपयोग में हैं और 15 बैकअप के रूप में रखी गई हैं। बताया गया है कि सांसद धीरज साहू के ठिकानों से जितनी नकदी मिल रही है, उनकी पूरी गिनती होने पर आंकड़ा 800-1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर छह दिसंबर से छापेमारी चल रही है।

गोगामेड़ी हत्याकांड में अब तक चार गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के दोनों शूटर सहित अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने रविवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इस मामले के दोनों शूटर रोहित राठौड़ एवं नितिन फौजी और फरारी के दौरान इनकी मदद करने वाले आरोपी उदम सिंह सैन को शनिवार देर रात चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें राजस्थान लाया गया है।

तीन सड़क हादसों में गई 16 की जान

बरेली-नैनीताल हाईवे पर डम्पर से भिड़ने के बाद कार बनी आग का गोला, 8 जिन्दा जले

कार खाई में गिरी, 3 छात्रों की मौत

ट्रक-कार भिड़ंत में दुल्हन सहित 5 की मौत

बरेली, जांजगीर, चिकबल्लापुर। शनिवार की देर रात से रविवार तक तीन बड़े सड़क हादसों में 16 लोगों की जान चली गई। उत्तन प्रदेश के बरेली-नैनीताल हाईवे पर ऐसा भयावह हादसा हुआ कि डम्पर से टकराने के बाद कार आग का गोला बन गई और 8 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई वहीं जांजगीर-चांपा में शादी से लौट रहे परिवार की कार ट्रक से भिड़ी और दुल्हन समेत 5 लोगों की जान चली गई। इसी तरह बेंगलुरु से चिकबल्लापुर लौट रही एक कार बहककर खाई में गिरा गई। जिसमें तीन छात्रों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

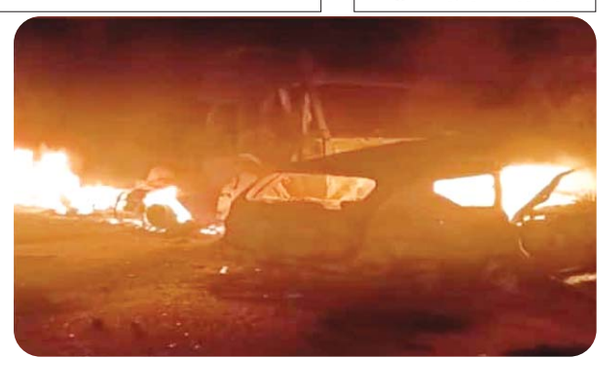

यूपी के बरेली-नैनीताल हाईवे पर शनिवार की रात कार में आग लगने से 8 लोगों की जलकर मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि पहले यह कार डंपर से आमने-सामने टकरा गई जिसके बाद कार का टायर फट गया और वह डिवाइडर से जा टकराई। कार में भयंकर आग लग गई जिसकी वजह से कार सवार 8 लोग जिंदा जल गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चलती कार का टायर फटने की वजह से वह डंपर से टकराई जिसकी वजह से यह भयानक हादसा हो गया।

बारात से लौट रहे थे कार सवार- जानकारी के अनुसार कार सवार लोग बारात से वापस घर की तरफ लौट रहे थे। अधिकारियों की मानें तो कार में सेंट्रल लॉक लगा हुआ था जिसकी वजह से कोई भी बाहर नहीं निकल गया और गाड़ी में ही आठों लोग कोयला बन गए। इनमें 7 वयस्कों के साथ 1 बच्चा भी था। मृत पाए गए सभी लोग बहेड़ी के रहने वाले हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली।

1 घंटे तक चलती रही कार- आग लगने के बाद कार भयंकर तरीके से जलने लगी और करीब 1 घंटे तक आग जलती रही। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL

Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319

An English Medium Co-educational School

ADMISSIONS OPEN

Class: Nursery 12th

(Science, Commerce & Humanities)

Call us: 0761-2676370, 9826587200

Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com

E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से

मोतियाबिंद ऑपरेशन

मध्य भारत का सबसे आधुनिक

नया युग

आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर

डॉ पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894

जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

ठगी अमेरिका से तंत्र-विद्या के जरिए दिल का इलाज कराने भारत पहुंचा एनआरआई

8 माह तक बंधक बनाकर ठगे 3 करोड़

ग्रेटर नोएडा। बीटा दो कोतवाली क्षेत्र स्थित एनआरआई सिटी सोसाइटी में एनआरआई को बंधक बनाकर एक वर्ष पहले तीन करोड़ की ठगी करने वाले तांत्रिक की तलाश पुलिस ने शुरू कर दी है। हाल ही में तांत्रित की अग्रिम जमानत अर्जी कोर्ट से खारिज हुई थी।

उसके बाद से तांत्रिक की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। हालांकि आरोपित पूर्व में जेल जा चुका है, वर्तमान में वह जमानत पर बाहर है। पुलिस ने मुकदमें में आईपीसी की धारा 328 बढ़ाई है, जिसके बाद से तांत्रिक पर दोबारा गिरफ्तारी का खतरा मडरा रहा है।

अमेरिका से तंत्र विद्या के जरिए इलाज कराने भारत आया एनआरआई मुरादाबाद के रहने वाले फैजान व उसके साथी गाजियाबाद के हिमांशु भाटी उसकी पत्नी मोनी व अमरोहा के विशाल को एनआरआई संजय शर्मा से ठगी के मामले में पिछले वर्ष जेल भेजा गया था। संजय अमेरिका से इलाज कराने वर्ष 2022 अप्रैल में भारत आए थे। दिल

अब ठग को तलाश रही पुलिस, एक करोड़ की संपत्ति कर चुकी है जब्त

की बीमारी का उपचार तंत्र विद्या से करने का झांसा देकर आरोपितों ने एनआरआई सिटी सोसाइटी के फ्लैट में संजय को बंधक बना लिया था। आरोपितों ने दस महीने तक संजय को फ्लैट में बंधक बनाकर रखा था और इलाज के नाम पर करीब तीन करोड़ रुपये ठग लिए थे।

मामले का पर्दाफाश तब हुआ था कि जब अमेरिका में रहने वाली संजय की पत्नी ने डीसीपी ग्रेटर नोएडा को फोन कर मदद मांगी थी। उसके बाद पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर संजय को बंधन मुक्त कराया था। अब दोबारा से तांत्रिक की गिरफ्तारी की तैयारी शुरू कर दी है। आरोपित की पूर्व में गैंगस्टर एक्ट के तहत करीब एक करोड़ की संपत्ति पुलिस जब्त कर चुकी है। बीटा दो कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र कुमार ने बताया कि केस में धारा की बढ़ोत्तरी की गई है। जांच की जा रही है। कुछ अहम तथ्य आरोपितों के जेल जाने के बाद हाथ लगे थे, इस वजह से धारा बाद में बढ़ाई गई।

देश-विदेश

इंडोनेशिया में 5.3 तीव्रता का आया भूकंप

जकार्ता, (आईएएनएस)। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने कहा कि रविवार को पश्चिमी पापुआ, इंडोनेशिया में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 0449 जीएमटी पर आए भूकंप का केंद्र 4.37 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 140.58 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। इसकी गहराई 46.8 किमी थी।

लद्दाख सीमा पर चीन की ड्रोन उड़ानों से सेना परेशान

बफर जोन में समझौतों को तोड़ रही हैं चीनी सेना

भारतीय सेना बता रही उकसावे की कार्रवाई

-सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। समझौतों के बावजूद चीनी सेना लद्दाख के मोर्चे पर उन बफर जोनों में लगातार ड्रोन उड़ा कर भारतीय सेना को परेशान किए हुए है, जहां से दोनों पक्षों ने कुछ अरसा पहले अपने जवानों को रिट्रिट किया था। भारतीय पक्ष इसे उकसाने वाले कार्रवाई भी करार देता है। लद्दाख के मोर्चे से मिलने वाली खबरें कहती हैं कि सेनाधिकारियों ने अपनी चिंताओं से सेना मुख्यालय को अवगत करवाते हुए कहा है कि इससे निपटने के उपाय तत्काल किए जाने चाहिए क्योंकि चीनी सेना की ड्रोन उड़ानें उनके सामारिक महत्व के ठिकानों को बार बार बदलने पर मजबूर कर रही हैं।

कई किमी घुस आई थी चीनी सेना

दरअसल लद्दाख सीमा पर बफर जोन उस समय बनाए गए जब मई 2020 में चीनी सेना लद्दाख के भीतर कई किमी तक घुस आई थी और बाद में हुए समझौतों के तहत भारतीय सेना को ही अपने क्षेत्रों से पीछे हटना पड़ा था। इन समझौतों में भारतीय सेना को अपने ही कई इलाकों में गश्त करने पर भी पाबंदी लगा दी गई थी। हालांकि सैन्य सूत्रों ने कहा कि चीन के हालिया कदम का मुकाबला करने के लिए, भारतीय सेना भी चीनी सेना की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अपने ड्रोन तैनात कर रही है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक

सैटेलाइट इमेजरी से भी संकेत मिलता है कि चीनी सेना बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विस्तार और अपने सैनिकों के लिए आवास के निर्माण के अलावा वास्तविक नियंत्रण रेखा अर्थात एलएसी पर अपने ड्रोन के बेड़े का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर, रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने चीनी सेना द्वारा बफर जोन पर ड्रोन के इस्तेमाल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

लोगों की आजीविका भी हुई प्रभावित

पिछले साल, लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के एक निर्वाचित प्रतिनिधि ने बताया था कि कैसे बफर जोन के निर्माण ने स्थानीय लोगों की अपने पशुओं के लिए चरागाहों तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है और उनकी आजीविका को नुकसान पहुंचाया है। दरअसल बफर जोन के निर्माण के बाद चीनी सेना अभी भी कई इलाकों में भारतीय क्षेत्र के भीतर ही है।

जबकि कहा यह भी जा रहा है कि भारत ने अपनी अधिक भूमि पर गश्त करने का अधिकार छोड़ दिया है, जिससे चीनियों को अधिक क्षेत्र सौंपने का आरोप लग रहा है। जबकि रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा था कि बफर जोन एक अस्थायी व्यवस्था थी और भारत ने उन क्षेत्रों पर अपना अधिकार नहीं छोड़ा है। लेकिन सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह व्यवस्था कब तक जारी रहेगी। दोनों पक्ष फरवरी 2021 में पैंगांग झील के उत्तरी और दक्षिणी तट से, अगस्त 2021 में गोगरा में पेट्रोलिंग प्वाइंट 17 से और सितंबर 2022 में हाट स्प्रिंग्स में पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से पीछे हट गए थे। इससे पहले, वे गलवान घाटी से हट गए थे। 2020 में एक झड़प के बाद जिसमें 20 भारतीय सैनिक और कम से कम चार चीनी सैनिक मारे गए थे।

नेतन्याहू को नहीं : इजरायल को सहायता पर अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स के बीच लड़ाई

वाशिंगटन, (आईएएनएस)। यूक्रेन को सुरक्षा सहायता को लेकर कांग्रेस के झगड़े में जहां डेमोक्रेट बनाम रिपब्लिकन है, वहीं इजराइल को सहायता को लेकर डेमोक्रेट बनाम डेमोक्रेट है। दोनों मोर्चे खुले और अनसुलझे हैं। बर्नी सैंडर्स, एक स्वतंत्र सीनेटर, जो डेमोक्रेट के साथ काम करते हैं, बुधवार को यूक्रेन और इज़राइल के लिए 111 बिलियन डॉलर के सुरक्षा पैकेज के खिलाफ मतदान करने वाले एकमात्र गैर-रिपब्लिकन थे। उनके साथ डेमोक्रेट चार्ल्स शूमर भी शामिल थे, जिन्होंने बाद में अपना वोट नहीं में बदल दिया ताकि वह बाद में फिर से बिल ला सकें। विधान 49-51 से पराजित हुआ। सैंडर्स ने वोट न देने के बारे में कहा, मैं नहीं मानता कि हमें फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ अमानवीय युद्ध जारी रखने के लिए दक्षिणपंथी चरमपंथी नेतन्याहू सरकार को बिना किसी शर्त के 10.1 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता देनी चाहिए।

हालांकि एक स्वतंत्र, सैंडर्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उपांग रहे हैं, ज्यादातर इसके साथ काम करते हैं और मतदान करते हैं और वह राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी के नामांकन के लिए दो बार दौड़े। वह डेमोक्रेटिक पार्टी के वामपंथी प्रगतिशील विंग का भी नेतृत्व करते हैं, जिसने गाजा में युद्धविराम और इज़राइल के लिए सुरक्षा पैकेज के हिस्से में और अधिक शर्तें जोड़ने का आह्वान किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया है कि लगभग 20 डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने वोट से एक दिन पहले मंगलवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के साथ एक बैठक में इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि इज़राइल अमेरिकी सहायता का उपयोग कैसे कर सकता है।

गाजा में कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं

बढ़ते संक्रमण से मानवीय संकट बढ़ा

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। गाजा पट्टी में फिलहाल कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं है। इजरायल ने हमास को खत्म करने की शपथ ली है। गाजा पट्टी कभी 23 लाख लोगों का घर थी। इज़रायल अब गज़ावासियों को ऐसे क्षेत्र में ठूंसकर भर रहा है जो हीथ्रो हवाई अड्डे से बड़ा (6.5 वर्ग किमी) भी नहीं है। यह युद्ध 7 अक्टूबर को इज़रायल पर हमास के हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें कम से कम 1,300 इज़रायली मारे गए और 200 से अधिक बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को बंधक बना लिया गया था। हमास के साथ एक दिसंबर को समाप्त हुए अस्थायी युद्धविराम के बाद इजरायल ने गाजा पर बमबारी फिर से शुरू कर दी है। युद्धविराम के दौरान, हमास ने कथित तौर पर 100 से अधिक बंधकों को रिहा किया था। 7 अक्टूबर से भारी बमबारी के बीच, इजरायली सेना ने गाजा पट्टी को घेर लिया है। वर्तमान में गाजा पट्टी पानी, बिजली और ईंधन की आपूर्ति पर निर्भर है। कई अस्पतालों पर बमबारी की गई है और अस्पतालों को दवाओं, ब्लड प्रोडक्ट और चिकित्सा आपूर्ति के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्ध में गाजा में 17,100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, जिनमें 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वहीं 46,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मरने वालों और घायलों की संख्या कहीं ज्यादा हो सकती है क्योंकि कई लोग मलबे में दबे हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने कहा कि गाजा की 85 फीसदी आबादी वाले 19 लाख लोग भी विस्थापित हो गए हैं। गाजा में यूएनआरडब्ल्यूए मामलों के निदेशक थॉमस व्हाइट ने एक्स पर लिखा, गाजा पूरी तरह से पतन के कगार पर है। सहायता एजेंसी की आपूर्ति ख़त्म हो रही है। आश्रय स्थल क्षमता से चार गुना अधिक हैं, और भारी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त सहायता नहीं है और मानवीय अभियान अस्त-व्यस्त हैं।

अचानक गुल हो गई पूरे श्रीलंका की बत्ती, अंधेरे में लोग

कोलंबो। एक बार फिर से श्रीलंका में बिजली संकट गहराने की खबर सामने आई है। लगभग पूरे देश में बिजली गुल होने की सूचना है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सिस्टम फेल होने के कारण लगभग पूरे श्रीलंका की बत्ती गुल हो गई है।

एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बिजली कटौती हो रही है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार सीईबी के प्रवक्ता नोएल प्रियंता ने कहा कि देश में बिजली पर एकाधिकार रखने वाला सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईबी) बिजली बहाल करने के लिए काम कर रहा है। इस बीच, सीईबी ने कहा कि बिजली कटौती मुख्य लाइन के टूटने के कारण हुई है और जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। 2022 में, गहराते आर्थिक संकट के बीच श्रीलंकाई लोगों को 10 घंटे की बिजली कटौती का सामना करना पड़ा था। इसने बाजारों को अस्त-व्यस्त कर दिया। फिर, बिजली नियामक ने दस लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों से ईंधन बचाने के लिए घर से काम करने का आग्रह किया था। दरअसल विदेशी मुद्रा की कमी के कारण श्रीलंका ईंधन शिपमेंट के लिए भुगतान करने में असमर्थ था। इससे भारी बिजली संकट भी आ गया था।

श्रीलंका के सार्वजनिक उपयोगिता आयोग के अध्यक्ष जनक रत्नायके ने तब कहा था, हमने सरकार से सार्वजनिक क्षेत्र, जिसमें लगभग 13 लाख कर्मचारी हैं, उनको अगले दो दिनों के लिए घर से काम करने की अनुमति देने का अनुरोध किया ताकि हम ईंधन और बिजली की कमी को बेहतर ढंग से मैनेज कर सकें। बिजली कटौती 13 घंटे तक बढ़ा दी गई थी।

उस समय श्रीलंका दशकों में सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार 70 प्रतिशत तक गिर गया था। श्रीलंका को तब भोजन और ईंधन सहित आवश्यक वस्तुओं के आयात के लिए भी संघर्ष करना पड़ा था।

ट्रूडो का देश छोड़ कर जा रहे लोग, मुश्किल हो रहा कनाडा में रहना

भारत के साथ-साथ कई अन्य देशों के लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में विदेशों में बसते हैं। कनाडा खास तौर पर पंजाब के लोगों को लुभाता रहा है, मगर अब यहां रहने का मतलब है अपनी जेब को और ढीली करना। घरों के बढ़ते किराये की वजह से कई लोग अब कनाडा छोड़ कर जा रहे हैं। साल 2023 के पहले छह महीनों में लगभग 42,000 लोगों ने कनाडा छोड़ दिया। इसके पीछे की वजह जस्टिन ट्रूडो सरकार की कमजोर नीतियां और जीवन यापन की बढ़ती लागत बताई जा रही है। हाल ही में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर किए गए दावे के बाद कनाडा और भारत के बीच तल्खियां बढ़ गई हैं, जिसका प्रभाव भारत से कनाडा जाने वाले लोगों पर जरूर पड़ा है। अब रिपोर्ट सामने आ रही है कि कनाडा में आम लोगों के लिए गुजारा करना काफी मुश्किल हो गया है।

हजारों की संख्या में कनाडा छोड़ रहे लोग- रॉयटर्स समाचार एजेंसी से बात करने वाले लोगों ने कहा कि जीवन यापन की उच्च लागत उनके लिए कनाडा में रहना मुश्किल बना रही है। बता दें कनाडा में उम्रदराज आबादी है और वहां की अर्थव्यवस्था बहुत हद तक प्रवासियों पर निर्भर है, वहीं लोगों का कनाडा को छोड़ कर जाना अर्थव्यवस्था पर गहरी मार साबित हो सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2023 के पहले छह महीनों में लगभग 42,000 लोगों ने कनाडा छोड़ दिया है। वहीं पिछले साल 2022 में यह आंकड़ा 93,818 था बात करें साल 2021 की तो 85,927 लोगों ने कनाडा छोड़ दिया।

सैलरी का 30 प्रतिशत चुकाते हैं किराया

कई लोग अपनी सैलरी का 30 प्रतिशत हिस्सा केवल घर के किराये के तौर पर चुका रहे हैं। रॉयटर्स से बात करते हुए हांगकांग से आईं 25 वर्षीय कारा (बदला हुआ नाम) ने बताया कि वह पूर्वी टोरंटो के स्कारबोरो में एक कमरे वाले बेसमेंट अपार्टमेंट के किराए के लिए 650 (474) कनाडाई डॉलर का भुगतान करती हैं, जो उनकी सैलरी का लगभग 30 प्रतिशत है। कारा का कहना है कि वह हांगकांग में अपनी महीने की सैलरी का लगभग एक तिहाई बचाने में सक्षम थीं। आवास की आसमान छूती लागत ने उनकी तकलीफों को बढ़ा दिया है। कारा की तरह कई लोगों के लिए कनाडा के स्थायी निवास में रहने में अब मुश्किल होने लगी है। यही कारण है कि लोग अब कनाडा छोड़ कर जाने लगे हैं। ऐसे लोग नए देशों में रहने के अपने फैसले के लिए कनाडा में घरों के किराये की आसमान छूती कीमतों को सबसे बड़ा कारण मानते हैं। आरबीसी ने सितंबर की एक रिपोर्ट में कहा कि कनाडा में औसतन घरेलू आय का लगभग 60 प्रतिशत घर चलाने के लिए आवश्यक होगा, यह आंकड़ा वैंकूवर के लिए लगभग 98 प्रतिशत और टोरंटो के लिए 80 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। पिछले महीने ट्रूडो की सरकार ने आवास बाजार पर दबाव कम करने के लिए 2025 से प्रतिवर्ष नए निवासियों के लिए किराये की कीमत को कम करने के लिए कहा था लेकिन कुछ लोगों के लिए दो साल का इंतजार करना काफी मुश्किल हो रहा है।

यूक्रेन के जवाबी हमले और पश्चिम के प्रतिबंधों के बावजूद रूस मजबूत स्थिति में

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (आईएएनएस)। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन में सेना भेजने के बाद रूस को पश्चिमी शक्तियों से प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। इसके बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर सैंक्सन लगा दिए और कीव में एडवांस हथियार और फंड भेजना शुरू कर दिया। करीब दो साल बाद पश्चिम की उम्मीदें बुरी तरह विफल होती दिख रही हैं।

इससे भी बदतर स्थिति ये है कि पश्चमी देशों को इससे काफी नुकसान हुआ है। रणनीतिक रूप से पीछे हटने के बावजूद, पीएमसी प्रमुख एवगेनी प्रिगोझिन की बगावत और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वास्थ्य पर पश्चिमी टैब्लॉइड मीडिया में कपटपूर्ण रिपोर्टों की भरमार से रूस का मुद्दा सुलझने से कोसों दूर है। प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन इसका असर उस हद तक नहीं हुआ जितना पश्चिम ने कल्पना की थी। रूसी कच्चे तेल पर मूल्य सीमा जैसे उपायों का सार्वभौमिक रूप से उल्लंघन किया गया है। निर्यात के लिए मुख्य गंतव्य चीन और भारत हो गया है।

पश्चिमी व्यवसायों के बाहर निकलने से उनके लिए एक बाजार खोने के अलावा और कुछ नहीं हुआ है। और आम नागरिकों में खराब संबंध पैदा हो गया है, जिनमें से अधिकांश उन्हें संरक्षण नहीं देंगे, भले ही वे वापस लौट आएं। कूटनीतिक रूप से, रूस बहिष्कृत होने से बहुत दूर है। हो सकता है कि इसने कुछ वैश्विक निकायों के बोर्डों में अपना स्थान खो दिया हो, लेकिन ब्रिक्स जैसे संगठन जल्द ही बड़े पैमाने पर विस्तार करने वाले हैं और एससीओ का मतलब है कि यह अंतरराष्ट्रीय चर्चा में बना रहेगा।

उधर हमास-इज़रायल युद्ध तेज होने के बाद पुतिन ने संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब का दौरा किया जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। फिर शुक्रवार को यह घोषणा करने से पहले कि वह मार्च 2024 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे, अपने ईरानी समकक्ष की मेजबानी करने के लिए स्वदेश लौट आए।

प्रथम पृष्ठ का शेष

तीन सड़क हादसों.... घटना की जानकारी पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। इसके बाद क्रेन से गाड़ी को हटाने का काम किया गया। यह घटना शनिवार की रात करीब 11 बजे की है और हादसे में अर्टिका कार पूरी तरह से जल गई। घटना के बाद ट्रक का ड्राइवर और हेल्पर गायब हो गए।

जांजगीर- एक परिवार की शादियां की खुशियां उस समय मातम में बदल गई जब दुल्हन समेत 5 की मौत हो गई। जांजगीर-चांपा में शादी से लौट रही कार रास्ते में ही एक ट्रक के साथ इतनी जबरदस्त टक्कर हुई कि दुल्हन समेत 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बलौदा का एक परिवार शादी कर वापस शिवरी नारायण लौट रहा था। जिस कार पर दूल्हा-दुल्हन और परिवार के लोग सवार थे उसकी ट्रक से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार में आग भी लग गई। कार में सवार चार लोगों की मौत मौके पर ही हो गई।

चिकबल्लापुर - चार कॉलेज छात्रों को बंगलूरू से चिकबल्लापुर ले जा रहा वाहन हाइवे के पास दुर्घटनागस्त हो गया और चिकबल्लापुर के बाहरी इलाके में एक खाई में जा गिरा। यह घटना शनिवार की है जब ये सभी छात्र अपने दो साथियों को बंगलूरू से चिकबल्लापुर छोड़ने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार उनमें से एक छात्र वाहन चला रहा था। यह घटना तब घटी, जब चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे गाड़ी पलट गई और खाई में जाकर गिरी। तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई थी। एक बुरी तरह से घायल हो गया था, जिसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल अस्पताल में छात्र का इलाज जारी है। पुलिस ने इस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंडिया गठबंधन की.... ने मोदी की गारंटी में भरोसा जताया है और वे 2024 में उनकी सरकार को फिर चुनेंगे।

एक साझा कार्यक्रम करेंगे तैयार -कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि विपक्षी दलों के सामने अब चुनौती अगले आम चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक वैकल्पिक सकारात्मक एजेंडे के साथ आने की है। सूत्रों ने कहा कि बैठक के दौरान दल संयुक्त चुनावी रैलियां आयोजित करने के लिए सीटों के बंटवारे पर योजना तैयार करेंगी और उनके लिए एक साझा कार्यक्रम तैयार करेंगे। विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए जातिगत जनगणना और पुरानी पेंशन योजना की बहाली जैसे चुनावी मुद्दों पर नेता ने कहा, 'यह चुनाव परिणाम उन मुद्दों को खारिज करने के लिए नहीं हैं जो इस चुनाव प्रचार अभियान के दौरान उठाए गए थे।' उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन के लिए मुख्य सकारात्मक एजेंडा तैयार करना विपक्षी दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है जो इसे भाजपा का मुकाबला करने में मदद करेगा।' उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो मुद्दे छाए रहे, जैसे बढ़ती आर्थिक असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक अधिनायकवाद, महंगाई कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिनकी गूंज लोकसभा चुनावों के दौरान जमीनी स्तर पर सुनाई दे सकती है। ये मुद्दे विपक्षी दलों के साझा एजेंडे का हिस्सा बन जाएंगे जो विपक्षी गठबंधन को भाजपा का मुकाबला करने में मदद करेंगे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सिहोरा जिला जबलपुर (म.प्र.)

क्र./103/राज.शा/ सिहोरा,
दिनांक 08.12. 2023

इश्तहार सूचना-पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, श्रीमति सीता जायसवाल पति सुशील जायसवाल निकाय की वार्ड 08 में स्थित मकान/भूमि खसरा न. 619/1 रकवा 1650 वर्गफुट पंजीकृत बैनामा के आधार पर श्री स्पर्श जैन पिता संजय जैन से क्रय भूमि/भवन को अपना नाम नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज करवाने हेतु नामांतरण किया जाना है। जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन दिनांक की तिथि से 15 दिवस के अंदर कार्यालय में सहप्रमाण सहित आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

राजस्व निरीक्षक नगर पालिका सिहोरा

कार्यालय आयुक्त नगर पालिक निगम, जबलपुर

पत्र क्रमांक / सहा.आ./ संपदा (लीज) / 2023/116 दिनांक- 07/12/2023

लीज होल्ड भूखंड को भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम म्यु. लीज प्लाट क्रमांक-70, निवाड़गंज एक्सटेंशन स्थित लीज होल्ड भूखंड क्षेत्रफल - 13960 वर्गफुट की श्रीमति दिव्या शाह पत्नि स्वर्गीय श्री दिलीप कुमार शाह पट्टेधारक हैं। लीज रहवास उपयोग हेतु दिनांक 09-06-1999 से 30 वर्षों के लिए अर्थात् दिनांक-08-06-2029 तक के लिए नवीनीकृत है।

पट्टेधारी द्वारा उक्त लीज होल्ड भूखंड को भूमि स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन किये जाने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत: भूखंड को भूमि स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी को आपत्ति हो, तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित कमरा नंबर-23, संपदा शाखा में प्रस्तुत करें।

रनं. 1723 **सहायक आयुक्त नगर पालिक निगम जबलपुर**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्र./1305/अ-6/2023-24

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री/श्रीमती ज्योति चौधरी पिता/पति रमन चौधरी आत्मजा स्व. प्रहलाद सिंह राय निवासी 76 नेपियर टाउन जबलपुर द्वारा ग्राम बिलहरी प.ह.नं. 10 नं.बं. 50 खसरा नं. 61/3 रकवा 1552.62 वर्गफुट भूमि रजिस्टर्ड विक्रय पत्र/ वसीयतनामा/ सहमति पत्र/ फौती के आधार पर शासकीय अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अत: उक्त भूमि आवेदक/आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/ऐतराज हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय के कक्ष क्रमांक-72 में तारीख पेशी के पूर्व पेश कर सकता है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 06/12/2023 को जारी।

जारी दिनांक 06/12/2023
पेशी दिनांक 27/12/2023

रनं. 1722 **अतिरिक्त तहसीलदार रांझी एवं कार्यपालिका दण्डाधिकारी, जबलपुर**

NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE A.H. Sayyed, MEMBER MACT- 4, 4th Floor Room No. 408, (New G+9, building) DISTRICT COURT, AKASHWANI CHOWK, NAGPUR.

C.P. No. 539/22
Process No. 7046 F.F. 18/12/2023

Petitioner: Kajal
-versus-
Respondent: Rakesh

To,
Rakesh Naklal Bhimte, R/o Ward No. 10, Kapurbori Road, Hathoda, Tah. Tirodi, Dist. Balaghat MP-481001.

Whereas the above named petitioners in above petition have filed their Claim Petition U/ sec. 166 of Motor Vehicle Act for **Rs. 1,00,000/-** U/sec.140 of Motor Vehicle Act for **Rs. 50,000/-**

You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble Member M.A.C.T. - 4, Nagpur,** in person or by a pleader duly instructed on Dated **18/12/2023**, At 11.00 A.M. to show cause in the said above noted claim Petition failing wherein the said Petition will be heard and determined exparte in your absence. Given under my hand and the seal of the Court this **21th** day of **November, 2023.**

Nagpur Date : 21/11/2023 Seal **Registrar (Judl.) M.A.C.T. Nagpur**

Prasanna Publicity 9326927622

संशोधित निविदा

दिनांक 7.12.2023 को प्रकाशित निविदा में कतिपय कारणों से आंशिक संशोधन किया जाकर अब डोम के स्थान पर बल्ली गाड़कर, टीन शैड लगाकर, बाउंड्री वॉल कर, कपड़ा लगाकर 10 ×10 फुट के आक्टोनम के लगभग 80 वाटरप्रूफ स्टाल बनाए जाना है. शेष निविदा पूर्व प्रकाशन अनुसार ही रहेगी. अत: डोम नहीं लगाया जाना है, इसके लिए निविदा प्रपत्र में भी संशोधन किया जाना है. जो इकाई निविदा प्रपत्र प्राप्त कर चुकी हैं, वे संशोधित निविदा प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं. निविदा डालने व निविदा खोलने की तिथि व समय पूर्व प्रकाशन अनुसार ही रहेंगे. संशोधित निविदा ही मान्य की जायेगी.

प्रभारी
मृगनयनी एम्पोरियम, जबलपुर

देश-प्रदेश

उवाच

केन्द्र की जाति आधारित गणना में रोड़ा अटकाने की मंशा नहीं : शाह

नईदिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केन्द्र सरकार की जाति आधारित गणना में रोड़ा अटकाने की कभी कोई मंशा नहीं रही है और जब उनकी पार्टी बिहार में सत्ता में साझीदार थी तब उसने जाति आधारित गणना का समर्थन किया था। श्री शाह ने रविवार को बिहार की राजधानी पटना में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करते यह बात कही। बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड, ओड़ीशा, पश्चिम बंगाल तथा बिहार के वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। बैठक में अंतर राज्य परिषद सचिवालय की सचिव, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और राज्य सरकारों तथा केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

बहादुर वीरों के प्रति पूरा देश नतमस्तक : शौर्य स्मारक में आयोजित विजय दिवस कार्यक्रम को राज्यपाल ने किया संबोधित, कहा-

सैनिक सेवानिवृत्ति के बाद समाज और युवाओं को संस्कारित करें

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विजय दिवस के बहादुर वीरों के प्रति पूरा देश नत मस्तक है। राष्ट्र आजीवन उन परिवारों का ऋणी है जिन्होंने अपने सपूतों को मातृभूमि के लिए कुर्बान कर दिया। अंतिम साँस तक लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले हर जवान को मैं नमन करता हूँ। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों में आगे बढ़कर सहयोग का प्रदेशवासियों से आह्वान किया है।

श्री पटेल पूर्व सैनिकों के संगठन इंडियन वेटरंस आर्गनाइजेशन द्वारा शौर्य स्मारक में आयोजित विजय दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शौर्य स्मारक पर विजय दिवस वीर-शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन जोगिन्दर सिंह सेंगर उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि आज से 52 साल पहले 1971 के भारत-पाक युद्ध में माँ भारती के वीर सपूतों ने पाकिस्तान के दाँत खट्टे करते हुए बांग्लादेश को आज़ाद कराया था। फ़ील्ड मार्शल जनरल मानेक शॉ के नेतृत्व में 90 हज़ार से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी पूर्व नहीं होता वन्स अ सोल्जर, ऑलवेज़ अ सोल्जर। सेवानिवृत्ति के बाद सैनिकों की ज़िम्मेदारी समाज के प्रति और ज़्यादा बढ़ जाती है। पूर्व सैनिक अपने अनुभव, अनुशासन और राष्ट्र प्रेम की भावना से समाज और युवाओं को संस्कारित करने का कार्य करे। साथ ही समाज के सुरक्षा कवच की भूमिका निभाते हुए युवाओं में स्वदेशी और स्वावलंबन का विकास करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने सैनिकों, युद्ध में घायल, दिव्यांग सैनिकों सहित सैनिक विधवाओं और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए इंडियन वेटरंस आर्गनाइजेशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगठन को ग्रामीण क्षेत्रों के पूर्व सैनिकों, उनके परिजनों और वंचित वर्गों की सहायता के कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जो समाज और राष्ट्र अपने शहीदों का सम्मान करता है, उनके सिद्धांतों और कार्यों से सीखता है, वह हमेशा समृद्धि की ओर बढ़ता है। श्री पटेल ने कहा कि समाज को सभी शहीद, उनके परिजन और सैनिकों का आदर करना चाहिए। उनकी हरसंभव मदद के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में शहीद सैनिक पत्नियों, वीर नारियों का सम्मान किया। उन्होंने अलग-अलग राज्यों से आए संगठन के प्रतिनिधियों को ट्रॉफ़ी प्रदान की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का कार्यक्रम के प्रारंभ में पुष्पगुच्छ और संगठन के प्रतीक लाल कैप से स्वागत किया गया। स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में इंदौर के ग्रुप ने कृष्ण भक्ति और छिंदवाड़ा के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन जोगिंदर सिंह सेंगर ने स्वागत उद्बोधन दिया और आभार अनिल ने व्यक्त किया।

मानवाधिकार दिवस पर बंदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकार पर हुआ विमर्श

समाज और सरकार की चेतना से बंदियों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा संभव : न्यायमूर्ति माहेश्वरी

भोपाल, देशबन्धु। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी ने कहा है कि समाज और सरकार की शुद्ध अंतकरणीय चेतना से बंदियों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा हो सकती है और वे देश के सभी मानव जैसे ही विकास में भागीदार हो सकते है। उन्होंने शासन को सुझाव दिया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किसी एक जेल को आदर्श रूप देकर बंदियों को सेहतमंद बनाकर उनके सभी मौलिक अधिकारों को अमल में लाया जा सकता है। न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी रविवार को प्रशासन और प्रबंधकीय अकादमी में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर बंदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकार मानव अधिकार विषय पर सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

श्री माहेश्वरी ने महात्मा गांधी के विचारो को उद्धृत करते हुए कहा कि अपराधी भी मानव होता है और कुछ परिस्थितियां होती है जो समाज के उसी मानव को अपराधी बनाती है। उन्होंने कहा कि हमे एक सकारात्मक चेतना तंत्र विकसित करना होगा और उस पर अमल करके बंदियों को देश के विकास के लिए सहभागी मानव बनाना होगा। उन्होंने मध्यप्रदेश सहित अन्य जेल में वर्तमान की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए बंदियों को सेहतमंद बनाने के लिए ठोस और सुनियोजित प्रयासों की जरूरत बताई। उन्होंने मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की इस पहल के लिए सराहना भी की।

विशिष्ठ अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के न्यायमूर्ति सुजॉय पाल ने कहा कि दोषमुक्त या सजा पूरी कर चुके बंदी को समाज को अपनाने में भेद नहीं करना चाहिए। उन्होंने विध्वंस और सृजन को समझाते हुए लोगो से सभी मानवों को सामान्य रूप से अपनाने की अपील की। उन्होंने एक धार्मिक प्रसंग का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी अपराधी नही सुधरेगा यह सही नहीं है। उन्होंने आयोग के इस सेमीनार को बंदियों के स्वास्थ और सुरक्षा अधिकार के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि आज के विमर्श से नई राह निकलेगी। उच्च न्यायालय ग्वालियर खण्डपीठ के न्यायमूर्ति संजीव एस कालगंवकर ने कहा कि जिला सत्र न्यायाधीश रहते हुए उन्होंने बंदियों के अधिकारो के हनन के कई गंभीर मामले देखे है और उन्हें ठीक भी करवाया है। उन्होंने कहा कि सुधार और नवाचार की हमेशा संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि बंदियों को मानव मानकर उनके मूलभूत अधिकार उन्हे देना ही चाहिए।

सेमीनार की अध्यक्षता करते हुए मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों में प्रदेश की जेलों में 9 सौ से अधिक बंदियों की मृत्यु में से अधिकतर तो सामान्य थी पर कुछ स्वास्थ्य सेवाओ की कमी, समय पर उपचार न मिलने, रोग की पहचान नहीं होने और कुछ अवसाद के कारण हुई है, जो गंभीर है। उन्होंने कहा कि आयोग ने बंदियों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा करते हुए उनके परिवारों को 3 करोड़ से अधिक की राशि दिलवाई है, पर असल बात बंदियों को समय पर संविधान में प्रदत्त अधिकार के अंतर्गत उनकी स्वास्थ्य और सुरक्षा के अधिकार दिलवाना हैं।अपर मुख्य सचिव गृह डा राजेश राजौरा ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश की 132 जेलो में किए जा रहे सुधार कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुधार गृह में कारागारो को बदलने और कैदियों के अधिकारो के लिए सरकार पहले से ज्यादा गंभीर है। उन्होंने कहा कि नवीन और आदर्श जेल बनाने के साथ ही आधुनिक सुविधा, पदो की पूर्ति, स्वास्थ्य परीक्षण, वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा, पढ़ाई, कौशल विकास सहित मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति पर सरकार का फोकस है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आज के सेमीनार से मिलने वाली अनुशंसाएँ भी लागू करने का प्रयास होगा।

कार्यक्रम में श्रीराम लेडी कालेज दिल्ली के पत्रकारिता विभाग की अध्यक्ष डॉ. वर्तिका नन्दा ने जेलो और वहां महिला, पुरुष और बाल अपराधियों की स्थिति पर शोधपरक अनेक दृष्टांत और कविताएं प्रस्तुत कर बंदियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की तस्वीर प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि बंदियों के शारीरिक से ज्यादा मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने मीडिया संस्थान से भी आग्रह किया कि वे ऐसी खबर प्रकाशित न करे जिससे एक मामले के कारण सभी बंदियों के मानव अधिकार प्रभावित होते हो। बंदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकार मानव अधिकार पर केंद्रित आयोग की पुस्तिका का विमोचन किया गया। प्रारंभ में आयोग के सदस्य राजीव टंडन ने स्वागत भाषण में विषय की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए पुलिस,जेल और स्वास्थ्य विभागो से समन्वय पूर्ण क्रियान्वयन बंदियों के स्वास्थ्य अधिकार की रक्षा करने की अपील की। अंत में आभार आयोग में पदस्थ एडिशनल डीजीपी बीबी शर्मा ने व्यक्त किया। सेमीनार के द्वितीय तकनीकी सत्र में गंभीर विमर्श हुआ। इस सत्र की अनुशंसाएं शासन को प्रेषित की जायेंगी। सेमीनार में प्रदेश के अनेक न्यायाधीश, पूर्व न्यायाधीश,वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जेल अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, अधिवक्ता, अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि, विधि विशेषज्ञ, विधि विद्यार्थी सहित बंदियों के परिजन भी उपस्थित थे।

छग के नए मुख्यमंत्री साय को शिवराज और शर्मा ने दी बधाई

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास तथा जनकल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भी छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता व नवनिर्वाचित विधायक विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि श्री साय दूरदर्शी एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी हैं। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि श्री साय के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। श्री साय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की विकास, गरीब कल्याण और जनहितैषी नीतियों को निश्चित ही जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

शतचंडी यज्ञ में शामिल हुए शिवराज, करुणाधाम आश्रम में अर्पित की पूर्णाहुति

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने करुणा धाम आश्रम में 4 दिसंबर से आरंभ शतचंडी यज्ञ में पत्नी श्रीमती साधना सिंह के साथ पूर्णाहुति अर्पित की। मन्त्रोचार, पूजन-अर्चन तथा आरती के साथ हुई पूर्णाहुति में करुणाधाम पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश शांडिल्य जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शतचंडी यज्ञ वेदी को साष्टांग प्रणाम कर यज्ञवेदी की परिक्रमा की, मंदिर के दर्शन किए और प्रसादी ग्रहण की।

उप्र से चुनाव प्रचार शुरू करेंगे नीतीश

लखनऊ, देशबन्धु। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले 24 दिसम्बर को रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक सभा करेंगे, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का हिस्सा है। बिहार के मंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के सचिव (संगठन) श्रवण कुमार ने कार्यक्रम की पुष्टि की है। नीतीश कुमार की रैली के लिए स्थल को अंतिम रूप देने के लिए श्रवण कुमार ने कुछ स्थानीय नेताओं के साथ शनिवार को रोहनिया का दौरा किया। रोहनिया जनसभा में पूर्वांचल क्षेत्र के पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे, जो लोकसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार की पहली रैली होगी। श्रवण कुमार ने कहा कि वाराणसी के अलावा, आजमगढ़, प्रतापगढ़, प्रयागराज, फूलपुर, अंबेडकर नगर और मिर्जापुर पर फोकस किया जाएगा। रोहनिया वाराणसी का पटेल बहुल विधानसभा क्षेत्र है। 2012 के बाद से हर विधानसभा चुनाव में इस समुदाय ने रोहनिया में निर्णायक भूमिका निभाई है। उस वर्ष अनुप्रिया पटेल ने संयुक्त अपना दल के उम्मीदवार के रूप में रोहनिया विधानसभा सीट जीती थी। वह वर्तमान में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं। 2014 में मिर्ज़ापुर से सांसद चुने जाने के बाद अनुप्रिया की विधानसभा सीट खाली हो गई थी। 2014 में रोहनिया विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के महेंद्र सिंह पटेल ने सीट जीती थी। 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के सुरेंद्र नारायण सिंह निर्वाचित हुए थे। साल 2022 में बीजेपी की सहयोगी अपना दल (एस) के उम्मीदवार सुनील पटेल ने सीट जीती। जद (यू) नेता ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों के बाद, किसी भी पार्टी को अब यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि वह एकमात्र पार्टी है जो भाजपा को हराना चाहती है क्योंकि अन्य भी सक्षम हैं। नीतीश कुमार की यूपी में चुनाव से पहले रैलियों को तेवर के रूप में समझा जाएगा। यूपी में लोकसभा की 80 सीटें हैं और वह राज्य में अच्छे प्रदर्शन को लेकर काफी आश्वस्त दिख रहे है।

जाति व धर्म भाजपा के एजेंडे में हैं

सत्तारूढ़ भाजपा पर कटाक्ष करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जाति और धर्म उनके एजेंडे में हैं जबकि हमारा एजेंडा भाईचारा और प्यार है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि (इंडिया गठबंधन) के कुछ नेताओं ने गलतियां कीं, जिसके कारण लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाने में थोड़ी देरी हुई। अब हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि आगे कोई गलती न हो। हम लोकसभा चुनाव के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने जा रहे हैं।

दूषित भोजन से 1 की मौत,15 बीमार

झाबुआ, देशबन्धु। पेटलावद थाना क्षेत्र के चापानेर गांव में शनिवार को एक कार्यक्रम में भोजन करने के बाद करीब 15 लोग फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दूषित भोजन करने से बीमार सभी लोगों का इलाज बामनिया स्वास्थ्य केंद्र पर किया गया। तो वहीं एक 47 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत ज्यादा बिगड़ने से उसे रैफर किया गया। पेटलावद अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चापानेर में तेरसिंग पिता चतरू मुणिया के घर पर शनिवार को तेजाजी महाराज की कथा का आयोजन था। कार्यक्रम में करीब 400 लोग आए हुए थे। कार्यक्रम के दौरान भोजन ग्रहण करने के बाद अचानक रात में 15 को फूड प्वाइजनिंग की शिकायत होने लगी। सभी लोगों को तत्काल बामनिया हॉस्पिटल लाया गया। जहां उनका उपचार भी किया गया। विषाक्त भोजन से मृतक व्यक्ति बादल पिता लालचंद पारगी (47) का शव परीक्षण पेटलावद अस्पताल में रविवार को किया गया।

बामनिया अस्पताल के डॉ. मनीष सोलंकी ने बताया कि शनिवार को कुछ लोग पिता-पुत्र को इलाज के लिए लाए थे। उन्हें उल्टी-दस्त हो रहे थे। पिता के मुंह से झाग आ रहे थे। मैंने गंभीरता को देखते हुए उन्हें रैफर कर दिया। कुछ और बीमार भी आए थे, उनका इलाज करने के बाद छुट्टी दे दी गई।

निकाह कर लौट रहे दूल्हे की कार में लगी आग

झाबुआ, देशबन्धु। पिटोल के समीप बैतूल-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार शाम 7 बजे के करीब कार में आग लग गई। कार में दूल्हा-दुल्हन सवार थे, जो झाबुआ से शादी कर वापस अपने घर दाहोद जा रहे थे। तभी चेक पोस्ट के पास कार धूं-धूं कर जलने लगी।

जानकारी अनुसार दूल्हा गनी लियाकत मंसूरी, दाहोद का निकाह झाबुआ निवासी दुल्हन फिजा शकील मंसूरी के साथ हुआ। निकाह के बाद वे कार में सवार होकर दाहोद जा रहे थे। तभी चलती कार में आग लग गई। ड्राइवर ने अपनी सूझबूझ से गाड़ी को सुरक्षित जगह खड़ी कर कार में बैठे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कुछ ही देर में कार पूरी तरह जलने लगी। थोड़ी देर तो राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। घटना की जानकारी पुलिस चौकी पिटोल पर जैसे मिली चौकी प्रभारी पल्लवी भाबर मय स्टाफ के साथ घटनास्थल पर पहुंची। राष्ट्रीय राजमार्ग के वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया। घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड भी समय रहते पहुंच गया था।

भाजपा में शामिल होने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेता संपर्क में : कुमार स्वामी

हासन। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल के नेता एचडी कुमारस्वामी ने रविवार को संकेत दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद कर्नाटक में कांग्रेस सरकार गिर सकती है तथा कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता पहले ही इस संबंध में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत कर चुके हैं। कुमारस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक शीर्ष कांग्रेसी नेता केंद्र के नेताओं से मिलकर लोकसभा चुनाव के बाद उनमें शामिल होने के लिए आवेदन किया है।

उन्होंने छह महीने की राहत मांगी है जिससे वह 50 से 60 विधायकों को अपने साथ ला सकें। उन्होंने हालांकि नेता के नाम का खुलासा नहीं किया लेकिन कहा कि कुछ भी हो सकता है जैसा कि महाराष्ट्र में हुआ। महाराष्ट्र में जो हुआ वह कर्नाटक में भी हो सकता है। कोई भी पार्टी के प्रति ईमानदार या प्रतिबद्ध नहीं है। सब अपना व्यक्तिगत लाभ देखते हैं। राजनीति में हमेशा ऐसा होता रहा है। कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच टकराव की ओर इशारा करते हुए कहा कि वैसे तो कांग्रेस 135 सीटें होने का दावा कर सकती है, लेकिन लोग कर्नाटक कांग्रेस की स्थिति को जानते हैं। सिद्दारमैया पर हमला जारी रखते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री जाति सर्वेक्षण की आड़ में जाति के आधार पर समाज में दरार उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के विकास के लिए बजट आवंटन बढ़ाकर 10 हजार करोड़ रुपए करने के सिद्दारमैया के इरादे पर जेडीएस नेता ने कहा कि वह अल्पसंख्यकों को धन दिए जाने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने पूछा कि क्या यह हिंदुओं को भी नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि उनमें से अधिकांश दलित और गरीब हैं।

पटना में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक हुई

बैठक में असहज दिखे नीतीश व शाह

इससे पहले कई बैठकों में शामिल होने से बचते रहे नीतीश

पटना, देशबन्धु। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डेढ़ साल बाद यहां 26वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, लेकिन उनकी बॉडी लैंग्वेज के अनुसार दोनों सहज नहीं दिखे। विशेष रूप से, नीतीश कुमार, अमित शाह का स्वागत केवल सहजता से करते दिखे, उन्हें फूलों का गुलदस्ता, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट करते समय उनकी निगाहें काफी हद तक झुकी रहीं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के प्रतिनिधियों का भी स्वागत किया। बैठक दोपहर 2 बजे शुरू हुई और 5 बजे खत्म हुई। अमित शाह बैठक में हिस्सा लेने के लिए पटना पहुंचे थे। इसमें नेताओं ने सुरक्षा और मुख्य मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले, नीतीश कुमार ने अमित शाह या पीएम नरेंद्र मोदी का सामना करने से बचने के लिए नीति आयोग की कई बैठकों और अन्य सरकारी बैठकों में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि, बिहार द्वारा क्षेत्रीय परिषद की बैठक की मेजबानी करने के कारण, नीतीश कुमार के पास अमित शाह का सामना करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आर्मी नं. 13762071W Rank HAV Name MALKIAT SINGH Presently residing at Vill-KUT (GANOR) PO- FATEH-PUR Teh- FATEHPUR Distt KANGRA (HP) PIN - 176053 शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी माता का नाम LAJO DEVI दर्ज है जो कि गलत है मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम LAJJO DEVI है जो कि मेरी माता के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं मेरी माता की इस नाम LAJJO DEVI को पढ़ा व सुना जाए एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया द्वारा शपथ पत्र नं. 36AA 597415 दिनांक 09/12/2023 नोटरी जबलपुर म.प्र.

गलत नाम-LAJO DEVI
सही नाम-LAJJO DEVI

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं , आर्मी न.15707027Y Rank-Sigmn ,Name Gyasuddin पुत्र Fida Husain उम्र 38 वर्ष निवासी-ग्राम एव पोस्ट ऑफिस-Reoti तहसील Aonla, जिला-Bareilly, राज्य-Uttar Pradesh, पिन कोड 243301,मेरा आर्मी न.15707027Y Rank-Sigmn ,Name Gyasuddin है, एवं मैं वर्तमान जबलपुर में पदस्थ हूं , मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड मेरे भाई का नाम Gyas Mohamad दर्ज है जबकि मेरे भाई के समस्त दस्तावेजों में उसका नाम Gyas Mohammad दर्ज है उक्त नाम मेरे भाई के ही है।मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड मे मेरे भाई का नाम Gyas Mohamad के स्थान पर नाम Gyas Mohammad दर्ज किया जाकर लिखा एव पढ़ा जाए।

कश्मीर में रात का तापमान शून्य से नीचे, शीतलहर जारी

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में रविवार को रात का तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे रहा। बर्फ से ढके पहाड़ों के भीतरी इलाकों में शीत लहर जारी है। रविवार को श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में शून्य से 4.2 डिग्री नीचे और पहलगाम में शून्य से 5.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। लद्दाख क्षेत्र में, लेह में रविवार को न्यूनतम तापमान माइनस 14.1, कारगिल में माइनस 10 और द्रास में माइनस 11.4 रहा।

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 11 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

महुआ : अदानी पर सवाल पूछने की सज़ा

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की उस बात को एक बार फिर से सही साबित कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'देश में पहले क्रमांक पर गौतम अदानी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह उनके नीचे हैं।' शुक्रवार को जिस प्रकार से तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोईत्रा को लोकसभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया, उससे संदेश गया है कि जो भी अदानी के खिलाफ बोलेगा, उसकी आवाज़ ऐसे ही बन्द की जायेगी। वैसे अपनी सदस्यता जाने के बाद जिस प्रकार से महुआ ने अपनी लड़ाई जारी रखने के इरादे जाहिर किये हैं और सारा विपक्ष उनके समर्थन में लामबन्द हुआ है, उससे स्पष्ट है कि महुआ को लोकसभा से निकालना मोदी के लिये महंगा साबित हो सकता है।

मोदी सरकार द्वारा जिस तरह से एक के बाद एक सारी सार्वजनिक सम्पत्तियां अदानी के हवाले की जा रही हैं, उसे लेकर राहुल गांधी लगातार हमलावर रहे हैं। उन्होंने पिछले वर्ष सितम्बर में निकाली अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मोदी द्वारा अदानी को दिये जा रहे संरक्षण पर सवाल किये थे। बाद में उन्होंने मोदी-अदानी के रिश्तों को लोकसभा में भी उठाया था। इसके चलते गुजरात की एक अदालत में लम्बित मानहानि की याचिका के आधार पर इस साल के प्रारम्भ में राहुल की सदस्यता भी छिनी गई थी। महुआ भी मोदी सरकार के उसी कोप का शिकार हुई हैं। उन पर पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया गया था। यह मामला संसद की आचार समिति (एथिक्स कमेटी) के पास विचारार्थ गया था। समिति ने उन्हें इस बात का दोषी पाया कि उन्होंने एक समूह विशेष के खिलाफ ज्यादातर सवाल पूछे और इसके लिये अपना लॉग इन पासवर्ड बाहरी व्यक्ति को दिया। शुक्रवार को करीब 500 पन्नों की रिपोर्ट लोकसभा के पटल पर रखी गई और इस पर चर्चा के लिये बहुत अल्प समय रखा गया। अनेक सदस्य मांग करते रहे कि इस पर कुछ दिनों के बाद चर्चा हो ताकि सदस्यगण प्रस्तुत रिपोर्ट का ठीक से अध्ययन कर सकें। सरकार ने यह बात नहीं मानी और सदन में अपने बहुमत के बल पर महुआ की सदस्यता रद्द कर दी।

उल्लेखनीय है कि इसके पहले जब कमेटी के समक्ष उनका बयान हुआ था, तो उनसे बेहद अशिष्ट और अशोभनीय सवाल किये गये थे जो किसी भी महिला की गरिमा के खिलाफ थे। उन्हें वकील के जरिये जिरह की अनुमति भी नहीं मिल सकी थी जो कि किसी भी आरोपी का नैसर्गिक अधिकार होता है। सदन में महुआ के पक्ष में खड़े सदस्यों ने इस प्रक्रियागत त्रुटि की ओर ध्यान दिलाया परन्तु सम्भवत: उस कमेटी ने ऐसा सायास किया था जिसमें भाजपा के सदस्यों का बहुमत है। वैसे भी इस मामले में एथिक्स कमेटी ने जिस प्रकार से सुनवाई की, उसमें कई तरह की खामियां हैं। जिस निशिकांत दुबे की ओर से यह शिकायत दर्ज की गई थी, उनका प्रतिपरीक्षण (क्रॉस एक्जामिनेशन) नहीं हुआ। इसके अलावा महुआ को अपनी बात कहने का अवसर भी नहीं मिला- न तो कमेटी के सामने और न ही लोकसभा में। इसमें सबसे बड़ी कमी तो यह है कि उनके पास से कोई नगदी या वे वस्तुएं बरामद नहीं हुई हैं, जिनके बारे में कहा गया कि सांसद ने इसके एवज में सवाल किये थे। यानी कि आरोप को सही साबित करने के लिये कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किये गये। फिर उनके खिलाफ आयकर, प्रवर्तन निदेशालय या सीबीआई तो दूर की बात है, पुलिस द्वारा भी अपराध दर्ज नहीं किया गया जो इसलिये होना था क्योंकि यह तो आपराधिक मामला बनता है।

बहरहाल, यह देश के सामने अब स्पष्ट हो गया है कि अदानी के बाबत प्रश्न पूछने का अर्थ है उसके लिये किसी को भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। खासकर, अगर वह ऐसे मंच से बोले जिससे अदानी को किसी भी तरह का नुकसान होने का अंदेशा हो। चूंकि संसद में उठाये जाने वाले मामलों की गूंज न केवल देश भर में वरन पूरी दुनिया में सुनी जाती है, मोदी सरकार के लिये ऐसी आवाज़ों को बन्द कराना बहुत आवश्यक हो जाता है। जब हिंडनबर्ग रिपोर्ट आई थी तो अदानी की कम्पनियों के शेयर रातों-रात नीचे गिर गये थे। जैसा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री सत्यपाल मलिक कह चुके हैं कि 'अदानी का पैसा मोदी का है और अदानी तो एक तरह से उनका मैनेजर है', यह कोई भला कैसे बर्दाश्त कर सकता है कि अदानी के बाबत कोई सवाल किये जायें?

जो कीमत पहले राहुल ने चुकाई वही अब महुआ को चुकानी पड़ रही है। जिस प्रकार पहले राहुल को सदन से निकालना मोदी व भाजपा को भारी पड़ा था, वैसे ही महुआ के मामले में भी होता दिखाई दे रहा है। सदस्यता जाने के बाद महुआ ने प्रेस के समक्ष मोदी को खुली चुनौती दी है कि वे बाहर भी अपनी लड़ाई जारी रखेंगी। जब वे मीडिया को सम्बोधित कर रही थीं, कांग्रेस की नेत्री सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबन्धन इंडिया के कई नेता उनके साथ मौजूद थे। वहीं टीएमसी की सुप्रीमो व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने भी इसे लेकर मोदी सरकार के प्रति गुस्सा दिखाया और बड़ी लड़ाई का ऐलान किया जो बताता है कि महुआ अकेली नहीं है। महुआ एपीसोड ने सम्पूर्ण विपक्ष को एक कर दिया है। पांच में से तीन (राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़) राज्यों में मिली पराजय के कारण जो कांग्रेस कमजोर दिख रही थी, इंडिया समेत वह फिर से सशक्त दिख रही है।

अब भी राहुल सख्त नहीं हुए तो गुडबाय टाटा!

कहानी मत सुनो इनकी कहानी मालूम करो। तीन जीते हुए राज्यों को हारने के बाद कांग्रेस ने फटाफट इनकी समीक्षा बैठक कर ली। क्या नया निकला उसमें से? कुछ नहीं। जो खुद हार के जिम्मेदार हों वे क्या बताएंगे?

हम पहले भी कई बार लिख चुके हैं फिर लिख रहे हैं कि राहुल के पास नई कांग्रेस बनाने का मौका था। अब भी है। मगर वे खाली रिपेयर से काम चला रहे हैं। कांग्रेस के पास वह माध्यम ही खत्म हो गए हैं जिसके द्वारा वह अपनी बात लोगों तक पहुंचा पाए। जब मीडिया आपका साथ नहीं दे रहा। बल्कि यह कहना चाहिए कि पूरी तरह आपके खिलाफ है तो उसमें जाकर रोज अपना चेहरा दिखाने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करना चाहिए। यह प्राइवेट एजेन्सियां कांग्रेस इतना हायर करती है और पता नहीं कितना करोड़ों लेकर कांग्रेस को वह उतना ही हरवाती हैं जितना वह उनके बिना हार रही होती है। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि यह उम्मीदवारों का सर्वे, विज्ञापन, प्रचार करने का ठेका लेने वाले अगर नहीं होते तो कांग्रेस के कुछ उम्मीदवार ज्यादा ही जीतते। ये जीताने वाले चुनाव विशेषज्ञ नहीं होते पैसा कमाने वाले धंधेबाज होते हैं।

अगर इनके सर्वे के हिसाब से ही टिकट मिले तो फिर टिकट बेचने की शिकायतें कहां से आ गईं? इनके लड़के और लड़कियां जो फील्ड में जाते हैं वे कौन होते हैं। दूसरे समय में वे सेल के काउंटरों पर सेल्समेन और सेल्स गर्ल का काम करते हैं। उन्हें किसी प्रोडक्ट की क्वालिटी के बारे में मालूम नहीं होता वह तो जिस चीज को आप उठाकर देखने लगो उसको कहने लगते हैं कि हां अच्छी है। ऐसे ही यह सर्वे वाले क्षेत्र में जाकर जो उनसे मिल लेता है। सेवा सत्कार कर देता है उसे सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार बता देते हैं।

मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा सर्वे का हल्ला था। और कांग्रेस सबसे ज्यादा बुरी तरह मध्य प्रदेश में ही हारी है। छत्तीसगढ़ में तो कोई कह ही नहीं रहा था कि कांग्रेस हार भी सकती है। मगर अब वहां के अख़बार टिकट बेचने की खबरों से भरे पड़े हैं। कांग्रेस के नेता खुलेआम टिकट बेचने के आरोप लगा रहे हैं। राजस्थान मध्य प्रदेश में ऐसे ही आरोप लग रहे हैं।

कांग्रेस में यह तो पुरानी शिकायत है कि जितना पैसा उम्मीदवार को चुनाव लड़ने के लिए भेजा जाता है उसमें से बड़ा हिस्सा कमीशन के नाम पर काट लिया जाता है। लेकिन इस बार एक नई शिकायत और सुनने को मिली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के इंतजाम के लिए 25-25 लाख रुपए हर जगह भेजे गए थे। उसमें से आधे खर्च किए जाते थे और आधे बांट लिए जाते थे। कांग्रेसी पार्टी अध्यक्ष को भी नहीं छोड़ते!

राहुल को यह सब चीजें मालूम करना चाहिए। जैसे उम्मीदवारों के सर्वे के लिए कहते हैं तीन-तीन एजेन्सियों से करवाया गया। वैसे ही हर राज्य के लिए दो या तीन लोगों को पहुंचाना चाहिए। पार्टी के। इसके अलावा राहुल को अपने आफिस के लोगों से भी थोड़ा काम लेना चाहिए। उन्हें भी फील्ड में भेजना चाहिए कि क्या हुआ, क्या हो रहा है मालूम करके आएं। और तीसरे उन प्राइवेट एजेन्सियों से पूछना चाहिए जिन्हें इतना पैसा दिया है कि लिखित में बताओ कि क्यों हारे?

शकील अख्तर

> कांग्रेस बिना डंडे के नहीं मान सकती। भाजपा को चाहे जितनी आलोचना कांग्रेस करे। मगर आंख खोलकर यह देख ले कि वहां मोदी जी ने कैसा सबको सतर कर रखा है। एक हफ्ते से ज्यादा वक्त तक तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पर माथापच्ची होती रही। मगर क्या मजाल कि कोई चूं भी कर जाए। जब देश की सत्ताधारी पार्टी का हाल ऐसा है तो कांग्रेस का अतिउदारवाद जो दरअसल ढीलापन है कैसे चलेगा!

यह तीनों राज्य मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान हारने के नहीं थे। कांग्रेस जीती हुई बाजी हारी है। दोषी कौन है? वही जो जीत जाते तो इसका श्रेय लेते। मध्य प्रदेश में कमलनाथ, राजस्थान में गहलोत और पायलट एवं छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव। यही तो गाल बजाते। 2018 में यही तो किया था। राहुल को एक रत्ती जीत का श्रेय नहीं दिया था। अब हारे हैं तो मानें अपनी गलतियां। क्या किसी ने कहा कि मैं इस्तीफा देता हूं?

मैं अपना अहंकार, गुटबाजी में लगे रहना, आत्ममुग्धता स्वीकार करता हूं? तीनों राज्यों की रिव्यू मीटिंग हो गई। कहीं पश्चाताप के स्वर सुनाई दिए। दिग्विजय ने 2003 की हार के बाद दस साल तक कोई पद नहीं लिया था। क्या इनमें से कोई ऐसा है जो एक साल भी बिना पद के रह सके?

कांग्रेस बिना डंडे के नहीं मान सकती। भाजपा को चाहे जितनी आलोचना कांग्रेस करे। मगर आंख खोलकर यह देख ले कि वहां मोदी जी ने कैसा सबको सतर कर रखा है। एक हफ्ते से ज्यादा वक्त तक तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पर माथापच्ची होती रही। मगर क्या मजाल कि कोई चूं भी कर जाए। जब देश की सत्ताधारी पार्टी का हाल ऐसा है तो कांग्रेस का अतिउदारवाद जो दरअसल ढीलापन है कैसे चलेगा! महाजन येन गत:स पंथा:। इस समय का मार्ग यह ही है। और कांग्रेस भाजपा का क्यों माने? खुद उसकी नेता इन्दिरा गांधी सत्ता की मजबूत केन्द्र थीं। जिस राजस्थान में गहलोत और पायलट लड़ते रहे और राहुल कोई फैसला नहीं कर पाए। वहां इन्दिरा गांधी ने मोहनलाल सुखाडिया और हरिदेव जोशी जैसे नेताओं के बीच में से बरकतउल्लाह खान जैसे सामान्य कांग्रेसी को मुख्यमंत्री बना दिया था। और ऐसे ही जोशी और शिवचरण माथुर के झगड़े के बीच में से दलित जगन्नाथ पहाड़िया को मुख्यमंत्री बनाया था।

तो इन्दिरा ऐसे सख्त फैसले लेकर ही कांग्रेस की नेता बनी रह पाईं। हम उससे पहले 1969 का जिक्र नहीं कर रहे जहां इन्दिरा ने और कठिन फैसले लिए थे। इन्दिरा के टाइम में टिकट बेचने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता था। जैसे आज मोदी के समय में कोई सोच भी नहीं सकता। इतनी सख्ती तो जरूरी है। यूपी और बिहार में टिकट बेचने की हर बार कहानी आती है। और वहां कांग्रेस की हार का यह एक प्रमुख कारण है। मगर आज तक वह दलाल पकड़े नहीं गए।

क्या राहुल और प्रियंका को मालूम है कि कांग्रेस मुख्यालय में उनके बारे में कैसी बातें की जाती हैं। बाहर सोशल मीडिया, गोदी मीडिया और भाजपा के आईटी सेल में जो बातें आती हैं उनका उद्‌गम कांग्रेस से ही होता है। राहुल और प्रियंका की यह क्या मजबूरी है जो वे उपहास करने वाले चरित्रहनन करने वाले कांग्रेस के स्टाफ से लेकर पदाधिकारियों तक को सह रहे हैं? यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी के साथ लगा दिए गए किस आदमी की निष्ठा कहां है यह किसी को क्या मालूम है? कुछ हजारों पर बिक जाने वाले लोग करोड़ों तो छोड़िए लाखों पर क्या-क्या कर सकते हैं इसकी क्या कांग्रेस नेतृत्व को खबर है?

आज राज्यसभा सदस्य धीरज साहू की चर्चा है। कांग्रेस कहती है हमसे कोई मतलब नहीं। अच्छा तो फिर इसे राज्यसभा सदस्य किसने बनाया था? राहुल सिर्फ यही पूछ लें कि 2008 में किसके कहने से इसे राज्यसभा दी गई थी? सीधा मैसेज चला जाएगा कि राहुल सब जानना चाहते हैं। सब लाइन में आ जाएंगे।

बाकी कांग्रेस स्वतंत्र है। जैसे 2012 के बाद से एडाकहिज्म (तदर्थवाद) पर चल रही है। वैसे अपने खत्म होने तक चल सकती है। राजनीति में शून्य (वैक्यूम) तो होता नहीं। कोई दूसरी पार्टी जगह भर देगी। लेकिन अगर कांग्रेस नहीं सुधरी तो उसे 2024 लोकसभा में भी कोई उम्मीद नहीं रखना चाहिए। आधे अधूरे मन से राजनीति करने का अब समय नहीं है। यह सोनिया गांधी और वाजपेयी के दौर में चल गया। अब मोदी का समय है। कठिन समय। अव्यवस्थित, अनुशासनहीन, निजी स्वार्थों में घिरी फौज के सहारे राहुल मोदी के एकछत्र नेतृत्व से नहीं लड़ सकते।

सख्ती करना होगी। सख्त दिखना होगा। अंग्रेजी का मुहावरा है हेड्स विल रोल! सिर लुढ़कते हुए दिखना चाहिए। मतलब शाब्दिक नहीं। मतलब यह है कि गुनाहगार सज़ा पाते हुए दिखना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

इंडिया ब्लॉक में अभी भी है भाजपा से मुकाबले की क्षमता

■ नित्य चक्रवर्ती

राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि कांग्रेस ने तीन हिंदी भाषी राज्यों - मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया है, जैसा कि राष्ट्रीय मीडिया में प्रस्तुत किया जा रहा है। दरअसल 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इन तीन राज्यों की कुल 65 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 2023 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपनी स्थिति में काफी सुधार किया है, हालांकि उम्मीदों से वह अभी भी काफी कम है।

इसका मतलब यह है कि आने वाले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस और उसके सहयोगियों का काम कठिन हो गया है, लेकिन फिर भी यह एक मुकाबले की दौड़ बनी रहेगी, बशर्ते विपक्षी इंडिया गठबंधन में सहयोगी राजनीतिक पार्टियां राज्य चुनाव परिणामों से सही सबक ले, सुधारात्मक उपाय करे, और व्यापक चुनावी दंगल में कूद पड़े। साथ ही लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को आकर्षित करने वाले कार्यक्रम के साथ आधारित जन अभियान चलाये।

विपक्षी दलों के लिए अभी समय महत्वपूर्ण है। जैसे कि संकेत मिल रहे हैं, लोकसभा चुनाव इस साल मार्च और अप्रैल में होने की संभावना है। पूरी संभावना है कि घोषणा फरवरी के दूसरे सप्ताह में की जायेगी और मतदान मार्च 2024 के दूसरे सप्ताह से शुरू होगा। 2019 में, चुनाव की घोषणा 10 मार्च को की गई थी, मतदान 11 अप्रैल को शुरू हुआ और 19 मई को सात चरणों में समाप्त हुआ। परिणाम 23 मई को घोषित किये गये।

> भाजपा की इस बड़ी चुनौती का सामना करते हुए, इंडिया गठबंधन को बिना समय गंवाये पूरी एकजुट ताकत के साथ महासंग्राम के लिए खुद को तैयार करना होगा। दरअसल, लोकसभा चुनाव का पहला चरण शुरू होने में महज तीन महीने बचे हैं। सीट बंटवारे की व्यवस्था और अभियान कार्यक्रम पर निर्णय लेने के लिए बैठक न करके इंडिया ब्लॉक द्वारा काफी समय बर्बाद किया गया है। राज्य चुनावों के बाद पहली पूर्ण बैठक अब इस महीने के तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व के लिए, 2019 के कार्यक्रम की तुलना में लोकसभा चुनावों को एक महीने पहले करना दो कारकों पर आधारित है। सबसे पहले अगले साल 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया जायेगा। उद्घाटन का संदेश पूरे देश में पहुंचाने के लिए भाजपा और संघ परिवार ने पहले ही बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की घोषणा कर दी है। आरएसएस द्वारा निर्देशित यह अभियान 2024 के लोकसभा चुनावों के अभियान के साथ-साथ देश के दूरदराज के हिस्सों तक अपनी पहुंच बनायेगा।

दूसरा, नरेंद्र मोदी सरकार 2024-25 के लिए अंतरिम बजट फरवरी के पहले सप्ताह में पेश करने वाली है, संभवत: 1 फरवरी को। प्रधानमंत्री महिलाओं, युवाओं और आदिवासियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के सलाहकार प्रस्तावित योजनाओं की संरचना पर काम कर रहे हैं जिनमें लक्षित आबादी के बीच तुरंत प्रभाव डालने की क्षमता हो सकती है। इसलिए हिंदुत्व और कल्याणवाद का यह संयोजन जिसने प्रधानमंत्री और भाजपा को नवीनतम राज्य विधानसभा चुनावों में अच्छा लाभांश दिया है, 2024 के चुनावों में मतदाताओं से अधिकतम समर्थन प्राप्त करने के लिए इसे और अधिक तेज और केंद्रित किया जायेगा।

भाजपा की इस बड़ी चुनौती का सामना करते हुए, इंडिया गठबंधन को बिना समय गंवाये पूरी एकजुट ताकत के साथ महासंग्राम के लिए खुद को तैयार करना होगा। दरअसल, लोकसभा चुनाव का पहला चरण शुरू होने में महज तीन महीने बचे हैं। सीट बंटवारे की व्यवस्था और अभियान कार्यक्रम पर निर्णय लेने के लिए बैठक न करके इंडिया ब्लॉक द्वारा काफी समय बर्बाद किया गया है। राज्य चुनावों के बाद पहली पूर्ण बैठक अब इस महीने के तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है। इस बैठक में चुनावी रणनीति की प्रक्रिया शुरू होनी है ताकि 2024 के चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए सहयोगियों के बीच अधिकतम एकता हासिल की जा सके।

एक बात का ध्यान रखना होगा। वन ऑन वन फॉर्मूला राष्ट्रीय स्तर पर लागू नहीं होता। यह राज्य विशिष्ट होना चाहिए। वहां पहले से ही एक निर्धारित पैटर्न मौजूद है। नवीनतम घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए इसे परिष्कृत किया जाना चाहिए। सीट बंटवारे की बातचीत पहले राज्य स्तर पर शुरू की जानी है लेकिन इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कुछ केंद्रीय कोर टीम की आवश्यकता है क्योंकि राज्य स्तर पर प्रत्येक राजनीतिक दल के नेता को अपनी पार्टी के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखना होगा, इसलिए मतभेद स्वाभाविक होंगे। राज्य इकाइयों को केंद्रीय निर्देश से ही इससे बचा जा सकता है।

सीट बंटवारे के फॉर्मूले की बारीकियों की बात करें तो राज्यों को तीन व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है- पहला, वे राज्य जहां कांग्रेस भाजपा से लड़ने वाली मुख्य राजनीतिक पार्टी है, दूसरे, वे राज्य जहां क्षेत्रीय दल मुख्य चुनौती दे सकते हैं, और तीसरा जहां पहले से ही इंडिया गठबंधन की पार्टियों का गठबंधन काम कर रहा है। इसके अलावा, उत्तरपूर्व के राज्यों और जम्मू और कश्मीर भी हैं जो एक अलग श्रेणी के हैं।

जहां तक पहली श्रेणी का संबंध है, कांग्रेस इंडिया गुट में प्रभुत्व वाली पार्टी है। इसलिए, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल, हरियाणा, कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा में हालिया विधानसभा चुनावों से सबक लेते हुए कांग्रेस मध्य प्रदेश में सपा और राजस्थान में सीपीआई (एम) के साथ कुछ समायोजन के बारे में सोच सकती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में कांग्रेस सीपीआई के साथ कुछ समायोजन कर सकती है। लेकिन यह ध्यान में रखना होगा कि इंडिया गठबंधन की अन्य पार्टियाँ अपने-अपने समर्थन आधार के मामले में इन राज्यों में बहुत छोटी हैं। गैर-कांग्रेसी दलों को अपनी मांगों के मामले में व्यावहारिक होना चाहिए।

ओडिशा में कांग्रेस सीपीआई और सीपीआई (एम) के साथ तालमेल बिठा सकती है। दोनों वाम दलों के साथ यह गठबंधन राज्य में बीजद और भाजपा दोनों से लड़ने में भारतीय गुट के लिए मददगार होगा। ओडिशा में भाजपा फिर से उभरने की संभावना रखती है। यदि संभव हो तो कुछ सीमांत सीटों पर भाजपा को हराने के लिए बीजद के साथ भी समझौता किया जा सकता है।

दूसरी श्रेणी के राज्यों में, बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस भाजपा के लिए निर्विवाद रूप से मुख्य चुनौती है। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा राज्य में भाजपा और टीएमसी दोनों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। अब सवाल यह है कि क्या कांग्रेस टीएमसी के साथ गठबंधन करेगी या सीपीआई (एम) नेतृत्व वाले फ्रंट के साथ रहेगी। कांग्रेस को इस पर जल्द फैसला करना चाहिए। किसी भी स्थिति में, बंगाल में ममता बनर्जी 2024 के चुनावों में भाजपा की लोकसभा सीटों को 2019 के 18 के आंकड़े से काफी कम करने की स्थिति में हैं।

दिल्ली और पंजाब आम आदमी पार्टी द्वारा शासित दो राज्य हैं जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। पंजाब में भाजपा की हालत खराब है लेकिन दिल्ली में वह फिर से उभर रही है। दिल्ली में भाजपा को हराने के लिए आप और कांग्रेस का गठबंधन बेहद जरूरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सभी सात सीटें मिली थीं।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश में, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव राज्य में भाजपा विरोधी लड़ाई में प्रमुख व्यक्ति हैं, जो लोकसभा में 80 सांसद भेजता है। इस बार उत्तर प्रदेश से इंडिया गठबंधन को अपने सांसदों की संख्या बढ़ना जरूरी है। सपा को अपना एक मोर्चा मिल गया है और वह कांग्रेस द्वारा सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू होने का इंतजार कर रही है। कांग्रेस को जमीन पर अपनी वास्तविक ताकत के आधार पर बातचीत करनी होगी। पार्टी को यह समझाना होगा कि उसे जीत के लिए सपा पर निर्भर रहना होगा। इंडिया ब्लॉक को उत्तर प्रदेश में सफल सीट बंटवारे की व्यवस्था के लिए शरद पवार या नीतीश कुमार जैसे किसी अनुभवी को नियुक्त करना चाहिए। भाजपा ने 2024 चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश से 75 सीटों का लक्ष्य रखा है। इंडिया ब्लॉक को इस आंकड़े को काफी हद तक कम करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिकतम भाजपा विरोधी वोट इंडिया पार्टियों को जायें।

केरल में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ एक-दूसरे के खिलाफ लड़ेंगे। वहां भाजपा कमजोर है। केरल से लोकसभा में उसकी एक भी सीट नहीं है। सभी 20 सीटें इंडिया ब्लॉक को मिलेंगी, भले ही किसी भी मोर्चे को मिलें।

तीसरी श्रेणी के लिए, भारत के नेतृत्व वाली पार्टियों के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारें तमिलनाडु, बिहार और झारखंड में काम कर रही हैं। गठबंधन का पैटर्न तय है, केवल मामूली समायोजन किया जा सकता है। बिहार में महागठबंधन को सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को कम से कम दो सीटें और सीपीआई को एक सीट देने पर विचार करना होगा। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव दोनों लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक को ज्यादा से ज्यादा सीटें दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन पर भरोसा किया जा सकता है। तमिलनाडु और झारखंड दोनों ही राज्यों में सीट बंटवारे को लेकर कोई दिक्कत आने की उम्मीद नहीं है।

चूंकि 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार का समय कम है, इसलिए इंडिया ब्लॉक को जल्द से जल्द अपने सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम के आधार पर एक संयुक्त अभियान की संभावना तलाशनी चाहिए। वास्तव में, कांग्रेस को दूसरी भारत जोड़ो यात्रा को इंडिया ब्लॉक की ओर से लोकसभा मतदाताओं के लिए जरूरी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाली यात्रा में बदलने के बारे में सोचना चाहिए। जनता में यह धारणा होनी चाहिए कि इंडिया गठबंधन की पार्टियां एक साथ हैं और एक साथ रहेंगी। एकजुट होकर हम उठते हैं, विभाजित होकर हम गिरते हैं। इसे लोकसभा चुनाव से पहले शेष महीनों के दौरान इंडिया गठबंधन की पार्टियों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

गुरवाणी विचार

तुम करो दया मेरे साइं

काम, क्रोध, लोभ, झूठ, निंदा-इन ते आप छड़ावहो।
इह भीतर ते इनको डारहो, आपन निकटि बुलावहो।
अपनी विधि आप जनावहो, हरि जन मंगल गावहो।
बिसर नाही कबहूं हीये ते इह विधि मन माहि पावहो।
गुरु पूरा भेटिओ वडभागी जन नानक कतहि धाहो।

गुरवाणी की यह पंक्तियां सोरठ राग से ली गई है जो गुरुग्रंथ साहिब के 617 अंग पर सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवें नानक अर्जुन देवजी समस्त मानवों की तरफ से प्रभु परमात्मा से प्रार्थना कर रहे हैं कि हे प्रभु काम, क्रोध,लोभ, झूठ, निंदा इत्यादि जो बेकार हैं। इन सब से मुझे छुड़ा कर अपने चरणों में ले लेवें। ये पांच विकार हमें अपने वश में करना चाहते हैं और हर वक्त हम पर हावी होते रहते हैं। इनसे पूर्णरूप से तो छुटकारा नहीं पाया जा सकता पर प्रभु कृपा हो जाने पर इन पर काबू पाया जा सकता है और यह संभव भी तभी है जब प्रभु परमात्मा की हम पर विशेष कृपा हो जाए। थोड़े-थोड़े रूप में हमें इन विकारों की भी जरूरत रहती है। अपने और अपने परिवार का उदर-पोषण करने हेतु धन की आवश्यकता होती है इसलिए लोभ और मोह थोड़ी मात्रा में जरूरी है अगर हम बिलकुल शांति से रहना चाहेंगे तो दुनिया हमें जीने नहीं देगी सांप अगर शांत रहे तो लोग पत्थर मार-मार कर अधमरा कर देंगे। इसलिए उसको भी फुंफकारना पड़ता है। अपनी रक्षा करने हेतु इसलिए हमें भी थोड़ी मात्रा में क्रोध की आवश्यकता होती है पर अधिक क्रोध अच्छा नहीं होता। इसलिए प्रभु परमात्मा से प्रार्थना करते रहना चाहिए इन पांचों बटमारों को हम तभी वश में कर पाएंगे जब हम पर प्रभु परमात्मा की कृपा हो जाएगी। इसलिए हमें प्रभु परमात्मा अपना वरदहस्त रख देवें ताकि हम इनसे निजात पा लेवें।

तुम करो दया मेरे साईं,
ऐसी मति दीजै मेरे ठाकुर
सदा सदा तुझ धिआई।

प्रभु परमात्मा अपने भक्तों की स्वयं देखरेख करते रहते हैं और उन्हें प्रेरणा देते रहते हैं कि वे इस तरह साध संगत में जाकर प्रभु सिमरन में मन रमाएं।

अपने सेवक की आपे राखे आपे नाम जपावें।
जै जै कार किरत सेवक की ताहि ताहि उठ धावैं।

इस समस्त संसार की रचना प्रभु परमात्मा ने की है और रचना करने के बाद हर एक में विराजमान रहकर अपनी-अपनी गतिविधि का निरीक्षण करता रहता है। सुनार सोने के गहने बनाने तक या उसके बिकने तक ही उसमें मोह रखता है पर पभु अपनी रचना के अंदर हर वक्त बिराजमान रहता है।

घटि घटि में हरि जी औ बसे संतन कहयो पुकार।

इसलिए हमें चाहिए कि हम हर वक्त उस प्रभु परमात्मा की सिफत सलाह के गीत गाते रहें अर्थात उसकी सिमरन बंदगी में जुड़े रहें पर हमारे बहुत ही अच्छे भाग्य हों तभी हमारे मन की ऐसी स्थिति बन पाएगी। जब हमारे मन से मैं मैं की भावना खत्म हो जाएगी और जो किछ किया सो तूं किया ऐसी स्थिति बन जाएगी तभी हमारा कल्याण हो पाएगा। इसी बात को भक्त कबीर दास जी इस तरह समझा रहे हैं-

कबीर मैं मैं करता तूं हुआ।
मुझमें रहा न मुआ।।
जब आपा परका मिट गया जहां देखां तां तूं।।

इसलिए हमें मानव जीवन पाने का पूर्णरूप से लाभ उठाते हुए सब तरफ से ध्यान हटाकर प्रभु सिमरन में मन लगाए रखना चाहिए। अपना और अपने परिवार का उदर पोषण हेतु कार-विहार भी करना है। पर मन हर वक्त प्रभु परमात्मा से जोड़े रखना है।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

शराब कारोबारी और राज्यसभा सांसद से अकूत संपति मिलना आश्चर्यजनक

भ्रष्टाचार में डूबे और अकूत संपति के मालिक की करतूत देश ने अपनी आंखों से देखी है। तीन सौ करोड़ से ज्यादा के कैश गिन चुके आयकर अधिकारियों को और नकद मिले हैं जिसकी गिनती और आगे चलेगी। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाना चाहते हैं। भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों की आंखों में धूल झोंककर तिजोरियां भरने वाले की देश में कमी नहीं है। सरकारी फरमान आते ही टैक्स चोरी की रकम सरकार को लौटानी ही पड़ती है। धीरज साहू ने हलफनामे में अपनी संपति का हवाला देते हुए 34.83 करोड़ रुपए बताया था। जांच एजेंसियों ने इस पर संज्ञान लेकर कई सबूतों के बाद उनके हर जगह रेड कर अकूत संपति पकड़ी है। जिस पार्टी के साथ तालुक है उसने सफाई में एक शब्द नहीं बोला है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद की मोटी रकम पकड़ी गई है उसके बाद कांग्रेस ने धीरज साहू के बारे में एक शब्द तक नहीं बोला है। धीरज साहू कांग्रेस की छत्रछाया में राज्यसभा पहुंच गए। दो नम्बर की अकूत संपति एकत्रित कर टैक्सचोरी करने वाले धीरज साहू को पुलिस संरक्षण की आवश्यकता होने के कारण राज्यसभा सदस्य बने हैं। क्योंकि ऐसे नेता बनकर सरकार से सुरक्षा प्रदान कर लेते हैं। झारखंड में पूजा के यहां से 17 करोड़ की नकदी मिली थी। पार्थ चटर्जी की महिला मित्र के यहां से 50 करोड़ की रकम मिली थी। ये तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी की पार्टी से जुड़े हुए थे। उनके पास महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जांच एजेंसियों ने बरामद किए थे। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हुआ है। ये सफाई देकर अपने आप को ईमानदार बताते हैं लेकिन इन लोगों से बेईमान कोई है जो देश में भ्रष्टाचार की वैतरणी पार करने में आगे रहते हैं। कारोबार करने से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन आयकर नहीं चुकाने वाले को क्या नाम दिया जाए?

ज्वालामुखी से सूर्य के तापमान को कम करने का उपाय मिला

धरती के तापमान को कम कर जलवायु परिवर्तन पर काबू पाने के लिए हमारे वैज्ञानिक एड़ी चोटी का जोर लगाकर प्रयास में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। सूर्य की गर्मी से धरती को बचाने की पहल करके वैज्ञानिक सिद्धि प्राप्त करने में सफ़ल होते जा रहे है। 2022 से धरती पर 1.26डिग्री तापमान बढ़ने से जीवन दूभर होता जा रहा है। यहां तक पशु-पक्षियों की हालत खराब हो गई थी। गर्मी के कारण पशुजगत की भी हालत बहुत खराब हुई, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है वैज्ञानिकों की यह बड़ी सिद्धि की और बढ़ते कदम है। यह सिद्धि दुनिया के ललाट पर लिखने जा रहे हैं। धरती के तापमान को घटाने की खबर पढ़ने-सुनने से तर्कवादी सड़क पर आ जाते हैं लेकिन यह सत्य और मानने योग्य इसलिए है कि यह दुनिया के महान वैज्ञानिकों की सिद्धि है। कदम-कदम पर शोधकर्ताओं द्वारा उपलब्धि हासिल कर सफलता हासिल की है। इस पर वैज्ञानिक स्तर पर बहुत विचार विमर्श हो रहा है। इस पर शोध कार्य चल रहा है। ज्वालामुखी फटने से इसका आइडिया आया था जिससे वैज्ञानिकों ने शोध शुरू कर दी है। इसमें सफलता के करीब हैं। बढ़ते तापमान पर शोधकर्ताओं का विचार है कि 2030 तक धरती का तापमान 2.5 डिग्री तक बढ़ सकता है। इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटने की घटना सामने आई थी। 1815 में घटना घटित हुई थी और दूसरी घटना 1991 की साल में फिलीपाइन्स में बनी थी। ज्वालामुखी फटने के बाद थोड़े समय मे ग्लोबल टेम्परेचर घटा था। ज्वालामुखी विस्फोट होता है तो वायुमंडल में जम जाता है। ज्वालामुखी विस्फोट करके आर्टिफिशियल घुमस पैदा करने में वैज्ञानिक सफल होते दिखाई दे रहे हैं जिससे धरती की गर्मी को कम किया जा सकता है। बढ़ते तापमान से धरती पर जनजीवन पर सीधा असर पड़ता है। दूसरी तरफ अनहोनी की संभावना है। दुनियाभर की प्रजाति अपने-अपने स्तर बदलाव की तरफ बढ़ रही है। विश्व के वैज्ञानिक इस उपलब्धि की तरफ कदम बढ़ा चुके हैं। **कांतिलाल मांडोत, सूरत**

महाकोशल के रादुविवि में नये कुलपति के लिये फिर से जोड़-तोड़ के आसार

बीते आठ सालों से कुलपति के पद पर जमे हैं कपिल देव मिश्र, आधा सैकड़ा से ज्यादा प्रोफेसर दे चुके हैं आवेदन

जबलपुर, देशबन्धु। महाकोशल के रादुविव में कुलपति के लिये जोड़-तोड़ जल्द तेज होने के आसार हैं। चुनाव निपटने के बाद फिर दावेदार सक्रिय हो सकते हैं।

राजभवन ने रानी दुर्गावती विवि के नए कुलपति की नियुक्ति की कवायद तेज कर दी है और किसी भी वक्त नाम का ऐलान किया जा सकता है। दावा किया गया है कि तीन उम्मीदवारों को पछाड़ते हुए, जो नाम अब नंबर एक पर लहरा रहा है, ये वही नाम है,जो उज्जैन में कुलपति रहते हुये काफी विवादित रहा और अंतत: जिन्हें धारा 52 लगाकर हटाया गया। आश्चर्य की बात ये है कि इनके कुलपति की बनने की संभावनाएं बढ़ रही हैं,लेकिन इनके नाम को लेकर कहीं कोई विरोधाभास नहीं है।

राजनैतिक और एक गैर राजनीतिक संगठन में अपनी मजबूत पकड़ की बदौलत जिन महाशय का नाम सबसे आगे है,वे खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं,जबकि इस दौड़ के अन्य दो चेहरे हवा में उड़ गए हैं। सूत्रों का दावा है कि फिसफ औपचारिकता पूरी करने के लिए ही अन्य दो नाम भेजे गये थे। विवि के गलियारों में सवाल गूंज रहा है कि आखिर किस आधार पर नाम हटाए गये हैं और किस आधार पर एक नाम का चयन किया गया है।

अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि बीते आठ सालों से रादुविवि के कुलपति कपिल देव मिश्र हैं। श्री मिश्र का जबलपुर क्या बल्कि मप्र से कोई सीधा सरोकार नहीं है। श्री मिश्र भी कई बड़े नामों को पछाड़कर कुलपति बने थे और ये उनका दूसरा टर्म है। इस बार भी कमोबेश ऐसा ही कुछ होने वाला है। उल्लेखनीय है कि कुलपति चयन की प्रकिया जून में शुरु हुई थी। राजभवन को 50 प्रोफेसर्स ने आवेदन दिया था। रादुविवि से ही छह नाम इसमें शामिल थे। राजभवन ने इनमें से 12 नामों को फाइनल किया और साक्षात्कार के लिए सर्च कमेटी का गठन किया गया। सर्च कमेटी ने साक्षात्कार लेने के बाद नामों पर सहमति दी। इसका आधार भोपाल के बरकतउल्ला विवि को माना जा रहा है। वहां चयन प्रक्रिया के दौरान पांच नामों का अनुमोदन किया गया था। कमेटी चयनित नामों को सील बंद लिफाफे में बंद कर राजभवन भेज दिया।

इसमें से किसी एक नाम पर राज्यपाल अनुशंसा करेंगे। आवेदनों की स्कूटनी के लिए बरकतउल्ला विवि, असम विवि के कुलपति, उज्जैन के अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग के साथ ही यूजीसी से नॉमिनेट सदस्य को शामिल किया गया है। रादुविवि के कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र का कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त हो चुका है।

जबलपुर से दो प्रदेश महामंत्रियों का इस्तीफा

विस चुनाव में मिली हार पर कांग्रेस का आत्ममंथन

जबलपुर/ देशबन्धु। प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस्तीफा देना शुरु कर दिया है, आज जबलपुर में भी दो प्रदेश महामंत्रियों ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, वहीं दूसरी ओर दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में एमपी के कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की समीक्षा बैठक हुई है. जिसमें चुनाव में मिली हार पर आत्ममंथन किया गया।

कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला का कहना था कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी व कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित अन्य नेताओं ने प्रदेश के नेताओं से चुनाव के नतीजों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की. इस दौरान सभी नेताओं ने अपने-अपने अनुभव साझा किए. हार के कारणों पर खुले मन से चर्चा हुई, कहां कमियां रहीं, इस पर आत्ममंथनए विश्लेषण व चर्चा की गई. उन्होने कहा कि अब पार्टी के संगठन की रचना कैसी हो, कैसे आगे बढ़ा जाए, इसका फैसला पार्टी अध्यक्ष पर छोड़ा है. एमपी के नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष से जल्द पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के लिए भी कहा है ताकि विधायक दल की बैठक कर जल्द नेता प्रतिपक्ष तय किया जा सके. वहीं दूसरी ओर हार को लेकर कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारियों ने इस्तीफा देना शुरु कर दिया है। जबलपुर में प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री अशोक गुप्ता व पंकज पांडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, दोनों महामंत्रियों ने पीसीसी चीफ कमलनाथ को इस्तीफा भेजा है। दोनों नेता जबलपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव प्रभारी थे. उन्होने कहा कि चुनाव में सामने आए निर्णय को सभी को स्वीकार करना होता है. चुनाव के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा महामंत्री पद से नवाजा गया. मुझे पद की कोई लालसा नहीं है, मैं पिछले 40 सालों व तीन पीढ़ी से कांग्रेसी हूं, उन्होंने कहा कि मैंने इसलिए इस्तीफा दिया कि प्रदेश में नवयुवकों की टीम बनना चाहिए।

आम जनमानस श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले:संघ

वीएचपी घर-घर पहुंचाएंगे निमंत्रण

जबलपुर, देशबन्धु। अयोध्या में श्रीरामलाला प्राण प्रतिष्ठा पुण्य समारोह का पूरे भारतवर्ष को साक्षी बनने के उद्देश्य श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से अक्षत पीले चावल का कलश चित्रकूट और अब जबलपुर महाकौशल प्रांत में आया है जिसका पीले अक्षत निमंत्रण घर-घर गांव-गांव बांटे जाएंगे। प्रांत कार्यवाह सुनील देव ने कार्य योजना में बताया श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद अब एक बार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व हिंदू परिषद और सभी समवैचारिक संगठन के कार्यकर्ता सभी के घर-घर तक जाकर अयोध्या श्रीराम मंदिर परिसर से आए पीले अक्षत का निमंत्रण के साथ श्रीराम भगवान का एक चित्र भी दिया जाएगा।

तत्समंबध में रानी दुर्गावती जिले के अधारताल सरस्वती शिशु मंदिर में एक बैठक में भाग कार्यवाह रामकिंकर ने कहा की पूरे कृषि भाग के सातों नगर में सभी मंदिरों में सभी के घरों में 22 जनवरी 24 को भगवान श्रीराम का पूजन श्री राम स्तुति व 11 दीपक जलाकर करने का आग्रह किया जाएगा। बैठक के बाद नगर की स्वामी कलीनंद जी महाराज की अगवाई में अक्षत कलश एक बैलगाड़ी में आनंद नगर से मेन रोड होकर संकट मोचन हनुमान मंदिर रामनगर पैदल शोभायात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम में बीएचपी क्षेत्रीय गौरक्षा राजेश तिवारी,प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह प्रदीप गुप्ता विभागसह कार्य.राजकुमार पटेल,पंकज श्रीवात्री,पूर्व कैबिनेट मंत्री अंचल सोनकर,पंकज दुबे,उमेश शुक्ला,रत्नेश सोनकर,सुमित सिंह,सुभाष तिवारी,शैलेंद्र बिसेन,आनंद पारे,राजेश रैकवार,उमेश राठौर,मनीष त्रिपाठी,राजवीर सिंह,सुनील सोनकर, प्रशांत सोंधिया,लकी तिवारी, संतोष दुबे,सुभाष तोमर,विमल राय, हरीश अग्निहोत्री सहित 500 से अधिक कार्यकर्ता शोभायात्रा में व बैठक में शामिल रहे तथा आम जनमानस से श्रीरामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

श्रीमद भगवद गीता विश्व का दिशा दर्शक : स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज

जबलपुर, देशबन्धु। गीता का प्रसंग महाभारत से प्राप्त ग्रंथ का है जिसमे 700 श्लोक है । मनुष्य के जीवन में मोह और शोक का नाश करने के लिए मन की तरंग है भूख प्यास शरीर की तरंग है । जन्म और मृत्यु यह मोक्ष की तरंग है इन 06 तरंगों से मुक्त को भगवान कहते है । इसलिए श्रीमद् भगवद्गीता को विश्व का दिशा दर्शक कहा जा सकता है, उक्त विचार अनंत श्री विभूषित पश्चिमाम्नाय द्वारका शारदा पीठाधीश्वर स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज ने श्रीजानकीरमण महाविद्यालय के द्वारा आयोजित श्री गीता मानस एवम मधुकर काव्य कलश के लोकार्पण समारोह के अवसर पर श्री शंकराचार्य आश्रम रामनगरा में व्यक्त किए उन्होंने आगे कहा कि मध्यप्रदेश शासन के द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम में आद्य गुरु शंकराचार्य को शामिल कर अच्छा कार्य किया है । आज कार्यक्रम में शामिल छात्र छात्राएं आद्य गुरु शंकराचार्य के विषय में जान पा रहे है।

उक्त अवसर पर सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर स्वामी डॉ मुकुंददास महाराज ने कहा की भगवद गीता ही जीवन का सार

है । डॉ उदयभानु तिवारी द्वारा श्रीमद भगवद गीता को सरल शब्दों में प्रस्तुत करने का श्लाघनीय कार्य किया है। । कार्यक्रम में पुस्तक के रचियता डॉ उदयभानु तिवारी द्वारा पुस्तक के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में केंट विधायक अशोक रोहाणी, पूर्व विधायक नित्य निरंजन खंपरिया, डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, प्राचार्य जानकी रमण महाविद्यालय, संदीप जैन अध्यक्ष, समरसता सेवा संगठन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। महाराज श्री का पादुका पूजन डॉ उदय भानु तिवारी, जय कुमार तिवारी, अभिलाष तिवारी एवं उनके परिजनों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कौशल दुबे के द्वारा किया गया एवम आभार प्रदर्शन डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, प्राचार्य श्रीजानकीरमण महाविद्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आचार्य आशुतोष दीक्षित, डॉ. शक्ति सिंह मंडलोई, डॉ गंगाधर त्रिपाठी, अभिमन्यु जैन यू एस दुबे,सुरेश मिश्र विचित्र, राज सागरी, निरंजन द्विवेदी, आलोक मिश्र, अखिलेश त्रिपाठी, अक्षत तिवारी ,मनोज चौरसिया, मुकेश श्रीवास्तव, हेमंत सोधिया, संजय पांडे, डॉ.अनामिका सिंह, मीनाक्षी लोधी, राखी बाजपेई, नीना चौबे, अनुपमा पाठक, अनिकेत,कार्तिक,हर्षित झा के साथ बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में आयोजित हुआ पहला इंटर जे डब्ल्यू एम क्रिकेट टूर्नामेंट

जबलपुर, देशबन्धु। व्हीएफजे स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में पहला इंटर जे डब्ल्यू एम क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन व्हीएफजे स्टेडियम में रविवार को किया गया। इस टूर्नामेंट में व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर के मुख्य महाप्रबंधक संजीव कुमार भोला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे । साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में फील्ड यूनिट जबलपुर के उप महानिदेशक राजीव जैन एवं जीआईएफ के महाप्रबंधक सुकांता सरकार मौजूद रहे।

इंटर जे डब्ल्यू एम क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत एस बी यू 11 तथा रेस्ट ऑफ व्ही एफ जे 11 के मध्य क्रिकेट मैच आयोजित हुआ। मैच में एस बी यू 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 6 विकेट खोकर 114 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। एस बी यू 11 की ओर से सुजीत सोरेन ने 45, संजय शुक्ला ने 30 तथा विकास ने 12 रन बनाए। रेस्ट ऑफ व्ही एफ जे 11 की ओर से अंकेश सिन्हा ने दो तथा लवलेश, रामेंद्र एवं विजय ने एक एक विकेट लिया ।

इसके जवाब में रेस्ट ऑफ व्ही एफ जे 11 ने बिना कोई विकेट गँवाए 114 रनों का लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लिया । रेस्ट ऑफ व्ही एफ जे 11 की ओर से अंकेश सिन्हा ने सर्वाधिक 76 रन बनाए, जिसमें उनके 07 छक्के और 07 चौके शामिल है। उनकी इस शानदार पारी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मैच में विकास ने तीन ओवरों में मात्र चार रन दिया, जिसके लिए उसे बेस्ट बॉलर का खिताब दिया गया।

रेस्ट ऑफ व्ही एफ जे 11 के कप्तान श्री रंजीत सिंह को समारोह के मुख्य अतिथि संजीव कुमार भोला ने विजयी ट्रॉफी प्रदान की।

टूर्नामेंट में व्हीएफजे के स्पोर्ट्स ऑफिसर डी. भट्टाचार्य, शैलेंद्र सिंह विभागीय अधिकारी/यार्ड एवं इस्टेट, मनोज तिवारी, मुकेश बोहरपी, योगेंद्र शेखावत, सुमीत सोहाने सहित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में लॉरेंस बबलू, रुपेश मिश्रा, रवि कनौजिया, अखिलेश्वर नेमा, अशोक तिवारी, सतीश अरेले तथा प्रशांत अहिरवार का विशेष योगदान रहा।

रांझी में स्वास्थ्य, नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर

जबलपुर, देशबन्धु। रांझी के रावण पार्क में समाजसेवी सुधीर सोनू दुबे द्वारा स्वास्थ्य, नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 1530 लोगों ने लाभ लिया, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक की टीम के डॉक्टर देशपांडे एवं डॉक्टर शिशिर गर्ग, मनोज सिंह द्वारा 620 लोगों का नेत्र परीक्षण कर 56 लोगों को चिन्हित कर मोतियाबिंद की ऑपरेशन के लिए तत्काल भेजा गया। 224 लोग जिनकी आंखों से देखने में परेशानी थी उनका चश्मे का नंबर दिया गया एवं निशुल्क चश्मा वितरण किया गया, बाकी 350 लोगों को आवश्यकता अनुसार आंखों की ड्राप एवं उचित दवा का वितरण किया गया, 45 लोगों का अस्थि रोग विशेषज्ञों डॉ राहुल शुक्ला जी द्वारा लोगों का उपचार किया गया, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ अखिलेश मूलचंदानी एवं डॉक्टर आशीष राव जी द्वारा 65 लोगों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यकता अनुसार दवाई दी गई, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ शिरीष श्रीवास्तव जी द्वारा 25 बच्चों का उपचार किया गया एवं दवा का वितरण किया गया।

स्त्री रोग विशेषज्ञों डॉ सीमा राय द्वारा 70 महिलाओं का उपचार कर आवश्यकता अनुसार दवाई दी गई, नाक कान गला विशेषज्ञ डॉ शिल्पा ज्योति नेल्सन जी द्वारा 60 लोगों की परीक्षण उपरांत दवा का वितरण किया गया, एवं मेडिसिन डॉक्टर द्वारा लगभग 370 लोगों का की जांच कर उन्हें दवाई दी एवं जिन मरीजों को अस्पताल भेज कर उपचार होना था उन्हें अस्पताल भेज कर उपचार चालू कराया गया।

375 लोगों ने आयुष्मान कार्ड बनवाये शिविर के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक मिश्रा, महापौर जगत बहादुर सिंह अनु, पूर्व कैंट बोर्ड उपाध्यक्ष अभिषेक चौकसे, पत्रकार ज्ञानी रजक, जगतमणि चतुर्वेदी ,जी पी पांडे, आशु वत्स, आर आर पांडे ,लक्ष्मण समुद्रे, नेम सिंह,निर्मल जैन ,जग्गू विश्वकर्मा, जैनब सैयद, राजेश श्रीवास, चंदू जैन, हुकुम जैन ,कपिल मिश्रा लाल जायसवाल, प्रकाश उपाध्याय,अर्पित सोनकर आदि उपस्थित रहे।

ओवर हालिंग के चलते रेलवे का गेट नंबर 342 बंद रहेगा

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर रेल मंडल के स्लीमनाबाद - डूंडी के बीच रेल समपार फाटक क्र. 342 / सलैया गेट (स्लीमनाबाद सेक्शन)पर ओवर हालिंग का कार्य प्रारंभ किया गया है। इस कार्य के चलते यह रेल फाटक 09 दिसंबर से 16 दिसंबर 2023 तक एक सप्ताह के लिए वाहनों के आवागमन हेतु दिन-रात बंद रहेगा। सहायक मंडल इंजीनियर कटनी द्वारा कराये जा रहे उक्त कार्य के चलते रेलवे ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत नजदीक के समपार फाटक क्रमांक 343 इमालिया एवं समपार फाटक क्रमांक 341 डूंडी गेट से वाहनों के आवागमन की व्यवस्था की है। रेल प्रशासन ने वाहन चालको से अनुरोध किया है कि बंद अवधि में सलैया गेट के स्थान पर उक्त गेट का उपयोग करे जिससे रेलवे द्वारा समय पर ओवर हालिंग कार्य पूर्ण किया जा सके।

समरसता सेवा संगठन की समीक्षा बैठक

जबलपुर, देशबन्धु। समरसता सेवा संगठन जबलपुर की आवश्यक बैठक शिक्षाविद अभिजातकृष्ण त्रिपाठी, अधिवक्ता सम्पूर्ण तिवारी, समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन की उपस्थिति में जानकीरमण महाविद्यालय आगा चौक में आयोजित की गई। बैठक में संगठन द्वारा सम्पन्न विगत कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा एक वर्ष पूर्व दिसम्बर माह में ही समरसता के क्षेत्र में कार्य करने हेतु संगठन के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी और 13 अप्रेल को परमपूज्य रामभद्राचार्य जी के कर कमलों से संगठन की शुरुआत की गई। संगठन ने सर्वसम्मति से एक वर्ष का कैलेंडर जारी किया था, जिसमे हमारे आराध्य, महापुरुषों की जन्मजयंती को मानने का निर्णय लिया गया था जिसमे से अब तक 23 जन्मजयंती के कार्यक्रम संगठन द्वारा आयोजित किये गए है

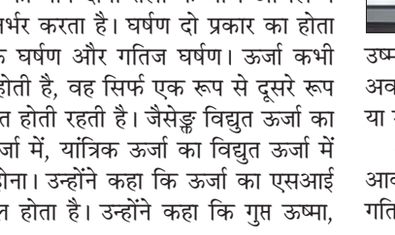

जिसमे महापुरुषों की जयंती पर विचार गोष्ठी एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया अब आने वाले दो माह में किसी महापुरुष की जन्मजयंती का कार्यक्रम नही है इसके बाद फरवरी माह से हमारे जयंती के कार्यक्रम होंगे।

उन्होंने कहा संगठन का मूल उद्देश्य समरस भारत और समर्थ भारत के निर्माण में सभी जाति समाज के लोगो की सहभागिता हो और सभी समरस भाव से एक होकर हमारे संतो, आराध्यों और महापुरुषों के संदेश को ग्रहण करे इसके लिये सब सबको जाने और सब सबको माने के विचार को लेकर हम कार्य कर रहे है और इसी तरह सभी के सहयोग से यह कार्य होते रहे इस हेतु कार्यक्रमों की समीक्षा और भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने सुझाव हेतु यह बैठक आयोजित की गई।

बैठक को शिक्षाविद अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, अधिवक्ता सम्पूर्ण तिवारी ने भी संबोधित करते हुए कहा कि समरसता सनातन की परंपरा में रही है और इसके लिए समय समय पर लोगो ने कार्य भी किया पर हमे प्रसन्नता है कि जबलपुर में समरसता सेवा संगठन के माध्यम से जिस तरह विभिन्न समाज वर्ग के लोगो को जोड़कर एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया जा रहा है यह अनुकरणीय कार्य है। बैठक का संचालन संगठन सचिव उज्ज्वल पचौरी एवं आभार संतोष झारिया ने व्यक्त किया। बैठक में धीरज अग्रवाल, राजीव राठौर, अरुण अग्रवाल, परमवीर सिंह, पवन साहू, सौरभ यादव टीटू, रामरतन पटेल, सौरभ श्रीवास्तव, विजय यादव, राज भटनागर, अमित जैन वासु, विवेक चौबे, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा, मुरली वासल, सुरेंद्र शर्मा, संदीप यादव, आशु रजक, आदि सदस्य उपस्थित थे।

रेडियो एक्टिविटी फिजिकल फिनोमीना है, बायोलॉजिकल नहीं : कमिश्नर

जबलपुर, देशबन्धु। कमिश्नर अभय वर्मा ने कहा है, कि रेडियो एक्टिविटी फिजिकल फिनोमीना है, बायोलॉजिकल नहीं रेडियोधर्मिता वह प्रकिया होती है जिसमें एक अस्थिर परमाणु अपने नाभिक (न्यूक्लियस) से आयनकारी विकिरण के रूप में ऊर्जा फेंकता है। वे पंडित लज्जा शंकर मॉडल स्कूल जबलपुर में संचालित ज्ञानाश्रय नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस के छात्र - छात्राओं को रेडियो एक्टिविटी,रेडियो कार्बन डेटिंग विधि, नोबेल पुरस्कार, घर्षण, ऊर्जा, थर्मामीटर, पायरोमीटर, गलनांक, क्वथनांक, गुप्त ऊष्मा, गुरुत्वाकर्षण बल एवं गति के प्रथम, द्वितीय और तृतीय नियम आदि के बारे में समझा रहे थे।

इस दौरान सहायक संचालन, ज्ञानाश्रय नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस संतोष सेंगर एवं शिक्षक अंकित योगी और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

आयुक्त श्री वर्मा ने कहा कि जिन पदार्थों से स्वत: ही खतरनाक विकिरण उत्सर्जित होती रहती है, उसे रेडियोएक्टिव पदार्थ कहते हैं। जैसे कि रेडियम, यूरेनियम, कोबाल्ट, थोरियम और पोलोनियम इत्यादि। उन्होंने कहा कि रेडियो कार्बन डेटिंग जंतुओं एवं पौधों के प्राप्त अवशेषों की आयु निर्धारण करने की एक विधि है। इस कार्य के लिये कार्बन-14 का प्रयोग किया जाता है। यह तत्त्व सभी सजीवों में पाया जाता है। उन्होंने कहा सम्पूर्ण विश्व में अभी तक? लगभग 975 लोगों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है, जिनमें 50 से अधिक महिलाएं शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत में अभी तक 12 लोगों को नोबेल पुरस्कार मिला है। जिनमें से सर्वप्रथम रविन्द्र नाथ टैगोर को 1913 मंम मिला था।

उन्होंने कहा कि घर्षण एक बल है जो दो तलों के बीच सापेक्षिक स्पर्शी गति का विरोध करता है। घर्षण बल का मान दोनों तलों के बीच अभिलम्ब बल पर निर्भर करता है। घर्षण दो प्रकार का होता हैं, स्थैतिक घर्षण और गतिज घर्षण। ऊर्जा कभी नष्ट नहीं होती है, वह सिर्फ एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित होती रहती है। जैसेङ्क विद्युत ऊर्जा का यांत्रिक ऊर्जा में, यांत्रिक ऊर्जा का विद्युत ऊर्जा में परिवर्तन होना। उन्होंने कहा कि ऊर्जा का एसआई मात्रक जूल होता है। उन्होंने कहा कि गुप्त ऊष्मा,

उष्मा की वह मात्रा है जो उसके इकाई मात्रा द्वारा अवस्था परिवर्तन के समय अवषोषित की जाती है या मुक्त की जाती है जैसेङ्क बर्फ का पिघलना।

आयुक्त वर्मा ने गुरुत्वाकर्षण का नियम, आर्कमिडीज का सिद्धांत, बरनोली का सिद्धांत और गति के तीनों नियमों को विस्तार से समझाया।

सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर, देशबन्धु। कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि कल भंवरताल टैंक में 24×7 योजना के अंतर्गत स्मार्ट सिटी द्वारा हाईड्रोलिक वाल्व लगाने का कामकिया जाएगा, जिसके कारण 42 एमएलडी लालपुर प्लांट बंद रहेगा। ललपुर प्लांट से आज एक समय शाम को इससे भरने जाने वाली टंकीयो से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। मेयर प्रभारी कमिश्नर को खेद है, संयंत्र से भरी जाने वाली टंकियाँ क्रमश: हाथीताल, भँवरताल, श्रीनाथ, टाउन हॉल, बादशाह हलवाई मंदिर, गुप्तेश्वर, पी.एस.एम., फूटाताल, एवं नयागाँव से सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। इस अतिमहत्वपूर्ण कार्य के संपादन के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', जलप्रभारी श्रीमती एकता गुप्ता एवं निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने खेद व्यक्त किया है।

कल युग में नारी शक्ति की ही प्रधानता है: स्वामी कालिकानंद सरस्वती

महामृत्युंजय महायज्ञ और शिवपुराण में 11 हजार सुहागल पूजन सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। मातृ शक्ति में अटूट साहस है, एक अदम्य विश्वास है, धर्म के प्रति अटूट श्रृद्धा के बल पर अपने पति को शतायु का वरदान प्राप्त करने में समर्थ है। जैसे सती अनुसुइया अपने सतीत्व के बल पर सूर्य भगवान को उदय नहीं होने दिया। उसी का निर्वाह करने के लिए पति की दीर्घायु के लिए सुहागल पूजन की जाती। इस संसार में मातृ शक्ति से संत, महंत, वैज्ञानिक, अविष्कारक, नेता, अभिनेता, विद्वानों ने मातृ शक्ति से जन्म लिया है। जिससे राष्ट्र समाज मानवों को संगठित जीवन जीने की युक्ति मिली। जैसे भगवान भोलेनाथ मां शक्ति के बिना शव है, वे एक दूसरे के परिपूरक है। संसार का संचालन शक्ति के प्रभाव से होता है। इस आशय के उद्गार कालीधाम कालीघाट गौरीघाट में महामृत्युंजय महायज्ञ छठवें दिवस में मां विराट काली के सानिध्य में ग्यारह हजार सुहागल पूजन के दौरान पंचखंड द्वादश पीठाधीशवर दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती महाराज ने व्यक्त किये। वहीं महायज्ञ छठवें दिवस पर शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने कहा मनुष्य को अपने शरीर के उद्धार के लिए खुद ही व्यवस्था करनी होगी। यह व्यवस्था सिर्फ सत्कर्मों से ही हो सकती है। भजन करने से जो फल प्राप्त होगा सिर्फ वही हमारे साथ जाएगा। भटौली ग्राम स्थित श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम कालीघाट गौरीघाट में महामृत्युंजय महायज्ञ छठवें दिवस में मां विराट काली के सानिध्य में ग्यारह हजार सुहागल पूजन स्वामी कालिकानंद सरस्वती महाराज, स्वामी प्यारेनंद महाराज एवं डॉ. स्वामी राधेचैतन्य महाराज सम्पन्न कराई गई। कथा में डॉ. स्वामी नरसिंह दास, स्वामी रंजीता नंद, मंहत चन्द्रशेखरानंद, साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी, साध्वी मैत्रेय साध्वी अर्चना, आचार्य डॉ अरुणेश कृष्ण शास्त्री, आचार्य शैलेंद आदि सहित कालीधाम परिवार के शिष्य पादुका पूजन अन्नी सिंह राजपूत, उमेश सिंह राजपूत, विवेक श्रीवास, कौशल किशोरसिंह, जगदीश पालिया, गोविन्द श्रीवास, गौरव पाटिल, राकेश कुमार पाल, अभिषेक त्रिपाठी, रामसंजीवन पाल, छुन्ना पाल आदि ने किया।

अनुष्ठान में महापौर जगत बहादुर सिंह, कैलाश गुप्ता, अर्पित तिवारी, रवि त्रिपाठी, राजीव दुबे, पारस विश्वकर्मा, आशीष चौबे, काली चरण तिवारी, श्याम त्रिपाठी, ज्ञान सिंह, राम कुमार विश्वकर्मा, रघुवीर श्रीवास, संदीप जैन, राम खत्री, प्रदीप चौहान, सुशील सोनी, अजय यादव, राम सेवक यादव, डॉ. दीपक बहरानी, यज्ञेश तिवारी, चंदन सिंह, हर्ष तिवारी, रवि बाबा, अजय यादव, प्रदीप चौहान, मीडिया प्रभारी अनिल उसरेटे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन व ग्रामवासी कथा श्रवण के लिए पहुंचे।

स्कूल का आठवां वार्षिक खेल उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। रैंगवा करमेता स्थित निजी पब्लिक स्कूल में आठवां वार्षिक खेल उत्सव मनाया गया। खेल उसत्व में विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। उत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर कपिल देव मिश्रा के कर कमलों के द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथियों में क्रीड़ा भारती के विवेक रंजन शुक्ला राम किशोर सोनी रहे। रंगारंग कार्यक्रम के बीच जलेबी दौड़, थ्री लेग रेस, फेयरी रेस, हर्डल रेस, मिलिट्री रेस, हॉकी रेस के अलावा 100, 200, 400 मीटर की रेस एवं रिले रेस का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने गिद्दा डांस, भांगड़ा बार्बी, गर्ल्स डांस प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने कला कौशल दिखाते हुए जुंबा एरोबिक्स, रिबन एरोबिक्स, योगा, मार्शल आर्ट, जिमनास्टिक, एल ई डी एरोबिक्स, टॉर्च पॉइंट, ड्रिल पॉइंट प्रस्तुत किया। इस दौरान अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का उत्साह देखने लायक था।

होम गार्डन में महक रहे हाइब्रिड गुलाब

विभिन्न किस्मों के गुलाबों के लिए बेस्ट है सीजन

जबलपुर, देशबन्धु। घर, आंगन और बगिया में इन दिनों गुलाबों की महक बिखरी हुई है। सुंदर गुलाबों के फूलों से लदे हुए गमले और क्यारियों के मनोरम दृश्य सभी को लुभाता है।

गुलाबों के खिलने के साथ-साथ यह सीजन गुलाबों की खेती के लिए भी बेस्ट है। शहर में गुलाबों की खेती भी बड़े स्तर पर होती है, इसलिए फरवरी के लिए अभी से हाइब्रिड किस्मों की फसल तैयार हो चुकी है।

सदर, गौर में गुलाबों की खेती शहर के सदर, गौर, कजरवारा, बिलहरी और तेवर जैस क्षेत्र ऐसे हैं, जहां गुलाबों की ज्यादा खेती होती है। असर यह है कि पांच साल पहले तक जहां शहर में लव मंथ के लिए मुम्बई, पुणे और देहरादून से गुलाबों की खेप आया करती थी, वहीं अब शहर में ही गुलाबों की अलग-अलग वैरायटीज की अच्छी पैदावार होती है।

घरों पर लोगों ने गमलों लगाए गुलाब-घर की बगिया में फैली खुशबू खूबसूरत गुलाबी से रंगत सिर्फ बाजार और खेतों में नहीं, बल्कि घरों में भी नजर आ रही है। सीजन में इनकी केयर भी बढ़ जाती है, क्योंकि नमी के कारण इनकी जड़ों में गलन होती है। इसलिए समय-समय पर इनके उचित रखरखाव के लिए भी काम किया जा रहा है।

हाईब्रिड गुलाब का ट्रेंड-देसी गुलाबों की प्रजातियों के साथ सीजन में हाइब्रिड प्रजातियों को भी उगाया जा रहा है। इसमें लाल और गुलाबी, हरा और नारंगी, पीला और सफेद गुलाब मिलाकर नए गुलाब तैयार किए जा रहे हैं।

यह वैरायटीज पसंदीदा
- लाल
- सफेद
- नारंगी
- गुलाबी
- हरा
- पीला

जागरूक क्रिश्चियन मंच ने माता मरियम का निष्कलंक गर्भागमन पर्व मनाया

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक क्रिश्चियन मंच के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन एवं प्रदेश संयोजक जेम्स एंथोनी ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि 8 दिसंबर को प्रभु यीशु मसीह को जन्म देने के लिए ईश योजना से चुनी गई, आदिपाप मुक्त मरियम के निष्कलंक गर्भ में प्रभु यीशु का आगमन हुआ। मनुष्य के रूप में 25 दिसंबर को जन्म लेने के लिए निष्कलंक गर्भागमन कहा जाता है। ईश्वर के स्वर्गदूत ने 25 मार्च को मरियम से प्रभु येशु की माता बनने के लिए सहमति ली थी। जिस पर मरियम ने हां कहकर स्वीकृति दी और मां के हां कहने पर ही वे पवित्र आत्मा से गर्भवती हो गई और 9 महीने बाद येशु को जन्म दिया। ध्यान देने योग्य बात ये है कि प्रभु को जन्म देने वाली मरियम एक वर्जिन यानी कुंवारी थी। जिसके लिए कुंवारेपन में बच्चे को जन्म देना एक अपमान जनक चुनौति पूर्ण कार्य था। इसके बाद भी मरियम ने ईश्वर की इच्छा पूरी करके प्रभु के मुक्ति कार्य में सहायक बनी। ईसाई समाज का संदेश है, कि जिस प्रकार मरियम ने प्रभु के मुक्ति कार्य के लिए हां कहने का भारी ज़ोखिम उठाया, उसी तरह सभी मनुष्यों को प्रभु के सेवा कार्य के लिए हमेशा ही तत्पर रहना चाहिए। मंच के प्रदेश फ्रांसिस एंथोनी, क्रिस्टोफर नरोना, एनोस विक्टर, कैरोलिन अब्राहम, क्लेमेंट पायस, फिलिप एंथोनी, हैरिस नथानियेल, अल्बर्ट एंथोनी, लॉरेंस मार्टिन, सुधीर पावेल, गुडविन चार्ल्स, आनंद राज एंथोनी, रिंकू पीटर, विक्टोरिया दास, अरुण मार्टिन, रॉबर्ट बर्नार्ड, ज्योति लाजारूस, विनीता फ्रांसिस, एलिजाबेथ फ्रांसिस, एडलिन अब्राहम, मेरी जश्नता मीखेल, लकी हरी, एल्विस आदि उपस्थित रहे।

नेमा समाज ने स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज का फूलों की वर्षा कर किया अभिनंदन

जबलपुर, देशबन्धु। स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज का जबलपुर नेमा समाज भवन में शुभ आगमन हुआ। आध्यात्मिक चेतना एवं सनातन संस्कृति के धर्मधुरी स्वामी महाराज का पूरे समाज लोगों और क्षेत्रीय लोगों ने भव्य स्वागत अभिनंदन किया। स्वामी महाराज का भवन के प्रवेश द्वार पर लोगों ने सुगंधित पुष्प वर्षा कर अगवानी की गई। इस मौके पर समाज की महिलाओं द्वारा आध्यात्मिक परिवेश में कलश रखकर स्वामी जी का अभिनंदन किया गया एवं भवन के द्वार पर ही उनकी चरण वंदना की गई। स्वामीजी का नगर ब्राह्मण सभा के विद्वत ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ में भवन में प्रवेश हुआ। नेमा समाज के अध्यक्ष राकेश नेमा एवं सचिव आनंद नेमा, शैलेन्द्र नेमा, आशीष नेमा, भरत नेमा, अखिल भारतीय नेमा समाज के अध्यक्ष डॉ पुरुषोत्तम नेमा एवं महाकौशल नेमा समाज के अध्यक्ष सुनील नेमा, मानस मंडल के अध्यक्ष डॉ गोविंद नेमा एवं सचिव प्रवीण नेमा, नेमा दर्पण की जबलपुर इकाई के अध्यक्ष अजय कमल नेमा, नेमा लेडीज क्लब की रेखा नेमा, मंजुला नेमा, विनती नेमा, आंचल वूमेंस क्लब की आशा नेमा, पुष्पा नेमा, गीता नेमा, नीता गुप्ता, अल्पना नेमा, सुनीता नेमा व समाज के अन्य धर्म प्रेमियों के द्वारा सपरिवार गुरु की पादुका पूजन की गई। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं क्षेत्रीय पार्षद अर्चना सिसोदिया भी उपस्थित रही। स्वामीजी ने नेमा समाज एवं सनातन धर्मावलंबियों से आव्हान किया, वे सनातन धर्म की धर्म ध्वजा पताका को श्रेष्ठता के साथ फहराएं, बुजुर्गों से आव्हान किया, कि वह नई युवा पीढ़ी को आध्यात्मिक क्षेत्र में जोड़ने का प्रयास करें ।

मानस मंडल नेमा समाज के सदस्यों के द्वारा गुरु वंदना एवं गुरुदेव की महाआरती की गई।

पर्यटन क्षेत्र में बढ़े महिलाओं के लिए अवसर

जबलपुर, देशबन्धु। गर्वमेंट मानकुंवर कॉलेज में पर्यटन के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पर्यटन क्षेत्र में महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों से रूबरू करवाया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. उज्जवला खारपाटे, डॉ. नंदिनी भारिल्य, डॉ. मनोज प्रियदर्शन, डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, जिला समन्वयक दीप्ति ठाकुर, डॉ. किरण कुमार, डॉ. अजय तिवारी, हर्षा सिसोदिया, डॉ. बसंती अग्रवाल, प्रकाश राय, आनंदिता ठाकुर मौजूद थे।

दैनिक राशिफल

सोमवार 11 दिसम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। अगहन कृष्णपक्ष की चतुर्दशी। नक्षत्र-विशाखा।

मेष
आज के दिन का आरंभ बहुत अच्छा होगा। शारीरिक और मानसिक आरोग्य अच्छा बना रहेगा।

वृषभ
व्यापार में यश और सफलता मिलेगी। साथी कर्मचारियों का पूरा सहयोग आपको मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन
आज का आप का दिन किसी खास चर्चा में गुजर सकता है। आप अपनी कल्पनाशक्ति से कुछ नया कर पाने में समर्थ रहेंगे। खुश रह सकते हैं।

क.

तुला
आज आपकी रचनात्मकता से कोई कठिन काम आसान बना पाएंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक
आपका उग्र और असंयमित व्यवहार आपको समस्या में डाल सकता है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ कोई अनहोनी हो सकती है, उनका ध्यान रखें।

धनु
व्यावसायिक क्षेत्र में आज आपके लिए लाभकारी दिन है। जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। काम में पदोन्नति होगी। बाहर जाने का कार्यक्रम होगा।

कर्क
हताशा से आप थोड़े चिंतित रहेंगे। इस कारण शारीरिक रूप से आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। व्यवहार पर संयम बरतें।

सिंह
आज व्यापार या नौकरी के लिए कोई छोटी यात्रा हो सकती है। विदेश से कोई अच्छे समाचार मिलेंगे। निवेश में आप रुचि ले सकते हैं।

कन्या
आज आपके मन में किसी बात को लेकर दुविधा बनी रहेगी। कोई नया काम शुरू ना करें। ज्यादातर समय मौन बने रहें।

मकर
आज का दिन मैरीड कपल के लिए आनंदमयी रहेगा। परिजनों के साथ खुशी का वातावरण बना रहेगा। व्यवसाय में पदोन्नति के योग हैं।

कुंभ
आज के दिन बौद्धिक काम, नए सृजन और साहित्यिक गतिविधि में आप उलझे रहेंगे। नए काम की शुरुआत आज कर सकते हैं।

मीन
आज आपको वाणी में संयम रखने की सलाह दी जाती है। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहना होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मा.

दो दिवसीय नि:शुल्क हृदय जांच शिविर सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। महाकौशल कंप्यूटर डीलर्स एसोसिएशन, के तत्वावधान में दो दिवसीय नि:शुल्क हृदय जांच शिविर का समापन हुआ। केशव कुटी राइट टाउन में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल इंटरवेंशनल के सहयोग से दो दिवसीय नि:शुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन 9 से 10 दिसम्बर तक किया गया था। इस शिविर में संस्था और आईटी कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित करीब 150 सदस्यों का नि:शुल्क परीक्षण किया गया। जिसमें डॉ. पुष्पराज पटेल एवं उनके सहयोगियों द्वारा लोगों की नि:शुल्क जांच कर मार्गदर्शन दिया गया। इस सराहनीय कार्य के लिये संस्था के सदस्यों और अध्यक्ष द्वारा डॉ. पटेल को सम्मानीत किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अखिलेश चौबे, आनंद जैन, प्रवीन जैन, अभिषेक जैन, राज कुमार पटेल, अनिल जैन, अनिल गुप्ता, विवेक अग्रवाल, पोगेश्वर अग्रवाल, भूपेश सोनी तथा मार्गदर्शन समिति सदस्यों सहित संस्था के सदस्य एवं कंपनियों के प्रतिनिधि की उपस्थित रहे।

तेवर मैरिज गार्डन में लोधी महासभा की बैठक सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। तेवर स्थित मैरिज गार्डन में लोधी महासभा की बैठक सम्पन्न हुई। मैरिज गार्डन में आयोजित हुई बैठक में 28 जनवरी को आयोजित होने वाले युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन समारोह के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया। रविवार को हुई लोधी महासभा की बैठक में

पूर्व पार्षद राजकुमार को सर्वसम्मति कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुने जाने पर पूर्व पार्षद पटेल स्वजातीय बंधुओं को महासभा की स्थाई सदस्यता दिलाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार को का लक्ष्य रखा। विधानसभा में लोधी समाज 11 स्वजातीय विधायकों को कार्यक्रम में आमंत्रित कर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में शिवकुमार लोधी जिला ग्रामीण अध्यक्ष, मुकेश सुलाखे को नगरीय अध्यक्ष, बी.एस.पटेल को विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। जनक पटेल, एस.एस. राजपूत, छोटे सिंह लोधी, राजेंद्र पटेल, के.एस. ठाकुर ओ.पी पटेल, बालकिशन पटेल आदि स्वजातीय बंधु बैठक में उपस्थित रहे।

नाट्य समारोह के अंतिम दिन 'शायर शटर डाउन' नाटक का हुआ मंचन

जबलपुर, देशबन्धु। गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में पांच दिवसीय नाट्य समारोह के अंतिम दिन शायर शटर डाउन नाटक मंचन किया गया। यह नाटक एक ऐसे शहर के बारे में है, जहां परस्पर जुड़ाव का कोई भाव नहीं है। वहीं संबंधों की ऊष्मा का नितांत अभाव है, जिसके चलते आप अकेले पड़ जाते है। यह नाटक इस अकेलेपन से निपटने के विभिन्न तरीकों के बारे में है, जिनका हम अविष्कार करते हैं, और शहर के बाकी दबावों के साथ, जो हमें जीवन की बजाय जीवन के अभिनय तक पहुँचा देते हैं। जीवन का सामान्य ढर्रा चलता है, लेकिन कुछ है जिसका न होना महसूस होता है, जो पर्यावरण के सामंजस्य में नहीं है। व्यक्ति हो सकता है, कि पर्यावरण का विरोध न कर रहा हो, क्योंकि इसकी क्षमता उसके पास नहीं है, लेकिन यह तय है कि पर्यावरण से उनका सामंजस्य बिलकुल नहीं है। किसी भी शहर में हमें सक्रिय रहना होता है, और इस सक्रियता के लिए हमें अपनी स्मृतियों और अन्दर के शोर को शटर के भीतर रखना पड़ता है। हर किसी के अन्दर एक कवि है, लेकिन दुनिया को आपकी कविता नहीं चाहिए, और यहाँ लगातार क्रियारत रहने के लिए हमें उसे दबाना पड़ता है। इस तरह आप बस सतह के ऊपर ऊपर ही जीते हैं। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत पांच दिवसीय नाट्य समारोह केंद्र निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा की परिकल्पना में आयोजित किया जा रहा है। प्रो. शर्मा ने बताया नाट्य समारोह में विभिन्न राज्यों की दुर्लभ प्रस्तुतियों को आमंत्रित किया गया था। इस नाट्योत्सव के अंतिम दिन स्थानीय सेठ गोविंददास रंगमंच प्रेक्षागृह में नाटक शायर शटर डाउन की प्रस्तुति हुई।

आज नाट्यसामारोह के अंतिम दिवस पर कृष्णमोहन द्विवेदी, अतुल, शैलेंद्र कुमार, वरिष्ठ रंगकर्मी अरुण पाण्डे, वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञानरंजन, जस्टिस संजय द्विवेदी, डॉ. हिमांशु राय, आशीष पाठक, संजय पाण्डेय, ऋषि यादव, आशुतोष द्विवेदी, तपन बेनर्जी, राजेंद्र दानी आदि सुधिजन उपस्थित रहे। मंच संचालन शहर की युवा निर्देशिका स्वाति दुबे ने किया। नाट्योत्सव के अंतिम दिवस प्रो. सुरेश शर्मा ने दिल्ली की संस्था फ्लाइंग फेदर्स आर्ट असोसिएशन द्वारा स्व. त्रिपुरारि शर्मा के लेखन, निर्देशन में नाटक शायर शटर डाउन की प्रस्तुति को आमंत्रित किया गया।

प्रकाश-परिकल्पना, साउती चक्रवर्ती, मोहन द्विवेदी, वेशभूषा- नलिनी. आर. जोशी, परिकल्पना राजेश सिंह, अनूप शर्मा, नृत्य रचना गिलिस चुयेन, संगीत शौर्य शंकर, गिटार एवं हारमोनियम संतोष कुमार, प्रस्तुति प्रबंधक नलिनी आर जोशी, मुकेश गौड़, अवधारणा-टीकम जोशी, नाटककार एवं निर्देशक स्वर्गीय त्रिपुरारि शर्मा। एक यादगार प्रस्तुति के साथ इस पांच दिवसीय नाट्य समारोह का समापन हुआ।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

दिलीप धुर्वे- पीपी कॉलोनी ग्वारीघाट रोड निवासी श्री दिलीप धुर्वे (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

संतोष पटेल- महानद्दा खालसा कॉलेज रोड निवासी श्री संतोष पटेल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

रूक्मणी पटेल- रामपुर पटेल मोहल्ला निवासी श्री देवेंद्र पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती रूक्मणी पटेल (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हज्जी लाल सोनकर- खेरमाई वार्ड हनुमानताल थाने के पीछे निवासी श्री हज्जी लाल सोनकर (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हीतेश कुमार झाम- इंद्रपुरी कॉलोनी ग्वारीघाट रोड निवासी श्री हीतेश कुमार झाम (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

धनीराम विश्वकर्मा- प्रेमनगर फ्री चर्च के पास मदनमहल निवासी श्री धनीराम विश्वकर्मा (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

चंद्रकांता शर्मा- शक्ति नगर निवासी श्री एलसी शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता शर्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

शकुन बाई पगारे- भानतलैया पुलिस चौकी के पास निवासी श्री तुकाराम पगारे की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन बाई पगारे (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

बत्तो बाई चौधरी- लेबर चौक स्नेह नगर गढ़ा रोड निवासी श्री नरेंद्र लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती बत्तो बाई चौधरी (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कांति बाई राठौर- फूटाताल जूड़ी तलैया निवासी श्री पूरन सिंह राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती कांति बाई राठौर (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

नीताली पाल- गोरखपुर थाने के पीछे निवासी श्री अशोक कुमार पाल की धर्मपत्नी श्रीमती नीताली पाल (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

लक्ष्मी बाई बंशकार- सिद्धबाबा करियापाथर श्मशान भूमि रोड निवासी श्री ईश्वर लाल बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई बंशकार (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश बर्मन- राइट टाउन निवासी श्री सुरेश बर्मन (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

प्रेमी जोड़ा घर से भागा, किशोरी को तलाशते आए गुस्साये पिता ने लड़के के पिता को मारी गोली

जबलपुर, देशबन्धु। चरगवां थाना अंतर्गत ग्राम सुनवार में एक नाबालिगा अपने प्रेमी के साथ भाग जाने के बाद गांव में गोलियां चल गई। जिसमें एक युवक की मौत की जानकारी सामने आयी है। बताया जा रहा है कि गांव की एक किशोरी शनिवार रात अपने गांव में ही रहने वाले प्रेमी के साथ घर से भाग गई। किशोरी के परिजनों ने उसे गांव में ढूंढा लेकिन वह कहीं नहीं मिली। जिसके बाद शक होने पर किशोरी के पिता युवक के घर पहुंचे और विवाद करते हुये गोली चला दी। जो युवक के पिता के सीने में लग गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलाने के बाद किशोरी का पिता वहां से भाग निकला। घटना की जानकारी लगते ही चरगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची जिन्होंने फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम सुनवारा में रहने वाले श्याम लाल पटेल की 17 वर्षीय नाबालिग बेटी गांव के युवक शुभम चढ़ार के साथ बीते कई सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके बाद दोनों ने अपने प्रेम को परवान चढ़ाने के लिये विवाह का निर्णय लिया। इसलिये प्रेमी जोड़े ने घर से भागने की योजना बनाई और शनिवार देर रात दोनों घर से भाग गये। अपनी बेटी को घर में न पाकर परिजनों ने खूब तलाश किया लेकिन वह नहीं मिली। बेटी के घर से भाग जाने की बात पता चलने पर किशोरी के पिता श्याम लाल का शुभम चढ़ार के पिता धन सिंह चढ़ार से विवाद हो गया। विवाद के थोड़ी देर बाद श्याम लाल रायफल लेकर धनसिंह चढ़ार के घर पहुंच गया और गाली गलौज करते हुए उस पर फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि गोली सीने मैं लगने से 45 वर्षीय धनसिंह चढ़ार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिसे उपचार के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

लक्जरी कार से शराब की तस्करी करते युवक को पुलिस ने दबोचा

कब्जे से कार सहित 59 लीटर अंग्रेजी शराब जप्त

पाटन देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत बासन गांव से लग्जरी कार से अवैध शराब की तस्करी होने का सनसनी खेज मामला सामने आया है।

पाटन थाना प्रभारी नवल आर्य ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि कार क्रमांक एमपी.20.सीएल.7852 में अवैध रूप से शराब लायी जा रही है, सूचना पर पुलिस ने बासन मेन रोड पर दबिश दी। जहां जानकारी में बताये गये नम्बर की कार आती दिखी, जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस को अपनी ओर आता देख वाहन चालक भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने जिसे घेराबंदी करके पकड़ लिया। चालक ने पूछताछ में अपना नाम रूपेश ठाकुर उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम खेरी रोंसरा थाना पाटन बताया, कार कि तलाशी लेने पर 07 कार्टून की पेटी में 59.400 लीटर शराब रखी मिली। आरोपी के कब्जे से कार सहित 59.400 लीटर शराब जिसकी कीमत 56 हजार रुपये की जप्त करते हुये आरोपी रूपेश ठाकुर के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए उक्त शराब कहां से और कैसे प्राप्त की इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। अवैध शराब के साथ आरोपी को रंगे हाथ पकडने में निरीक्षक नवल आर्य, उप निरीक्षक अरविंद सिंह, आरक्षक रविकांत दुबे, आरक्षक प्रदीप शर्मा, प्रधान आरक्षक विजय दहिया की सराहनीय भूमिका रही।

तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार को मारी टक्कर, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

नेशनल हाईवे 30 बिरनु तिराहा के पास दर्दनाक हादसा

गोसलपुर, देशबन्धु। गोसलपुर थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 बरनू तिराहे के पास रविवार कटनी से जबलपुर जा रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी की मोटरसाइकिल सवार हवा में उछलकर सड़क पर गिर गया और उसका सिर फट गया। गम्भीर घायल को इलाज के लिए जबलपुर ले जाया गया लेकिन इराज के दौरान ही उनकी मौत हो गई।

हासिल जानकारी के मुताबिक गोसलपुर निवासी नारायण प्रसाद तिवारी (72) की केवलारी गांव में खेती है। रविवार सुबह वह अपनी मोटरसाइकिल एमपी 20 एमजी 7942 से खेत गए थे। सुबह 9:00 के लगभग वह जैसे ही बरनू तिराहा नेशनल हाईवे 30 पहुंचे, तभी कटनी तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नारायण प्रसाद तिवारी हवा में उछल गए।

मौके पर फट गया सिर, अस्पताल में मौत- नारायण तिवारी सिर के बल जमीन पर गिरे और उनका सिर फटते ही खून की धार फूट पड़ी। देखते ही देखते भारी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। तत्काल घायल नारायण तिवारी को इलाज के लिए जबलपुर ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

कार और मोटरसाइकिल बुरी तरह हुई क्षतिग्रस्त- कार और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर कितनी जबरदस्त थी इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मोटरसाइकिल तो क्षतिग्रस्त हुई ही, कार का सामने का बम्पर और कांच टूट गए।

भाई के साथ दोस्ती रखने पर बदमाशों ने युवक को चाकू मारा

जबलपुर, देशबन्धु। हनुमानताल थाना अंतर्गत साधू बाबा की दरगाह के पास एक युवक को दो लड़कों ने सिर्फ इस के लिये मारा, क्योंकि युवक उसके बड़े भाई के साथ दोस्ती रखता था। जिसके लिये लड़कों ने उसे मना किया था।

जानकारी के अनुसार हनुमानताल थाना में रविवार को मोह. शादाब उम्र 18 वर्ष निवासी शुब्बाह शाह साधू बाबा की दरगाह के पास हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह फर्नीचर का काम करता है। रविवार सुबह लगभग 11-15 बजे वह अपने घर से कारखाने अम्बेडकर नगर जा रहा रहा था उसे मंदिर वाला मैदान आनंद नगर पम्प हाउस के पास साहिल और शोहराब मिले और उससे बोले कि तुम मेरे बड़े भाई सोहेल के साथ नहीं रहोगे, उसने कहा कि वह खुद नहीं रहना चाहता। इसी बात पर साहिल आक्रोशित हो गया और उसके साथ गालीगलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगा। साहिल के साथी शोहराब ने चाकू से हमलाकर उसके जांघों एवं कमर में चोटें पहुंचा दी तथा दोनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। घायल की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

आयुक्त संदीप रजक को राष्ट्रीय अवार्ड मिलने के बाद प्रथम नगर आगमन पर भव्य स्वागत

जबलपुर, देशबन्धु। महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय अवार्ड सर्वश्रेष्ठ राज्य दिव्यांगता आयुक्त अवार्ड से मध्य प्रदेश के आयुक्त निःशक्तजन संदीप रजक को विज्ञान भवन में सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय डॉ. वीरेंद्र कुमार, केंद्रीय राज्यमंत्री प्रतिमा भौमिक, रामदास आठवले के नारायण स्वामी सचिव राजेश अग्रवाल, संयुक्त सचिव किशोर सुरवाड़े मंच पर मौजूद रहे। प्रदेश में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, दिव्यांगजनो के लिये शिक्षण, पुनर्वास, रोजगार, स्वरोजगार, खेल, बाधा रहित वातावरण के साथ ही यूडीआईडी कार्ड बनाने में देश में सबसे बेहतर कार्य किया गया है। श्री रजक द्वारा निरंतर जिला स्तर पर चलित न्यायालय, एडवोकेसी बैठकों के माध्यम से दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया गया है। प्रदेश में कार्यरत शासकीय एवं अशासकीय संगठनों को साथ में लेकर प्रत्येक जिले में दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने शिविरों, जनजागरुकता कार्यक्रम किए गए।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर श्री रजक को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा दिल्ली में राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त होना जबलपुर सहित प्रदेश के लिए गौरव की बात है। संदीप रजक विजय नगर निवासी स्व. श्री श्यामलाल रजक एवं श्रीमती लक्ष्मीबाई रजक के पुत्र हैं। इसके साथ ही मप्र राज्य को सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन के लिए भी सम्मानित किया गया।

नोडल अधिकारियों की बैठक आज

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए जनपद पंचायत वार नियुक्त नोडल अधिकारियों का आज सोमवार 11 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे मानस भवन में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में सभी नोडल अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश जिला पंचायत की सीईओ जयति सिंह ने दिये है।

कार की टक्कर से मोटर सायकिल भाई बहन घायल

जबलपुर, देशबन्धु। बरगी थाना में शाम रत्नेश नेताम उम्र 23 वर्ष निवासी कल्याणपुर थाना कुण्डम वर्तमान पता मनकेड़ी थाना बरगी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रविवार को उसके पिताजी भैयालाल नेताम, बुआ देवकी बाई को अपनी मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एन एन 8047 से उनके घर ग्राम मेहता सिवनी छोड़ने जा रहा था जैसे ही धरम ढाबा के आगे एन एच 34 रोड पर पहुंचे तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 बीए 3329 के चालक ने तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसके पिता की मोटर सायकिल मे टक्कर मार दिया जिससे पिताजी एवं बुआ गिर गये। जिससे पिता एवं बुआ के हाथ पैर में चोटें आयी हैं। पिता ने उसे फोन पर घटना के बारे में बताया। वह अपने जीजा अशोक कुमार सैयाम के साथ वहां पर पहुंचा तथा पिता एवं बुआ को उपचार के लिये गैलेक्सी अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार चालक पर अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बीमारी से परेशान वृद्ध ने पिया जहरीला पदार्थ

जबलपुर, देशबन्धु। मझौली थाना में रविवार सुबह लगभग 11 बजे गोविन्द नाथ उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम पोला बक्सवाही ने सूचना दी, कि उसके पिताजी रामकृपाल नाथ उम्र 65 वर्ष को लगभग 4 माह से लकवा लगा था तभी से बिस्तर में पड़े थे आये दिन पेट में दर्द बना रहता था जिससे पिताजी बहुत परेशान थे शनिवार को पिताजी ने खेत की फसल में डालने वाली दवाई पी ली जिन्हें वह शासकीय अस्पताल मझौली लाये और वहां से मेडिकल लेकर गये रात लगभग 1 बजे पिता की मौत हो गयी।

सूने मकान के दरवाजे का कुंदा तोड़कर चोरी

जबलपुर, देशबन्धु। घमापुर थाना अंतर्गत कांचघर नई बस्ती स्थित एक सूने घर में चोरों ने धावा बोल दिया और नगदी व जेवर पार कर दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार रवि कुमार यादव उम्र 26 वर्ष निवासी कांचघर नई बस्ती हनुमान टोरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि नेशनल अस्पताल में बाउंसर का काम करता है उसके पिताजी रेल्वे विभाग में नौकरी करते है उसकी पत्नी एवं मां पिछले 6 माह से ग्राम उतड़ी थाना बलुआ जिला चंदौली उ.प्र. में है। गांव में मकान बन रहा है जिसके लिये उसके पिता 8 दिसंबर को शाम लगभग 4 बजे ट्रेन से गांव चले गये थे। वह घर पर अकेला था। रात लगभग 10 बजे खाना खाकर अपने काम पर चला गया था। रात लगभग 10-45 बजे घर के बाहर वाले गेट में ताला लगाकर ड्यूटी पर चला गया था। घर के अंदर वाले दोनों कमरों की केवल कुन्डी लगी थी। जब वह अपने काम से सुहब 7 बजे घर वापस आया तो देखा कि घर के मेन गेट की कुन्डी टूटी है ताला आंगन में पड़ा है अंदर पिताजी वाले कमरे का गेट खुला था और वहां रखी आलमारी के लॉकर टूटे थे तथा उसके कमरे में रखी आलमारी के भी लॉक टूटे थे दोनों कमरों मे रखी आलमारी का सामान बिखरा पड़ा था जिसमें रखे सोने चांदी के जेवरात गायब थे। युवक की रिपोर्ट पर पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

प्रताड़ित करने वाले आरोपी पति, सास, मौसी सास, ननदों के विरुद्ध एफआइआर

जबलपुर, देशबन्धु। रांझी में बीती रात लगभग10 बजे पूजा विश्वकर्मा उम्र 27 वर्ष निवासी लालमाटी चांदमारी घमापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी शादी 7 दिसंबर को सत्यम टावर निवासी विशाल मंडल के साथ हिन्दू रीति रिवाज से हुयी थी शादी के लगभग 15 दिन बाद उसके पति विशाल मंडल सास विमला मंडल, मौसी सास कुसुम बाई, ननद सोनिया, किरण मंडल दहेज की बात को लेकर उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताडित करने लगे, बोले कि तुम्हारे मायके वालों ने दहेज में कुछ नहीं दिया अपने माता-पिता से सोने की चैन लेकर आना और पति उसे मायके छोड़ दिये, उसके माता पिता एवं भाई ने पति सास ननद से विनती की तब मार्च में उसके पति उसे लेने आये और ससुराल लेकर चले गये। कुछ दिन ठीक चला फिर 13 अगस्त को उसके पति कहने लगे कि एक लाख रूपये लेकर आना तभी यहां आना और उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर उसे भगा दिया। तभी से वह अपने मायके में रह रही है। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 498 ए भादवि तथा 3, 4 दहेज अधिनियम का अपराध दर्ज कर लिया है।

खाद्य अधिकारी को धमकी देना महंगा पड़ा राशन दुकानदार को, ओमती थाने में एफआईआर

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर राशन दुकान में भारी अनियमितताएं पाये जाने पर खाद्य विभाग की टीम ने विगत वर्ष कोतवाली निवासी अब्दुल मोहम्मद रंगरेज की राशन दुकान सील करके आपराधिक मामला दर्ज करवाया था जिसकी सुनवाई न्यायालय में चल रही है आगामी 13 तारीख को होने वाली कोट पेशी में बयान बदलने और ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी कल शनिवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के खाद विभाग में पहुंचकर सहायक खाद्य अधिकारी राजीव अग्रवाल को दिया श्री अग्रवाल ने इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देते हुए ओमती थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करवाया। ओमती थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पवार ने बताया कि श्री अग्रवाल की एफआईआर दर्ज कर ली गई है और वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गहने का बैग स्टेशन में छोड़कर चला गया परिवार

पांच लाख के गहने से भरा बैग पेट्रोलिंग के दौरान जीआरपी के हाथ लगा

कटनी, देशबन्धु। कटनी से जबलपुर जाने के लिए निकला एक परिवार अपना गहनों से भरा बैग मुड़वारा स्टेशन पर छोड़कर जबलपुर पहुंच गया। लावारिस हालत में गहनो से भरा बैग काफी देर तक मुड़वारा स्टेशन में पड़ा रहा। काफी देर बाद जब जीआरपी के रेल सुरक्षा समिति के लोगों की नजर लावारिस बैक पर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना थाने में दी। जिसके बाद आनन-फानन में लावारिस बैग को जप्त कर उसकी तलाशी ली गई।

जांच के दौरान बैग से अन्य सामान के साथ लगभग पांच लाख के जेवर पाए गए। जिसे पूछताछ के बात परिवार को वापस कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए जीआरपी थाना प्रभारी अरुणा वाह्ने ने बताया कि रविवार की रात लगभग 8 बजे मुड़वारा स्टेशन में लावारिस हालत में एक बैग मिला। जिसे रेल रक्षा समिति के सदस्य आनंद जाटव द्वारा जीआरपी थाना कटनी लाकर जमा कराया गया। जिसकी जांच के उपरांत बैग मालिक से संपर्क किया गया। पूरी पड़ताल के बाद बैग मीना खरे पति ओमप्रकाश खरे 54 वर्ष निवासी सी एल पी पाठक वार्ड कटनी का होना पाया गया। फरियादिया के बैग के अंदर एक सोने का हार,और एक सोने का लंबा रानी हार कुल कीमत करीब 5 लाख रुपए का मशरूका मिला था। जिसे करवाई करते हुए फरियादीगणों को सुपुर्द किया गया। अपने जेवर वापस सुरक्षित मिल जाने से महिला ने जीआरपी थाना प्रभारी एवं स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। बताया जाता है की महिला कटनी से जबलपुर जाने के लिए निकली थी वह बैग छोड़कर राजकोट एक्सप्रेस से जबलपुर निकल गई थी जिसे बुलाकर उसके गहने उसे सौपे गए।

गांधीग्राम-माल्हा मार्ग दलदल में तब्दील

कच्चे मार्ग के दोनों तरफ खेत, गड्ढों में भरा बरसाती पानी फिसल कर गिर रहे दुपहिया वाहन

गांधीग्राम, देशबन्धु। गांधीग्राम से माल्हा तक का लगभग 1 किलोमीटर का सीमेंट कांक्रीट मार्ग लगभग दो वर्ष पहले बनाया गया था। जिसका गांधीग्राम पान बरेजे के पास से नहर तक एवम नहर से ग्राम माल्हा के नाला तक के बड़े हिस्से को छोड़ दिया गया था। उक्त हिस्से का मुरम व मिट्टी युक्त मार्ग वर्षों से उपेक्षा का दंश झेल रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में बरसाती पानी से यह मार्ग कीचड़ व दलदल में तब्दील हो गया।इस मार्ग के दोनों ओर खेत हैं,खेतों के लेबिल के बराबर मार्ग होने के कारण खेतों का पानी भी मार्ग में भर जाता है साथ ही ट्रैक्टरों व अन्य भारयुक्त वाहनों की आवाजाही के चलते पूरे मार्ग की हालत इन दिनों बहुत खराब है, यह मार्ग पूरी तरह दलदल हो गया है,गड्ढों में बरसाती पानी भर गया है, जिस पर पैदल चलना दूभर है, इस मार्ग पर आवागमन कर ग्रामवासी साईकिल,दुपहिया वाहनों से गांधीग्राम आते हैं और गांधीग्राम से किसानों का कृषि हेतु यहाँ जाने में मार्ग की दुर्दशा की वजह से तकलीफ होती है।

*फिसल कर गिर रहे शिक्षक, छात्र... हाल ही में शासकीय प्राथमिक शाला माल्हा की प्राथमिक शिक्षक श्रीमति आरती ज्योतिषी स्कूटी से जाते समय गिर गई एवम चोटग्रस्त हो गई इसी प्रकार शिक्षिका शशि लखेरा, उत्तम तिवारी, वासुदेव मिश्रा, लखन पटेल, गुड्डा पटेल,रोहित, राहुल,व ग्रामवासियों ने बताया कि यहां स्कूली छात्र छात्राएं गांधीग्राम पढ़ने आते हैं अपने वाहन,साइकिल सहित फिसलकर गड्ढों में गिर जाते हैं।जिससे कई बार चोटग्रस्त हो चुके हैं साथ ही कीचड़ होने से उनके कपड़े भी नियमित रूप से खराब हो रहे हैं। लोगों ने बताया कि इस दलदल वाले मार्ग पर पैदल चलकर गांधीग्राम पहुँचना उन के लिए किसी दु:स्वप्न से कम नहीं है क्योंकि दलदल पर फिसलन की वजह से बच्चे अक्सर फिसल कर दलदल में गिर जाते है व शरीर में कीचड़ हो जाने से परेशान हो जाते हैं,

***रोजमर्रा की चीज़ें व बीमार के ईलाज में होती है खासी परेशानी**-माल्हा वासियों को रोज मर्रा की जरूरतों की चीजों के लिए हमेशा गांधीग्राम स्कूल आना पड़ता है, यदि कोई बीमार हो जाये तो उसे इलाज हेतु भी इसी मार्ग से गुज़र कर जाना होता है जिसमें उन्हें खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, खासकर बीमार को इलाज के लिए लेकर जाने में क्योंकि जहाँ पैदल चलना दूभर है वहाँ कोई गाड़ी कैसे जाए

***किसानों के खेतों में जाने का है प्रमुख मार्ग**-ग्रामीणों ने बताया कि आसपास के किसानों के लिए अपने खेतों तक जाने हेतु यह एकमात्र प्रमुख मार्ग है अत: इस मार्ग पर ट्रैक्टरों का आवागमन बहुत होता है जिससे मार्ग कीचड़युक्त हो जाता है, मार्ग की स्थिति अत्यधिक खराब ना हो इसके लिए ग्राम पंचायत प्रशासन से उचित कार्यवाही की मांग की गई है।

वकील को धमकाने वाली महिला को भेजा जेल

जबलपुर/सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा में एक अधिवक्ता को झूठे केस में फसाने ब्लैकमेल करने एवं धमकाने के मामले में सिहोरा पुलिस में तथा कथित युटुब पत्रकार को गिरफ्तार कर जेल भेजा महिला संबंधी अपराध एवं झूठे मामले में फंसा कर ब्लैकमेल करने वाली महिला को सिहोरा पुलिस ने जबलपुर से गिरफ्तार किया गया और कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया। ज्ञात हो कि रविवार सुबह सिहोरा पुलिस ने शनिवार को अधिवक्ता संघ एवं वकील कमलेश सोनी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपी महिला को गंभीरता दिखाते हुए गिरफ्तार करते हुए जेल भेजा।

ये है मामला-पीड़ित वकील कमलेश सोनी पिता बृजलाल सोनी निवासी वार्ड नंबर 2 सिहोरा निवासी बताया कि वह सिहोरा न्यायालय में वकालत करता है और आरोपी महिला निवासी वार्ड 17 सकरी मोहल्ला खितौला निवासी से दिनांक 6 सितंबर को रेप के मुकदमे में सलाह लेने मिली थी तथा उसे मुकदमे में मदद करने के लिए मैंने उससे कह दिया था । और शिवानी गुस्सा से मोबाइल पर 9 से 10 बार फोन पर बात हुई किंतु वह संबंधित फाइल लेकर नहीं आई। शिवानी मुझे फोन लगाकर मोबाइल नंबर 62445 59779 पर बात करने लगी और इसी नंबर से व्हाट्सएप से मैसेज करने लगी और चैट करने लगी। आरोपी महिला अकेले में मिलने के लिए कहती थी तब मैंने उसे अकेले में मिलने से मना किया तो महिला ने मुझे धमकी दी कि यदि मेरी बात नहीं मानोगे तो मैं तुम्हें बलात्कार के झूठे मामले में फंसा कर बदनाम कर दूंगी तथा जेल भिजवा दूंगी दिनांक 4 दिसम्बर को मोबाइल नंबर 9131104925 से मेरे एवं मेरे छोटे भाई राजन सोनी को मोबाइल पर व्हाट्सएप में धमकी भरे मैसेज भेजी है ।

इनका कहना

अधिवक्ता की शिकायत पर अपराध कायम करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

विपिन सिंह, थाना प्रभारी सिहोरा

सार-समाचार

एनएच-30 हाईवे ओवरब्रिज पर अंधेरा

पुल की सड़क के दोनों ओर की हाईमास्ट लाइट एक सप्ताह से बंद

गांधीग्राम, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 हाईवे फोरलेन जबलपुर कटनी सड़क मार्ग पर गांधीग्राम कुसनेर के आगे कारीवाह ग्राम के पास हाईवे का ओवरब्रिज बना हुआ है। इस ओवरब्रिज पर के दोनों ओर लगी हुई हाईमास्ट लाईट वर्तमान समय में एक सप्ताह से बन्द पड़ी हुई हैं।इससे ओवरब्रिज जे साथ साथ नीचे के पुल व ब्रिज के दोनों ओर की सड़कों पर अंधेरा छाया रहता है।जिससे अनचाही दुर्घटनाओं की संभावना बलवती हो रही हैं ।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ओवरब्रिज अंधेरे में डूबा हुआ है। पुल पर लगीं एलईडी स्ट्रीट लाइटें कुछ दिनों से बंद कर दी गई। बंद पड़ी लाइटों की सुध न तो प्रशासन ने ली है न ही एनएचएआइ के अफसरों ने ओवरब्रिज को अंधेरे से मुक्त कराने की कोई पहल की। इसका खामियाजा वाहन सवार व राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है।

कई बार लूटपाट की घटनाएं हो चुकी हैं-ब्रिज पर अंधेरा रहने के कारण रात में अपराधी रहगीरों से लूटपाट और छीनाझपटी की घटना को अंजाम दिया करते हैं। इसकी सूचना वरिष्ट अफसरों को है लेकिन अब तक इस ओर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। लोगों कहना यह भी है कि कहना है कि थाने की पुलिस ओवर ब्रिज तक रात में गस्ती नहीं की जाती है। इसके कारण अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है।यहां पर लूटपाट की घटनाएं भी घटित हो चुकी हैं।

नारायण प्रसाद तिवारी का निधन

गोसलपुर, देशबन्धु। ग्राम गोसलपुर बस स्टैण्ड निवासी नारायण प्रसाद तिवारी उम्र 70 वर्ष का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया ।आप रमेश सुरेश महेश के भाई थे एवं अशोक एवं विनोद के पिता थे। अन्तिम संस्कार मुक्तिधाम गोसलपुर में आज सोमवार को सुबह 11बजे होगा।

रेत चोरी रोकने पेट्रोलिंग कर रहे कर्मचारियों पर ग्रामीणों ने किया हमला, गाड़ियों में की तोड़फोड़

अनूपपुर, देशबन्धु। अवैध रेत चोरी रोकने शनिवारदूरविवार की रात्रि पेट्रोलिंग कर रहें ठेकेदारों के लोगो पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इसकी शिकायत रेत ठेकेदारों ने फुनगा चौकी में की हैं। जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया हैं। रेत ठेकेदार का कर्मचारी संदीप तोमर ने बताया कि अवैध रेत चोरी रोकने ले लिए शनिवार-रविवार की रात्रि पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान रक्शा से कोलमी रोड पर एक गाड़ी में दो लोग मौजूद थे। उनमें से एक व्यक्ति बोला मैं फौजी हूं। उसने बोला कि तुम यहां क्यों घूम रहे हो? यह मेरा गांव हैं। जब रेत ठेकेदारों के लोगो ने बात कर रहें थें तभी 10 से 12 लोगों को इकट्ठा होकर रेत ठेकेदार के कर्मचारियों पर हमला करते हुए डंडों से मारपीट की और दो गाड़ियों पर तोड़फेड़ की। इसकी शिकायत रेत ने फुनगा चौकी दर्ज कराई हैं।

सोहागी पहाड़ में दो दर्दनाक हादसे

अनियंत्रित ट्रैक्टर व तम्बाकू लदा ट्रक पलटा

बिना हाथ का ड्राइवर पैर से चला रहा था ट्रैक्टर, दो दर्जन से अधिक लोग घायल

रीवा देशबन्धु। मन्नत उतारने सोहागी पहाड स्थिति मंदिर जा रहा एक परिवार सडक हादसे का शिकार हो गया जिसमें दर्जन भर से ज्यादा लोगों को चोटें आई जिनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है घटना आज सुबह नौ बजे सोहागी पहाड की है। मिली जानकारी के अनुसार थाना गढ के ग्राम कलवारी से एक पटेल परिवार अपनी मन्नत को पूरा करने सोहागी पहाड स्थिति मंदिर ट्रक्टर से जा रहा था सबसे बडी बात यह रही कि ट्रक्टर चालक के दोनों हांथ नही थे वह पैरों से ट्रक्टर चला रहा था जैसे ही ट्रक्टर सोहागी पहाड मंदिर के कुछ ही दूरी पर पहुंचा वह चालक से अनियंत्रित होकर ढलान में जाकर पलट गया। ट्रक्टर में महिला पुरुष, बच्चों सहित लगभग दो दर्जन लोग सवार थे सभी ट्रक्टर में दब गये आसपास के लोग वह राहगीर दौडै पुलिस को जानकारी दी गयी सभी ने मिलकर घायलों को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस की मदद से संजय अस्पताल भेजा गया जहां ममता पटेल, गुडिया पटेल, छोटकी व रानी की हालत गंभीर बनी हुई है।

तंबाकू लोड ट्रक पलटा

सोहागी पहाड़ पर ही दूसरा हादसा शनिवार की देर रात हुआ था। जिसमें ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया और इस हादसे में ट्रक चालक सिपम कुमार निवासी इटाया घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ट्रक का केविन काटकर पायल ट्रक चालक की मशक्कत के बाद बाहर निकली है। पुलिस के अनुसार ट्रक में तंबाकू और प्लाईवुड लोड था। एक चालक तंबाकू और प्लाईवुड गुजरात से ट्रक में लोड करके उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जा रहा था, लेकिन सोहागी पहाड़ में यह हादसे का शिकार हो गया। ट्रक पलट जाने के कारण उसमें लोड तंबाकू और प्लाईवुड नीचे गहरी खाई में चले गए थे। सूचना पर पहुंचे सोहागी याना प्रभारी गोकुलानंद पांडे ने बताया कि ट्रक को कब्जे में लिया गया है उसमें रखा हुआ प्लाईवुड एवं तंबाकू को भी सुरक्षित पुलिस निगरानी में लिया गया, पही मालिक को बुलाया गया है और उसे सौप दिया जाएगा।

उधारी के रूपयों के विवाद में गला दबाकर हत्या, दो गिरफ्तार

कोतमा, देशबन्धु। कोतमा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पचखुरा में 8 दिसम्बर को हुई अंधी हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जहां आरोपियों ने उधारी दिये रूपयों के लेने देन पर हुए विवाद में 45 वर्षीय गोरेलाल उर्फ बारेलाल अगरिया की गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया गया। जिसके बाद पुलिस ने दोनो आरोपियों रामनारायण कोल पिता पुरुषोत्तम कोल उम्र 23 वर्ष एवं गणेश कोल उर्फ बब्बू पिता लोटन कोल उम्र 19 वर्ष दोनों निवासी कोलान टोला खमरौध को गिरफ्तार करते हुए उनके खिलाफ धारा 302, 201 के तहत कार्यवाही की गई है। मामले की जानकारी देते हुये कोतमा थाना प्रभारी सुन्द्रेश मरावी ने बताया कि ग्राम पचखुरा स्थित मुनीम जायसवाल के खेत में 52 वर्षीय गोरेलाल उर्फ बारेलाल अगरिया का शव पड़े होने की सूचना गांव के ही संतोष केवट पिता दशरथ केवट द्वारा दी गई थी। जहां सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर घटना स्थल सहित शव का निरीक्षण किया गया। मृतक की जीभ बाहर निकले होने तथा सीने में चोट के निशान पर शव को पीएम हेतु भेजा गया, तथा आसपास के लोगो से पूछताछ की गई। जहां पीएम रिपोर्ट में मृतक का गला दबाकर तथा सीने में किसी ठोस वस्तु से प्रहार कर हत्या किया जाना बताया गया। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 302, 201 के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया था। ग्रामीणों से पूछताछ के दौरान बताया गया कि 7 दिसम्बर की रात मृतक गोरेलाल उर्फ बारेलाल अगरिया को गांव के ही रामनारायण कोल, गणेश कोल उर्फ पप्पू सहित उनके अन्य साथियों के साथ देखा गया था। जिसके बाद पुलिस ने संदेह के आधारा पर रामनारायण कोल एवं गणेश कोल को पकड़ते हुए थाने ले आई। जहां सख्ती के साथ पूछताछ के दौरान उन्होने बताया कि 7 दिसम्बर को मृतक गोरेलाल अगरिया, बब्बू कोल, राम नारायण कोल एवं उनके अन्य साथियों ने साथ मे मिलकर मुर्गा पार्टी किये और पार्टी खत्म होने के बाद रात 12 बजे मृतक गोरेलाल अगरिया को उसके घर छोड़ने बब्बू कोल वा रामनारायण कोल जा रहे थे।

नाली न होने से गंदा पानी घरों में घुस रहा, ग्रामीण हो रहे परेशान, जिम्मेदार मौन

पाटन देशबन्धु। जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत बूढ़ी कोनी में पक्की सड़क तो बनी है लेकिन पंचायत स्तर पर पानी की निकासी के लिए कोई व्यवस्था नही बनाई गई जिसके कारण गंदा पानी लोगों के घरों में जा रहा है। गांव के संजू बर्मन ने बताया कि गांव में पक्की सीसी सड़क जिस जगह बनी है उसी जगह एक शासकीय हैंडपंप लगा है जिससे ग्रामीण पानी भरते है। जिम्मेदारों ने सीसी सड़क के दोनों साईड पक्की नाली बनाना भूल गए जिसके कारण हैंड पंप का पानी एक जगह भर रहा है जमा पानी में मक्खी मच्छर पनप रहे है जिससे गांव में खतरनाक बीमारियां होने का अंदेशा बना हुआ है। गांव के ही कल्लू बर्मन ने बताया कि पूरे गांव में कही पर भी पक्की नाली नही बनाई गई है जिससे गांव के घरों से निकला गंदा पानी सड़कों पर फेल रहा है। पंचायत के द्वारा गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था के लिए कई बार ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों को ग्रामीणों ने बताया लेकिन इनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं जिससे कारण गांव के लोग बहुत परेशान हैं।

फिल्मी स्टंट की तरह लहराती कार नहर में गिरी, एक की मौत

यूपी के नौजवान मझगवां में हादसे का शिकार, दो घायल

कटनी, देशबन्धु। कुठला थाना क्षेत्र में देर रात मझगवां फाटक के पास एक कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। इस घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई तथा दो लोग घायल हुए हैं। कार पर सवार लोग यूपी के भदोही जिले के रहने वाले बताए जाते हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

घटना के संबंध में पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है। मृतक को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तथा घायलों को इलाज के लिए भर्ती किया गया है। पुलिस के द्वारा घटना का शिकार युवकों के परिजनों से सम्पर्क किया जा रहा है। अभी तक उनके परिजनों से बातचीत होने या जानकारी देने की खबर नहीं लगी है।

कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे से मिली जानकारी के अनुसार यूपी के भदोही जिले के सुरियावा थाना के ग्राम मिरकीपुर में रहने वाले अमरेश पिता सोमनाथ बिंद (35) अपने साथियों के साथ कार क्रमांक एचआर 12 एसी 5718 पर सवार होकर अपने साथियों के साथ एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दमोह की तरफ गया था। जानकारी के मुताबिक शनिवार को देर रात अमरेश अपने साथियों के साथ लौट रहा था तभी कुठला थाना क्षेत्र के मझगवां फाटक के पास अचानक अमरेश कार से नियंत्रण खो बैठा और कार लहराते हुए सीधे नहर में जा गिरी। इस हादसे में अमरेश की असमय मौत हो गई तथा कार पर सवार मुन्ना लाल पिता धन्नू लाल यादव एवं लाल कुमार पिता श्री दास वैश्य को साधारण चोटें आई हैं।

पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया जहां से इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस के द्वारा हादसे का शिकार हुए युवकों के परिजनों से सम्पर्क किया जा रहा है।

अयोध्या राम मंदिर से आए पूजित अक्षत कलश गांव-गांव वितरित

पाटन, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जबलपुर विभाग के अंतर्गत जिला शहपुरा में रविवार को जिले की 1 बड़ी बैठक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा आयोजित की गई जिसमें जिले के सभी समविचारी संघटन एकत्रित हुए। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण भेजने के लिए जिले के सभी खंडों बरगी, बरेला, पाटन, कटंगी, शहपुरा,भेड़ाघाट खंड के स्वयंसेवक एकत्रित हुए, जिन्हे पूजित अक्षत कलश दिए गए। इन पूजित अक्षत को घर घर जाकर लोगों को दिया जाएगा और लोगों को अयोध्या आने आमंत्रित किया जाएगा, वर्षो के बाद हिंदुओ के आराध्य देव श्री राम आयोध्या में विराजमान होने जा रहे है। यह हर सनातनी के लिए गौरव की बात है। यह अभियान 1 जनवरी से 15 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में प्रांत सह व्यवस्था प्रमुख अनंत डीके, संघ चालक यदुवेंद्र सिंह, जिला कार्यवाह वीरेंद्र सिंह, सह कार्यवाह नंदकिशोर पटेल, हिंदू जागरण मंच से प्रांत सयोजक अनूप सिंह, जिला प्रचारक मोहन, उत्तम सिंह, संजय सिंह, शैलेंद्र सिंह राजपूत, शिव पटेल, संदीप शुक्ला, राजकुमार पटेल, अनिल मिश्रा, इंद्र कुमार पटेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इजरायली ड्रोन हमले में हिजबुल्लाह नेता का बेटा मारा गया

तेल अवीव। हिजबुल्लाह ने शनिवार को कहा कि दक्षिणी सीरिया में संगठन के संचालन के प्रभारी अली मूसा डकडौक का बेटा हसन अली डकडौक कथित तौर पर इजरायली ड्रोन हमले में मारा गया। अली मूसा डकडौक अमेरिकी सेना पर हमला करने के लिए इराक में ईरानी समर्थक लड़ाकों को प्रशिक्षण देने के लिए जिम्मेदार था। उसे 2007 में इराक में अमेरिकी सेना ने हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में रिहा कर दिया गया था। मारे गए चार लोग हिजबुल्लाह के थे। जबकि, एक सीरियाई था।

सैनिकों को आराम और हमास की सुरंगे बनेंगी कब्रिस्तान, इजरायल के एआई लड़ाके कैसे गाजा पर बरपा रहे कहर

गाजा। इजरायल और हमास आतंकियों के बीच चल रही जंग जारी है। बेतहाशा खून-खराबे के बाद भी इजरायली सेना ने गाजा पर कहर बरपाना नहीं छोड़ा है। उधर, हमास भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। इजरायल इस महायुद्ध में हमास आतंकियों को खोजने के नए तरीकों पर लगातार काम कर रहा है। हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है कि इजरायल के एआई लड़ाके हमास आतंकियों को खोज रहे हैं और उन्हें मिटा रहे हैं। मौजूदा हालातों को देखते हुए यह लग रहा है कि इजरायल के लिए यह तकनीक फायदेमंद है क्योंकि वह कई मोर्चों पर अपने सैनिकों को आराम देकर एआई तकनीक की मदद से हमास की सुरंगों को कब्रिस्तान बना रहा है। फायदे के इस सौदे में एक बड़ा सवाल भी है कि जंग में एआई को उतारकर क्या इजरायल ने नए और खतरनाक युग का आगाज कर दिया है!

पिछले हफ्ते, रिपोर्टें सामने आईं थी कि इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध में एआई तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। हमास की सुरंगों को एआई टूल्स की मदद से कब्रिस्तान बनाया जा रहा है। इजरायली सेना इस अत्याधुनिक तकनीक से टारगेट को फिक्स करने के लिए हब्सोरा नामक एक एआई प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं। कथित तौर पर इस प्रणाली का उपयोग बमबारी के लिए अधिक से अधिक टारगेट खोजना और हमास आतंकियों और आम नागरिकों को ढूंढने के लिए किया जा रहा है।

दुनिया में तबाही लाएगा इजरायल का यह कदम

इजरायल ने युद्ध में एआई तकनीक की मदद से हमास का सफाया करना शुरू कर दिया है। एआई एक ऐसी तकनीक है, जिससे वह हमास आतंकियों को ढूंढकर मार रहा है। युद्ध में एआई तकनीक के आ जाने से दुनिया में जंग का रूप बदल गया है।

कई एक्सपर्ट इजरायल के इस कदम की जमकर आलोचना भी कर रहे हैं क्योंकि इस रोबोटिक तकनीक से भले ही वह अपने टारगेट तक पहुंच पा रहा हो, उसके सैनिकों को आराम मिल रहा हो लेकिन भविष्य के लिए यह बेहद खतरनाक हो सकता है। एआई एक मशीन है जो निर्देशों का पालन करते हुए अपने काम को अंजाम देती है। अगर इसमें कोई तकनीकी दिक्कत आ गई तो यह भीषण तबाही ला सकती है।

ऐसे कई उदाहरण हैं, जिन्होंने हाल ही में दुनिया को बताया कि एआई तकनीक से खेलना जान हथेली पर रखने से कम नहीं। पिछले महीने साउथ कोरिया में एक शख्स को एआई ने सब्जी का टोकरा समझ लिया था और अपने हाथों से मसलकर उसकी जान ले ली। उससे पहले अमेरिका में भी ऐसी ही एक घटना सामने आई थी जब फॉक्सवैगन कार रिपेयरिंग के दौरान एआई में तकनीकी खराबी आ गई और उसने कार की सफाई कर रहे शख्स को मशीन समझकर उठा कर फेंक दिया। इस घटना में भी शख्स की मौत हो गई थी।

कई मानवीय संस्थाएं इजरायल के इस कदम को घातक बता रही हैं क्योंकि इसमें आम नागरिकों के भी बड़े पैमाने पर मारे जाने की संभावना है। गाजा की लड़ाई में एआई तकनीक ने युद्ध के सभी स्तरों पर प्रभाव डाला है।

वह हब्सोरा तकनीक को न सिर्फ टारगेट पर हमला करने बल्कि खुफिया निगरानी के लिए भी इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में वह बिना किसी मानवीय मदद के अपने टारगेट को हासिल कर सकता है। इस तकनीक की मदद से इजरायल हमले में मारे जाने वाले लोगों की संख्या का सटीक अंदाजा भी लगा सकता है।

आज का इतिहास

1618 – रूस और पौलेंड के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
1687 – ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास (अब तमिलनाडु भारत) में नगर निगम बनाया।
1790 – रूस-तुर्की युद्ध (1787-92)= 26,000 तुर्की सैनिकों ने इजैमेल के अलेक्जेंडर सवोरोव के तूफान के दौरान अपना जीवन खो दिया।
1816 – इंडियाना अमेरिका का 19वां राज्य बना।
1845 – प्रथम आंग्ल सिख युद्ध शुरू हुआ।
1911 – मिस्र के उपन्यासकार नजीब महफूज का जन्म। वह साहित्य का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले अरबी लेखक बने।
1930 – सी वी रमन को भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
1941 – द्वितीय विश्व युद्ध-जर्मनी और इटली ने संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1946 – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
1946 – संयुक्त राष्ट्र द्वारा युनिसेफ की स्थापना की गई।
1967 – पश्चिम भारत में 6.5 की तीव्रता वाले भूकंप से 170 लोगों की मौत हुई।

सुडोकू 6402

					5		4	
		5		4		6		
4	3	8	2					
				2			6	
7		3				1		2
	4			8				
					2	7	9	4
		2		3		5		
	6		7					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

तेलंगाना कांग्रेस ने मनाया सोनिया का जन्मदिन

हैदराबाद। तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को यहां गांधी भवन में संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का 77वां जन्मदिन भव्य तरीके से मनाया। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहली बार पार्टी कार्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने इस अवसर पर अपने पूर्ववर्ती अध्यक्ष वी हनुमंत राव के साथ 78 किलोग्राम का केक काटा। रेड्डी ने इस मौके पर कहा कि पृथक तेलंगाना राज्य की घोषणा नौ दिसम्बर-2009 को सोनिया गांधी के जन्मदिन पर की गई थी।

जम्मू-कश्मीर के तापमान में गिरावट, शीत लहर जारी

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जिससे पूरी घाटी में शीत लहर जारी है। दक्षिण कश्मीर का शोपियां कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, यहां तापमान शून्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में रात का तापमान शून्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

मऊ दीवार हादसे में मरने वालों की संख्या हुई सात

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जनपद के घोसी कोतवाली क्षेत्र में दीवार गिरने के कारण हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवार को 2 लाख व घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि जारी किए जाने की घोषणा की। एक वैवाहिक कार्यक्रम के हल्दी रसम में शुक्रवार की शाम शामिल होने जा रही महिलाओं के ऊपर दीवार गिरने से महिलाएं वह बच्चे दीवाल के नीचे दब गए थे। इस दर्दनाक हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है।

अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन शुरू

तिरुवनंतपुरम। केरल के प्रधान महालेखाकार बीजू जैकब ने करियावट्टोम परिसर में शनिवार को लेखांकन शिक्षा व अनुसंधान पर दो दिवसीय 45वें अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। डॉ. जैकब ने कहा कि उन्होंने लेखांकन को एक बेहद सकारात्मक पेशे के रूप में रेखांकित किया, जहां व्यक्तियों और राष्ट्रों की समृद्धि आपस में जुड़ी हुई है व एकाउंटेंट के लिए खुशी लाती है क्योंकि वे धन और सफलता में योगदान करते हैं।

गाजा में लोगों को पीटकर खाना चुरा रहे हमास आतंकी, इजरायल ने खोली पोल

नई दिल्ली। गाजा में इजरायली रक्षा बलों आईडीएफ और हमास के बीच चल रहा खूनी खेल लगातार गहराता जा रहा है। इस जंग में मरने वालों की संख्या 16 हजार पार कर गई है। सबसे ज्यादा मानवीय नुकसान गाजा में रह रहे निर्दोष फिलिस्तीनियों को झेलना पड़ा है। मरने वालों में सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। हमास इस जंग में लगातार आरोप लगाता रहा है कि इजरायली सेना बड़ी क्रूरता से आम नागरिकों की हत्या कर रही है। डब्ल्यूएचओ समेत दुनिया की कई एजेंसियां भी गाजा की हालत पर चिंता जता चुके हैं। चौतरफा हमले के बीच आईडीएफ ने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उसने दावा किया है कि गाजा में पहुंच रही अंतरराष्ट्रीय मदद को हमास आतंकी जबरन हड़प रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे बंदूक की नोंक पर हमास आतंकी गाजा के लोगों को पीट रहे हैं और डराकर उनसे खाना और अन्य जरूरी रसद छीन रहे हैं।

इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास आतंकवादियों पर नागरिकों की पिटाई करने और गाजा को अंतरराष्ट्रीय संगठनों से मिलने वाली मानवीय सहायता चुराने का आरोप लगाया। आईडीएफ ने कहा कि हमास के लिए गाजा के लोग कुछ मायने नहीं रखते। आईडीएफ ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया। जिसमें आम लोगों को बंदूकधारियों द्वारा पीटते हुए दिखाया गया है। वीडियो में दिख रहे बंदूकधारियों के बारे में दावा किया गया है कि वे हमास के आतंकी हैं।

एक्स पर वीडियो साझा करते हुए, आईडीएफ ने कहा, हमास के सदस्यों ने नागरिकों को पीटा और इज़रायल द्वारा समर्थित अंतरराष्ट्रीय संगठनों से प्राप्त मानवीय सहायता चुरा ली। हमास अपने गाजावासियों पर जुल्म ढा रहा है। आईडीएफ ने यह भी कहा कि अल-मवासी गाजा का वो इलाका है, जहां इजरायली सेना ने कोई सैन्य कार्रवाई नहीं की है। हालांकि इजरायल का दावा है कि हमास इन ठिकानों पर आम नागरिकों पर जुल्म कर रहा है और प्राप्त हो रही मानवीय सहायता को जबरन छीन रहा है।

स्कूल और मस्जिदों में छिपकर हमला कर रहा हमास

शनिवार को, आईडीएफ ने कहा कि हमास के आतंकवादी आईडीएफ बलों पर गोलीबारी करने के लिए बेत हनौन में स्कूल और एक मस्जिद का उपयोग कर रहे हैं। एक्स पर आईडीएफ ने लिखा, एक बार फिर, हम देख रहे हैं कि हमास के आतंकवादी आईडीएफ बलों पर गोलीबारी करने के लिए स्कूलों और मस्जिदों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

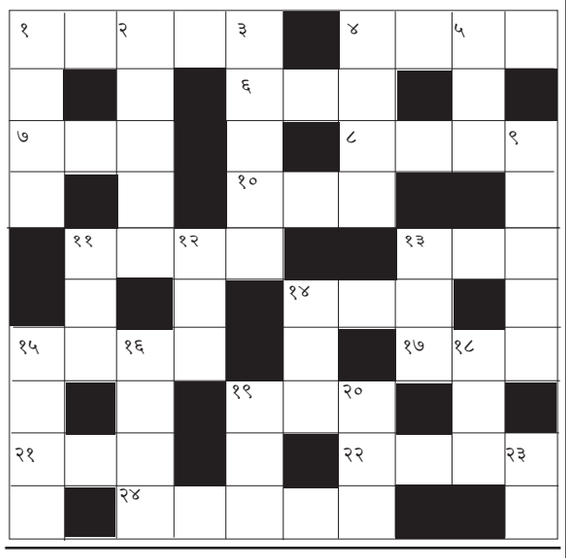

अपने ही घर के बाहर लॉक हो गए ऋषि सुनक, फिर पीटने लगे दरवाजा, देखें वायरल वीडियो

लंदन। ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक कुछ देर के लिए अपने ही घर के बाहर लॉक हो गए। दरअसल, वो नीदरलैंड के प्रधान मंत्री मार्क रूट को रिसीव करने के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान गलती से घर बंद हो गया। यह स्थिति सुनक और रूट दोनों के लिए असहज थी, क्योंकि मीडिया उन्हें लगातार कवर कर रही थी। मीडिया के सामने सुनक को दरवाजा पीटते हुए भी देखा गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

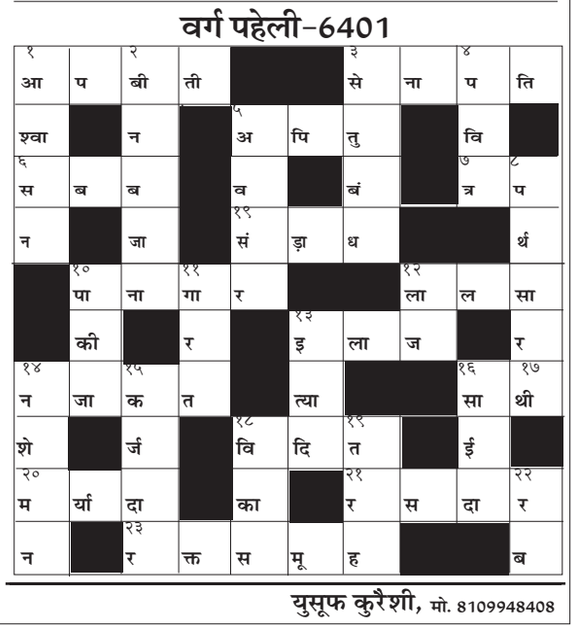

ब्रिटेन की हाई प्रोफाइल डाउनिंग स्ट्रीट पर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के लिए स्थिति उस वक्त असहज हो गई जब वो अपने ही घर के बाहर लॉक हो गए। हुआ यूं कि सुनक घर के बाहर निकले और डच पीएम मार्क रूट का स्वागत करने लगे। दोनों ने हाथ मिलाया और मीडिया को पोज दी। इसी दौरान घर अंदर से बंद हो गया और सुनक समेत रूट दोनों घर के बाहर रह गए। यह स्थिति सुनक के लिए काफी असहज थी। वो रूट की मेजबानी कर रहे थे और दरवाजा खुल ही नहीं पा रहा था। इस दौरान सुनक और रूट को दरवाजे के बाहर इधर-उधर टहलते और दरवाजे को पीटते हुए देखा गया। कुछ देर इस

तरह की भ्रामक स्थिति बनी रही और आखिरकार दरवाजा अंदर से खोला गया।

क्या हुई सुनक और रूट में बातचीत- पीएम के प्रवक्ता ने कहा, दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व की स्थिति सहित कई भूराजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने की लड़ाई पर भी चिंता जताई। साथ ही गाजा में लगातार बढ़ रही मानवीय त्रासदी पर खेद प्रकट किया। दोनों ने गाजा की मदद में आगे आने की भी बात कही है। प्रवक्ता ने कहा, ऋषि सुनक ने यूक्रेन और रूस की लड़ाई में राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ भी बातचीत की है। सुनक ने एक बार फिर लड़ाई में यूक्रेन को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई है।

ईएईयू व ईरान मुक्त व्यापार समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

तेहरान, (एजेंसियां)। यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) के सदस्य देश दिसंबर में ईरान के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। रूस के उप प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने यह जानकारी दी। श्री नोवाक ने रोसिया वन टीवी पर कहा, निकट भविष्य में कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। दिसंबर में ईरान और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच मुक्त व्यापार क्षेत्र पर एक समझौता होगा और हम जल्द ही एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ पर भी पहुंचेंगे - यह एक अंतरराज्यीय समझौता है,। इसके एक दिन पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने प्रतिनिधिमंडलों की उपस्थिति में बातचीत की और फिर क्रेमलिन में वर्किंग लंच के प्रारूप में बातचीत जारी रखी। श्री नोवाक ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति रायसी ने वित्तीय और बैंकिंग संबंधों और बस्तियों से लेकर व्यापार और आर्थिक संबंधों की पूरी श्रृंखला पर विस्तार से चर्चा की, जिस पर निपटान को आसान बनाने के लिए बहुत ध्यान दिया गया।

वर्ग पहेली 6402

बायें से दायें:-

१. विवाह की एक रस्म
४. निरपराध,निर्दोष (उर्दू)
६. छुटकारा, मुक्ति (उर्दू)
७. जन्म देना,जनन
८. धनी, समृद्ध
१०. दहाड़
११. वीरान, निर्जन
१३. शिशु की अवस्था, बाल्यकाल
१४. ढीला, सुस्त
१५. चौकन्नापन, जागरुकता
१७. कबीर के पदों का संग्रह
१८. ध्वनि, शब्द
२१. बाजगरी
२२. गणेश
२४. राजा, सम्राट (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. निस्तेज, मुरझाया हुआ
२. झूठी बात
३. विवाह करना
४. जो लेन-देन के मामले में खरा न हो (उर्दू)
५. नाव खेने वाला, नाविक (उर्दू)
९. खून बढ़ाने वाला
११. कमल
१२. राहिल्य
१३. पार्वती, पर्वतपुत्री
१४. उलाहना (उर्दू)
१५. सर्वविदित, सबके सामने (उर्दू)
१६. बड़ा हाथी
१८. डांट, फटकार
१९. दखलंदाजी
२०. स्थान (उर्दू)
२३. देवदूत (उर्दू)

वर्ग पहेली-6401

आ	प	बी	ती			से	ना	प	ति
श्वा		न		अ	पि	तु		वि	
स	ब	ब		व		बं		त्र	प
न		जा		सं	ड़ा	ध			र्थ
	पा	ना	गा	र			ला	ल	सा
	की		र		इ	ला	ज		र
न	जा	क	त		त्या			सा	थी
शे		र्ज		वि	दि	त		ई	
म	र्या	दा		का		र	स	दा	र
न		र	क्त	स	मू	ह			ब

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

बयान *गुटेरेस ने आर्मेनिया-अजरबैजान समझौते का किया स्वागत*

संबंधों में सुधार के लिए आर्मेनिया-अजरबैजान ने किया समझौता

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए समझौते का स्वागत किया। श्री गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, महासचिव आर्मेनिया और अजरबैजान द्वारा जारी उस संयुक्त बयान का स्वागत करते हैं, जिसमें विश्वास-निर्माण उपायों की एक श्रृंखला की घोषणा की गई है और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई है।

दुजाजारिक ने एक दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि संयुक्त राष्ट्र पार्टियों को आपसी विश्वास को आगे बढ़ाने और उनकी आबादी और क्षेत्र के लाभ के लिए दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित करने के लिए समझौते पर निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करता है। आर्मेनिया और अजरबैजान ने गुरुवार को कहा कि वे बिना किसी मध्यस्थ के शामिल हुए अपनी पहली सीधी बातचीत के बाद युद्धबंदियों को रिहा करके विश्वास-निर्माण के कदम उठाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं।

इथियोपिया में विस्थापन, बीमारियों का प्रकोप जारी : यूनिसेफ

अदीस अबाबा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा है कि इथियोपिया में कई प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के कारण जारी गंभीर मानवीय स्थिति के बीच बड़े पैमाने पर विस्थापन तथा कई बीमारियों का प्रकोप जारी है। यूनिसेफ द्वारा जारी अपनी नवीनतम इथियोपिया मानवीय स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्वी अफ्रीकी देश में मानवीय स्थिति मुख्य रूप से चल रहे संघर्षों, बीमारी के प्रकोप और बदलती जलवायु के कारण और भी खराब हो गई है। यूनिसेफ ने कहा, हाल ही में, अल नीनो के कारण बाढ़ ने इसे और बढ़ा दिया है, जिसका कमजोर व्यक्तियों, विशेषकर बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अल नीनो इफेक्ट मौसम संबंधी एक विशेष घटना क्या स्थिति है, जो मध्य और पूर्वी प्रशांत सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से अधिक होने पर बनती है। आसान भाषा में समझे तो इस इफ़ेक्ट की वजह से तापमान काफी गर्म हो जाता है। इसकी वजह से पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में रहने वाला गर्म सतह वाला पानी भूमध्य रेखा के साथ पूर्व की ओर बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में भयानक गर्मी का सामना करना पड़ता है और सूखे के हालात बनने लगते हैं।

खेल जगत

आंद्रे रसेल की वेस्टइंडीज टी20 टीम में वापसी

बारबाडोस। इंग्लैंड के खिलाफ पांच घरेलू टी-20 मैचों की सीरीज से पहले वेस्टइंडीज की टीम में आंद्र रसेल की वापसी हुयी है। रसेल आखिरी बार 2021 में संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज टीम के साथ दिखे थे। टी20 के धाकड़ बल्लेबाज ने अपने करियर में 167 के स्ट्राइक रेट से करीब 8000 रन बनाए हैं। नई टीम में उनके साथ मैथ्यू फोर्ड भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में प्रभावित किया था और हाल के घरेलू टी20 सीज़न में सफलता के शीर्ष पर रहे थे। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चोट से उबरने के बाद शेरफेन रदरफोर्ड और स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में शामिल किया गया है, जिसके कारण उन्हें भारत सीरीज से बाहर होना पड़ा। शाई होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी-20 टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जिससे उनकी वेस्टइंडीज वनडे टीम के कप्तान की भूमिका भी जुड़ जाएगी।

धोनी के लिए लीजेंड्स लीग दरवाजे खुले

सूरत। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर के कई दिग्गज क्रिकेटरों का पसंदीदा टूर्नामेंट बन गया है। गौतम गंभीर, सुरेश रैना और हरभजन सिंह से लेकर यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल, हरफनमौला जैक्स कैलिस और अन्य तक, यहां क्रिकेट के मैदान पर बेखौफ अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। कई लोगों के लिए एलएलसी एक स्वाभाविक दूसरी पारी बन गया है, जो उन लोगों के लिए एक मंच प्रदान करता है जो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट या आईपीएल से जल्दी सेवानिवृत्त हुए हैं।

हाल ही में रांची में प्रतिष्ठित क्रिकेटर एमएस धोनी के साथ बैठक के बाद, एलएलसी के सीईओ रमन रहेजा ने विश्व कप विजेता कप्तान को आईपीएल से उनकी सेवानिवृत्ति के बाद लीग में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने की उत्सुकता व्यक्त की। रमन रहेजा ने आईएएनएस के सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैं सक्रिय क्रिकेट से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा हूं। जब भी वह (धोनी) हमारे लिए खेलने को तैयार होंगे, हमारे दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से जाऊंगा और उनसे लीग में आने के लिए कहूंगा। रहेजा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे क्रिकेटर स्वयं अन्य खिलाड़ियों को लीग में ला रहे हैं। सिम्बायोसिस स्नातक ने खुलासा किया कि आरसीबी के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और मुंबई इंडियंस के दिग्गज कीरोन पोलार्ड भी एलएलसी खेलने में अपने देशवासियों के साथ शामिल होने की दौड़ में हैं।

डेल स्टेन लीग में खेलने वाले थे, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें चोट लग गई और उन्हें लीग में खेलने के लिए लाने वाले कोई और नहीं बल्कि जैक्स कैलिस थे। अब डेल स्टेन नहीं खेले रहे हैं लेकिन उन्होंने एबी डिविलियर्स से इस बारे में बात की है।

तो यह क्रिकेटरों के बीच एक नेटवर्क बन गया है, शेन वॉटसन जो एलएलसी में खेलने वाले थे। उन्होंने शॉन मार्श से मुलाकात की। मैं एलएलसी में डिविलियर्स को लेकर उत्सुक हूं। केवल वह ही नहीं, यहां तक कि कीरोन पोलार्ड और ड्वेन ब्रावो भी मेरे रडार पर हैं।

खिलाड़ी मेरे सबसे बड़े राजदूत बन गए हैं, उदाहरण के लिए, न्यूजीलैंड के खिलाड़ी मार्टिन गुप्टिल जैसे नए खिलाड़ियों को लेकर आए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए भी ऐसा ही है, फिंच शामिल हुए हैं। इसलिए मैं देख रहा हूं कि यह स्वाभाविक दूसरी पारी बन रही है रहेजा ने आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा, हम न केवल डिविलियर्स, पोलार्ड बल्कि कई अन्य खिलाड़ियों से भी बातचीत कर रहे हैं।

एलएलसी के माध्यम से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शामिल होने के लिए जल्दी सेवानिवृत्ति का विकल्प चुनने वाले युवा खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या के साथ, हाल ही में समाप्त हुए सीज़न में लीग में क्रिकेटरों की औसत आयु 42 से घटकर 38 हो गई है। रहेजा का मानना है कि एलएलसी उन खिलाड़ियों के लिए पसंदीदा दूसरी पारी बन जाएगी जो क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहते हैं।

यहां एलएलसी में औसत उम्र दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। पहले सीज़न में यह 42 थी और अब 38 हो गई है। यह मेरी सबसे बड़ी जीत है और हम सक्रिय क्रिकेट प्रारूप की सराहना करना चाहते हैं न कि उनसे प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। मैं यही उम्मीद करता हूं।खिलाड़ियों के लिए दूसरी पारी के रूप में पहली पसंद बन गए।

एलएलसी 2023 सीज़न के समापन में, मणिपाल टाइगर्स शनिवार को सूरत के लालाभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में फाइनल में अर्बनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराकर विजयी हुआ। जैसे ही रहेजा ने सीज़न पर विचार किया, उन्होंने कहा कि हालांकि प्रत्येक अगला सीज़न पिछले सीज़न से बेहतर है, पहला सीज़न उनके दिल के करीब है क्योंकि इसने एलएलसी के सपने को वास्तविकता में बदल दिया।

आरसीबी डब्ल्यूपीएल नीलामी में सभी मानकों पर खरी उतरी : स्मृति मंधाना

मुंबई। जैसा कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 प्लेयर नीलामी में अपने सुविचारित अधिग्रहण के साथ सही संतुलन पाया, कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि नीलामी की योजना इसके बाद शुरू हुई। केवल पहला सीज़न और वे उन अनुभवी गेंदबाजों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के इच्छुक थे जिन्होंने भारतीय परिस्थितियों में गेंदबाजी की है। आरसीबी ने न केवल गेंद से अच्छे खिलाड़ी छीने, बल्कि बल्ले से भी अच्छे खिलाड़ी छीने।

शनिवार को आयोजित खिलाड़ियों की नीलामी में, आरसीबी ने 2016 महिला एशिया कप विजेता एस मेघना (30 लाख रुपये) को टीम में शामिल करने से पहले बेंगलुरु से एक होनहार घरेलू ऑलराउंडर शुभा सतीश (10 लाख रुपये) को चुना। मजबूत 18 सदस्यीय टीम को पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्पिन ऑलराउंडर जॉर्जिया वेयरहैम (40 लाख रुपये) और सोफी मोलिनक्स (30 लाख रुपये) फ्रेंचाइजी के अन्य दो विदेशी अधिग्रहण थे।

मंधाना ने कहा, टी20 में गेंदबाजी निश्चित रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और एक अच्छी गेंदबाजी करने वाली टीम प्रतिस्पर्धा जीतती है और इस साल हम अपनी स्पिन इकाई को मजबूत करना चाह रहे थे और विदेशी तेज गेंदबाजों की भी तलाश कर रहे थे जो रेणुका (सिंह) का अच्छा साथ दे सकें। अब हमारे पास केट क्रॉस है और मुझे लगता है वह पावर प्ले में रेणुका की अच्छी तरह से पूरक होंगी, दोनों एक-दूसरे की दिशा में स्विंग कर रही हैं। और मोलिनक्स और वेयरहैम के साथ, गेंदबाजी बहुत अनुभवी दिखती है। इसके अलावा हमारे पास श्रेयंका (पाटिल) और (सोफी) डिवाइन और (एलिस) पेरी जैसी खिलाड़ी भी हैं। रिक्त स्थानों को भरने और आगामी सीज़न के लिए एक साहसिक टीम बनाने के लिए आरसीबी की सात बोलियां कुशल बैकरूम स्टाफ द्वारा व्यापक योजना और रणनीति का परिणाम थीं - जिसमें मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स, सहायक मुख्य कोच और स्काउटिंग के प्रमुख मालोलन रंगराजन शामिल हैं - इनके साथ मंधाना से महत्वपूर्ण सामरिक इनपुट भी लिए गए।

नीलामी और खिलाड़ियों के चयन के बारे में बात करते हुए, आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख, राजेश वी मेनन ने कहा, टीम बनाने का कोई शॉर्टकट नहीं है। आप हर सीज़न में ईंट दर ईंट नींव बनाते हैं। हमने पिछले साल से बहुत कुछ सीखा है। और हमारा मुख्य उद्देश्य उन सीखों को नीलामी में ले जाना, उन कमियों को दूर करना और एक ऐसी टीम बनाना था जो हमें किसी भी परिस्थिति में खेलने के लिए उत्कृष्ट संतुलन और लचीलापन प्रदान करे।

नीलामी के पीछे आरसीबी के दृष्टिकोण और रणनीति के बारे में बताते हुए, सहायक मुख्य कोच और स्काउटिंग के प्रमुख, मैलोलन ने कहा, आरसीबी ने जो चीजें वास्तव में अच्छी की हैं उनमें से एक है स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, रेणुका सिंह, कनिका आहूजा के रूप में मजबूत भारतीय घरेलू टीम का होना। और श्रेयंका पाटिल, जो संभावित रूप से प्लेइंग इलेवन में आपके शीर्ष पांच शुरुआती खिलाड़ी हैं, हमारे पास एक बहुत अच्छा भारतीय कोर है। अब, आप इसमें सोफी डिवाइन, एलिसे पेरी और हीदर नाइट को भी जोड़ लें, तो आपके पास आधी पहेली पहले ही सुलझ चुकी है। हमने अपनी नीलामी के लिए एक बहुत ही केंद्रित दृष्टिकोण रखा था कि हम उपलब्ध विकल्पों के साथ इस टीम को कैसे बेहतर बना सकते हैं। हमारा ध्यान एक अच्छी तरह से संतुलित गेंदबाजी इकाई प्राप्त करने पर था जो हमारे सामने आने वाली किसी भी परिस्थिति में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

डब्ल्यूपीएल 2024 के लिए आरसीबी टीम

नई खरीदारी : जॉर्जिया वेयरहैम (40 लाख), केट क्रॉस (30 लाख), एकता बिष्ट (60 लाख), शुभा सतीश (10 लाख), एस मेघना (30 लाख), सिमरन बहादुर (30 लाख) , सोफी मोलिनक्स (30 लाख)

रिटेन किए गए खिलाड़ी: स्मृति मंधाना, आशा शोभना, दिशा कसाट, एलिसे पेरी, हीथर नाइट, इंद्राणी रॉय, कनिका आहूजा, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, सोफी डिवाइन।

अबरार अहमद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, साजिद खान को बैकअप के तौर पर बुलाया गया

पर्थ। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद को 14 दिसंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि ऑफ स्पिनर साजिद खान को टीम प्रबंधन के अनुरोध पर बैकअप के रूप में बुलाया गया है।

कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ प्रथम श्रेणी मैच के दौरान अबरार ने अपने दाहिने पैर के घुटने के आसपास गंभीर दर्द के कारण खेल का मैदान छोड़ दिया। उन्होंने 27 ओवर फेंके और 80 रन दिए और मार्कस हैरिस को आउट किया।

मेडिकल टीम द्वारा एक मूल्यांकन और एक अंतिम निदान किया गया - एक एमआरआई स्कैन को उचित ठहराते हुए, जो उसी दिन किया गया था। पीसीबी ने कहा कि अबरार को सोमवार को पर्थ में एक टेस्ट से गुजरना होगा, जिसके बाद टीम के मेडिकल स्टाफ की देखरेख में रूढ़िवादी पुनर्वास, उनके ठीक होने की राह जारी रखेगा।

उन्हें अभी तक टेस्ट श्रृंखला से बाहर नहीं किया गया है, लेकिन इस और भविष्य के दौरों के लिए खिलाड़ी की भलाई को ध्यान में रखते हुए, दूसरे टेस्ट से पहले आगे के आकलन से इस दौरे पर उनकी उपलब्धता का पता लगाया जाएगा। पीसीबी ने कहा कि साजिद अपनी यात्रा व्यवस्था को अंतिम रूप देने के बाद पर्थ की यात्रा करेंगे।

25 वर्षीय अबरार ने पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से छह टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 38 विकेट लिए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान के लिए टेस्ट मैचों में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर हैं। फिलहाल, पाकिस्तान की मौजूदा टेस्ट टीम में बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली के रूप में एक विशेषज्ञ स्पिनर है, जिसने अब तक 15 मैचों में 47 विकेट लिए हैं।

शूट-ऑफ में यूएसए को हराकर नौवें स्थान पर रही भारतीय टीम

सैंटियागो। भारतीय जूनियर महिलाओं ने एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के एक रोमांचक मैच में लचीलापन दिखाया और रोमांचक पेनल्टी शूटआउट के बाद सडन डेथ में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की। इससे पहले निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबरी पर था। विशेष रूप से इस प्रतियोगिता में भारत ने जीत से टूर्नामेंट में 9वां स्थान हासिल किया। भारत ने शुरुआत में दबदबा बनाए रखा। अमेरिका पर लगातार दबाव डाला और कई बार उनकी रक्षा में सेंध लगाई। पहले पेनल्टी कॉर्नर पर मंजू चोर्सिया (11) के सटीक गोल ने भारत को बढ़त दिला दी।

इस बढ़त से उत्साहित भारतीय टीम ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और अमेरिका को लगातार दबाव में रखा। हालांकि, क्वार्टर के अंतिम मिनट में यूएसए फिर पेनल्टी कॉर्नर जीतने में कामयाब रहा, लेकिन इसका फायदा उठाने में असफल रहा क्योंकि शुरुआती क्वार्टर का समापन भारत के 1-0 से आगे होने के साथ हुआ।

दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त बरकरार रखने के इरादे से भारत ने लगातार यूएसए के सर्कल में प्रवेश करते हुए गेंद पर कब्ज़ा करने पर ध्यान केंद्रित किया। उनके प्रयासों के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दृढ़ता से बचाव किया और खुद जवाबी हमले शुरू करते हुए अंतर को बढ़ाने के भारत के प्रयासों को विफल कर दिया। यह रणनीति तब प्रभावी साबित हुई जब कीर्स्टन थॉमासी (27) के सटीक प्रहार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के लचीलेपन को प्रदर्शित करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। दूसरा क्वार्टर बिना किसी और गोल के समाप्त हुआ और दोनों टीमें 1-1 के स्कोर के साथ हाफटाइम तक आगे बढ़ीं। अपने लाभ को पुनः प्राप्त करने के लिए उत्सुक, भारत ने तीसरे क्वार्टर में हमलों की झड़ी लगा दी और लगातार संयुक्त राज्य अमेरिका की रक्षा पर दबाव डाला। पेनल्टी कॉर्नर सहित कई बार चूकने के बावजूद, भारत अपने अवसरों को गोल में नहीं बदल सका।

तीसरा क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ, जिससे स्कोर 1-1 पर बराबरी पर छूटा। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिला, फिर भी उसे गोल में बदलने के उनके प्रयास असफल रहे। हैरानी की बात यह है कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका था जिसने खेल के अंत में अवसर का लाभ उठाया, क्योंकि कीर्स्टन थॉमासी (53%) ने अपना दूसरा गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। जैसे-जैसे समय बीतता गया और स्कोर उनके विरुद्ध होता गया, भारत ने अपने आक्रामक प्रयास बढ़ा दिए। उनके दृढ़ संकल्प का फल तब मिला जब सुनिलिता टोप्पो (57) ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार शॉट लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।

सार संक्षेप

आइजोल ने शिलांग को 3-0 से रौंदा

शिलांग। आइजोल एफसी ने शिलांग लाजोंग एफसी द्वारा की गई गलतियों का फायदा उठाते हुए रविवार को शिलांग के पोलो ग्राउंड में 3-0 से शानदार जीत दर्ज की, जिससे आई-लीग 2023-24 में शिलांग की जीत का सिलसिला समाप्त हो गया। आइजोल एफसी के लिए लालरिनजुआला लालबकनिया, आर. रामदीनथारा और जो ज़ोहेरलियाना ने एक-एक गोल किया। आइजोल एफसी पिछले कुछ समय से फॉर्म में चल रही टीम है और उन्होंने लाजोंग की चुनौती को आसानी से दरकिनार करते हुए रविवार को अपनी जीत की लय का पूरा फायदा उठाया। हार का मतलब यह भी है कि मैच में 70 प्रतिशत से अधिक कब्जा होने के बावजूद लाजोंग का नाबाद क्रम अचानक समाप्त हो गया। शिलांग लाजोंग और आइज़ॉल एफसी आई-लीग खिताब के लिए लड़ रहे थे। यह दोनों पक्षों के लिए एक महत्वपूर्ण मैच था। हालांकि, यह हार लाजोंग की खिताब की उम्मीदों के लिए भी झटका होगी। लाजोंग इस समय नौ मैचों में 16 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उन्होंने चार मैच जीते हैं और चार बार ड्रॉ खेला है। दूसरी ओर ऑइजॉल को बाहर के मैच में पूरे अंक हासिल करने के बाद भारी बढ़ावा मिलेगा। वे नौ मैचों में पांच जीत, दो ड्रॉ और इतनी ही हार सहित 17 अंकों के साथ मोहम्मडन स्पोर्टिंग के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

मैक्सवेल को ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह मिलनी चाहिए : डग बोलिंगर

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डग बोलिंगर ने ग्लेन मैक्सवेल को ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल करने की वकालत करते हुए कहा है कि इस बड़े हिट ऑलराउंडर को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए मौका क्यों नहीं दिया गया। मैक्सवेल ने अपने सात टेस्ट मैचों में से आखिरी टेस्ट 2017 में खेला था, लेकिन उनके लिए लंबे प्रारूप में वापसी की मांग बढ़ गई है। खासकर हाल ही में सफेद गेंद की फॉर्म शानदार होने के कारण।

अजान अवैस की शतकीय पारी से भारत आठ विकेट से हारा

दुबई। अजान अवैस की 105 रनों की नाबाद शतकीय और कप्तान साद बेग 68 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को अंडर 19 एशिया कप के ग्रुप ए के मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हरा दिया है। 260 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज शमील हुसैन आठ रन को पांचवें ओवर में अभिषेक ने आदर्श के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजान अवैस ने शाहजेब खान के साथ दूसरे विकेट के लिये 110 रनों की साझेदारी की। शाहजेब 63 रन 28वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मुशीर खान को कैच थमा बैठे। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे साद बेग ने अवैस के साथ मिलकर मैच जीताऊ साझेदारी कर पाकिस्तान को 47 ओवरों में दो विकेट के नुकसान पर 263 बनाकर जीत दिला दी।

भारत की ओर से एक मात्र सफल गेंदबाज मुरुगन अभिषेक को दो विकेट मिले। इसके अलावा कोई भी गेंदबाज पाकिस्तान के बल्लेबाजों को आउट नहीं कर सका। भारत की ओर से मैच में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

इससे पहले सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह (62) और कप्तान उदय सहारन (60) के बीच तीसरे विकेट के लिये 93 रन की साझीदारी की मदद से भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 259 रन बनाया था। आईसीसी अकादमी स्टेडियम पर टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही जब उनके दो बल्लेबाज मात्र 46 रन पर पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में आदर्श और सहारन ने संयम से खेलते हुये टीम को मुकाबले में वापस पहुंचाया। आदर्श पारी के 32वें ओवर में विकेट के पीछे लपके गये जबकि सहारन को उबेद शाह ने अपना शिकार बनाया। बाद के ओवरों में सचिन दास (58) ने दो चौके और तीन छक्कों की मदद से स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया जिसके चलते भारत 250 रन के आंकड़े के पार पहुंच सका।

पिच में कोई खराबी नहीं थी : चार्ली डीन

मुंबई। दूसरे टी20 मैच में भारत पर इंग्लैंड की चार विकेट की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार लेने के बाद ऑफ स्पिनर चार्ली डीन ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम की पिच में कोई खराबी नहीं थी। चार्ली पेट में खराबी के कारण टी20 सीरीज के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाईं लेकिन शनिवार के मैच के लिए टीम में वापसी पर उन्होंने नई गेंद से गेंदबाजी की शुरुआत की।

चार्ली ने 2-16 का बेहतरीन स्पैल डाला और भारत की सलामी बल्लेबाजों शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना को आउट कर मेहमान टीम के लिए मेजबान टीम को सिर्फ 80 रन पर आउट करने का आधार तैयार किया, जिसमें इंग्लैंड की सभी गेंदबाजों ने विकेट लिए। आज खेल में काफी विकेट गिरे। मुझे खुद पिच को लेकर कोई शिकायत नहीं होगी। निश्चित रूप से मुझे शिकायत नहीं होगी, मैं एक गेंदबाज हूं, मुझे बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला। वहाँ लेकिन यह अच्छा है। हमारे बहुत से लोग कह रहे थे कि यह थोड़ा फिसल रहा है लेकिन पिच में कोई वास्तविक शैतान नहीं है।

मैच खत्म होने के बाद चार्ली ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ क्षेत्रों में सिर्फ दबाव और कमजोरियां हैं। हमने अपनी योजनाओं को वास्तव में अच्छी तरह से क्रियान्वित किया और भारत ने भी, सच कहें तो उन्होंने वास्तव में आक्रामक क्षेत्र निर्धारित किए। जिस तरह से खेल को निर्देशित किया गया था, उसके कारण उन्हें ऐसा करना पड़ा। जवाब में, तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने फिर से इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों डैनी व्याट और सोफिया डंकले को जल्दी आउट कर झटका दिया। नेट साइवर-ब्रंट और ऐलिस कैप्सी ने कुल 41 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने में योगदान दिया, जिससे इंग्लैंड 11.2 ओवर में घर पहुंच गया, हालांकि इस दौरान उन्होंने छह विकेट खो दिए।

मैं नई और पुरानी दोनों गेंदों से अच्छी गेंदबाजी करना चाहती हूं : काशवी गौतम

नई दिल्ली। 2024 डब्ल्यूपीएल प्लेयर नीलामी में तेजी से बदलते घटनाक्रम में, तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर काशवी गौतम सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी बन गईं, जब गुजरात जाइंट्स ने उनकी सेवाएं 2 करोड़ रुपये में हासिल कीं।

काशवी ने अपनी राज्य टीम चंडीगढ़ के लिए सात मैचों में 4.14 की इकॉनमी रेट से 12 विकेट लिए। वह इंग्लैंड ए के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में भारत ए के लिए भी खेली थीं और भारत ए टीम की सदस्य थीं, जिन्होंने इस साल जून में हांगकांग में एसीसी इमर्जिंग टूर्नामेंट जीता था। मैं गुजरात जायंट्स का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। इस समय यह काफी अविश्वसनीय है। मैं अभ्यास के बाद टीम बस में यात्रा कर रही थी और मुझे टीम के एक साथी ने नीलामी के बारे में सूचित किया। रकम बढ़ती गई और मेरा चयन हो गया।

काश्वी ने जियोसिनेमा से कहा, यह मेरे लिए अपना कौशल दिखाने का बहुत बड़ा अवसर है। हमने हमेशा मिताली जी का आदर किया है। यह मेरे लिए उनके साथ बातचीत करने और उनसे सुझाव लेने का एक शानदार अवसर है। खबर मिलने के बाद मैंने अपने कोच (नागेश गुप्ता) को फोन किया।

काशवी इस साल की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सीज़न का हिस्सा नहीं थीं और उनका मानना है कि आखिरी कुछ ओवरों में लॉन्ग हैंडल खेलना टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में महत्वपूर्ण होगा। मुझे लगता है कि टीमों को निचले मध्यक्रम की बल्लेबाजी में अधिक प्रभावशाली होने की जरूरत है।

उन्हें आखिरी 3-4 ओवरों में तेजी लाने की जरूरत है, इसलिए मैंने उसी के अनुसार अभ्यास किया है। मैंने रेंज हिटिंग पर काम किया है। मुझे नई और पुरानी दोनों गेंदों से अच्छी गेंदबाजी करने में सक्षम होने के लिए अपनी गेंदबाजी में लचीला होना होगा। तो, काशवी की इच्छा सूची में क्या है? मुझे लगता है कि एलिसा हीली या हेली मैथ्यूज जैसी किसी अन्य विदेशी बल्लेबाज को बाहर करना होगा। मुझे गुजरात जाइंट्स के लिए अपना 100 प्रतिशत देना होगा। अगर मैं वहां अच्छा प्रदर्शन करती हूं, तो मुझे लगता है कि मुझे वहां से (सीनियर भारतीय टीम के लिए) चुना जा सकता है।

फिलहाल यह अविश्वसनीय लगता है। मुझे नहीं पता था कि खबर मिलने के बाद मैं कैसे प्रतिक्रिया दूं और सोच रही थी कि क्या हो रहा है। मैं जो कुछ भी हूं उसका सारा श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है। जब आप शुरुआत करते हैं, तो कुछ संदेह मन में आते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ना शुरू करते हैं, आपको अपनी कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हो जाता है। अब मेरे लिए तस्वीर साफ है। मुझे पता है कि मैं आगे बढ़ना चाहती हूं और खेलना चाहती हूं। भारत के लिए और वहां अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

काशवी के पिता सुदेश शर्मा चाहते हैं कि वह डब्ल्यूपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन करें। काशवी ने इसके लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है। पिछला सीज़न उसके लिए अच्छा नहीं गया था, लेकिन इस बार उसने वास्तव में बहुत मेहनत की है और उम्मीद है कि वह ऐसा करेगी जो गुजरात टाइटंस के लिए अच्छा है। काशवी की मां ने कहा कि उनकी बेटी की प्रगति उत्साहवर्धक है और उन्हें उम्मीद है कि वह भारत के लिए खेलेगी। उसने 13 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था और आज आप जो देखते हैं वह उसकी कड़ी मेहनत का परिणाम है। हमने हमेशा उनकी मेहनत पर भरोसा किया है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे। वह एक बहुत अच्छी छात्रा भी है और हमेशा 90 से ऊपर अंक प्राप्त करती है। वह खालसा कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा है और अपना समय बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित करती है। आप उसमें जो आक्रामकता देखते हैं वह केवल खेल के मैदान तक ही सीमित है। घर पर, वह बहुत शांत स्वभाव की है। वह आरक्षित स्वभाव की है। हमारा सपना उसे एक दिन भारत के लिए खेलते हुए देखना है।

सुडोकू 6402 का हल

6	2	7	1	9	5	8	4	3
1	9	5	8	4	3	6	2	7
4	3	8	2	7	6	9	5	1
8	1	9	3	2	7	4	6	5
7	5	3	9	6	4	1	8	2
2	4	6	5	8	1	3	7	9
3	8	1	6	5	2	7	9	4
9	7	2	4	3	8	5	1	6
5	6	4	7	1	9	2	3	8

कृषि जगत

कम लागत में बेहतर उत्पादन के लिए करें बरबटी की खेती

कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करना हो तो बरबटी की खेती एक बेहतर उपाय है। धमतरी जिले की मिट्टी बरबटी की फसल के लिए अनुकूल है। यही कारण है कि धमतरी जिले में एक हजार से अधिक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में बरबटी की पैदावार सालभर में ली जा रही है। जिले के चारों ब्लॉक के किसान इसकी पैदावार लेकर आर्थिक रूप से सक्ष कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करना हो तो बरबटी की खेती एक बेहतर उपाय है। धमतरी जिले की मिट्टी बरबटी की फसल के लिए अनुकूल है। यही कारण है कि धमतरी जिले में एक हजार से अधिक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में बरबटी की पैदावार सालभर में ली जा रही है। जिले के चारों ब्लॉक के किसान इसकी पैदावार लेकर आर्थिक रूप से सक्षम बन रहे हैं।

जानकारी के अनुसार धमतरी जिले की मिट्टी लगभग हरेक फसल के लिए उपयुक्त है। जिनमें से बरबट्टी भी एक है। सालभर ली जाने वाली बरबटी की फसल किसानों के लिए आय का बेहतर जरिया है। जिले के अरौद, लीलर, खरेंगा, बारना, सिवनी, नवागांव, सेमरा, झिरिया, ढीमरटीकुर, मांटेगहन, सारंगपुरी, बरारी सहित अन्य गांव में बड़े पैमाने पर इसकी फसल ली जा रही है। उद्यानिकी विभाग के फील्ड ऑफिसर जीआर लोहानी ने बताया कि बरबटी की फसल बारहों महीने ली जाती है। प्रमुख रूप से बरबट्टी की जामली, कश्मीरी लाल, उषा बरसाती, अरका, अनुप, अरका सुमन, श्यामली प्रजाति को ही किसान बोते हैं। गर्मी की तुलना में बारिश के मौसम में उत्पादन लागत कम आती है। भिंडी की पैदावार लेने के बाद बरबटी की फसल लगाने से काफी फायदा होता है क्योंकि बरबटी की

फसल को सूखे हुए भिंडी की फसल के ऊपर फैलने में आसानी होती है। साथ ही उत्पादन भी अच्छा मिलता है। इसके लिए अलग से मचान बनाने का खर्च भी नहीं लगता। इससे लगभग 20 से 30 हजार की बचत हो जाती है।

किसानों ने बताया कि बरबटी की उत्पादन लागत कम है, लेकिन इससे फायदा अधिक होता है। जैविक खाद के उपयोग से फसल उत्पादन बेहतर तरीके से होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है। किसानों ने बताया कि ज्यादातर लोकल मार्केट में इसकी बिक्री कर देते हैं। इसके अलावा साप्ताहिक हाट-बाजारों में भी बरबट्टी हाथों-हाथ बिक जाती है। अधिक उत्पादन होने की स्थिति में राजधानी रायपुर में इसका निर्यात करते हैं। यहां के थोक सब्जी विक्रेता काफी मात्रा में सब्जी खरीदकर इसे राजधानी रायपुर में बेच देते हैं।

फसल में रोग उपचार

बरबटी की फसल में मुख्य रूप से रस चूसने वाले कीट माहू, फुदका, फल छेदक जैसे कीट है है जो फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। बरबटी की फसल में प्रमुख रूप प्रमुख रूप फसल में प्रमुख रूप प्रमुख रूप से चूर्णी फफूंद, मोजैक जैसी बीमारियां होती हैं, जिससे उत्पादन पर खासा असर पड़ता है। यदि समय पर देखरेख न की जाए तो बरबटी की फसल सूख कर मर भी जाती है। इसके लिए कृषि दवा विक्रेताओं से संपर्क कर दवा का छिड़काव करना चाहिए।

प्रति एकड़ 80 हजार से एक लाख रुपये तक की आय

बरबटी की फसल मौसम के ऊपर आधारित होती है। गर्मी में जहां लगभग पांच से छह किलो बीज से एक एकड़ में पैदावार ली जाती है तो वहीं बारिश के मौसम में आठ से नौ किलो बीज से एक एकड़ में पैदावार होती है। बीज की लागत, मजदूरी खर्च और अन्य खर्चों को मिला दिया जाए तो 30 हजार की लागत एक एकड़ फसल उत्पादन में आती है। बोआई के बाद सालभर उत्पादन लिया जा सकता है, जिससे 80 हजार से एक लाख तक की आय किसानों को हो जाती है। एक बार बीज लगाने के बाद साल भर भर तोड़ाई की जा सकती है। तोड़ाई के बाद जड़ों में खाद पानी और गुड़ाई कर दी जाए तो फिर से अच्छा उत्पादन मिलता है।

प्रोटीन का मुख्य साधन है बरबटी

डायटीशियन पुष्पेंद्र साहू ने बताया कि फल्लीदार सब्जियों में बरबटी का एक प्रमुख स्थान है। यह प्रोटीन (मुख्यत: एमिनो एसिड) का बड़ा अच्छा स्रोत है। इसमें फाइबर्स की मात्रा भी खूब पाई जाती है। बरबटी में पाए जाने वाले फाइबर्स पाचन प्रक्रिया को दुरुस्त करने के अलावा पेट की देखभाल में काफी कारगर होते हैं। बरबटी कबाब में लहसुन, जीरा और धनिया का पाउडर, स्वाद को तो बेहतर ही बनाता है और आपकी पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

जैविक खाद के उपयोग से बढ़ती है पैदावार

संबलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक एसएस चंद्रवंशी ने बताया कि वर्मी कंपोजिट खाद या जैविक खाद के इस्तेमाल से फसल की पैदावार में तीन से चार में फायदा दिखने लगता है, लेकिन किसान अधिक उत्पादन लेने के चक्कर में यूरिया और अन्य कैमिकल युक्त खाद का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि जैविक खाद से पहले तीन साल तक कास्ट थोड़ा अधिक आता है। एक एकड़ में एक हजार किलो जैविक खाद लगती है। इसकी बाजार में कीमत करीब आठ हजार रुपये होती है। किसान इसे अपने यहां भी बना सकते हैं। जिसकी कास्ट तीन से चार रुपये प्रतिकिलो आएगी यानी खर्च आधे से भी कम हो जाएगा। इससे खेतों में हमेशा नमीं बनी रहती है। वहीं खाद्य पदार्थों का स्वाद नेचुरल होता है। इसके मिनरल्स पर्याप्त मात्रा में लंबे समय तक बने रहते हैं। चार से पांच साल के भीतर खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ने के साथ ही खेती में लागत कम हो जाती है।

कम्पोस्ट खाद से बढ़ाएं खेती की पैदावार

कंपोस्ट खाद जैव कृषि का मुख्य घटक है। नम जैव पदार्थों का ढेर बनाकर कुछ काल तक प्रतीक्षा करना ताकि इसका विघटन हो जाय। गोबर व फ़सल के अवशेष,सब्ज़ियों के छिलकों व कूड़ा -करकट, मिट्टी को कुछ विशेष परिस्थितयों में रखकर तैयार की जाती है । कम्पोस्ट एक प्रकार की खाद है जो जैविक पदार्थों के अपघटन एवं पुन:चक्रण से प्राप्त की जाती है। विघटन क्रिया में दो तीन हफ़्ते लग सकते हैं । विघटन प्रक्रिया के बाद वह ह्यूमस में बदल जाता है। और कम्पोस्ट कहलाता है । कंपोस्ट खाद में पौधे के ज़रूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। कंपोस्ट खाद के उपयोग से पौधे बड़ी तेज़ी से बढ़ते है। फलन अच्छी होती है। काम्पोस्ट खाद से तैयार अनाज की आज कल बाज़ार में बड़ी मांग है। सुपर मार्केट में जैविक खेती से तैयार आम अनाज से काफ़ी महंगा बिकता है। कंपोस्ट खाद के प्लांट लगाकर कंपोस्ट खाद उत्पादन बहुत से किसानों के लिए यह उनका प्राइमरी बिज़नेस बन गया है। खेती किसानी डॉट ओर्ग से सीईओ व फ़ाउंडर मिस्टर राम अनुनाकी मानते है कि कम्पोस्ट खाद व जैविक खेती के लगातार प्रयोग से हम उर्वरा खो चुकी बंजर धरती माँ को पुन:जीवित कर सकते हैं । अधिक से अधिक किसान भाई कंपोस्ट खाद का खेतों से प्रयोग करें ।

कंपोस्ट खाद के फायदे के बारें में -

कंपोस्ट ख़ास बेहद सस्ती व बनाने में किसी विशेष तकनीक की ज़रूरत नही । कंपोस्ट खाद बनाने में बहुत कम ख़र्च आता है। कंपोस्ट खाद के बनाने में आवश्यक सामग्री हमारे आस पास ही मिल जाती है। कंपोस्ट खाद बनाने में उपयोग आने वाली सामग्री जैसे गोबर, फ़सल के अवशेष, घास-फूस, व अन्य घरेलू कचरे आदि हमें अपने घर के आस पास आसानी से व लगभग मुफ़्त मिल जाते हैं। कंपोस्ट खाद बनाने में किसी विशेष तकनीक की ज़रूरत नही होती है। कम पढ़ा लिखा किसान भी कम्पोस्ट खाद बड़ी आसानी से अपने घर पर बना लेगा। पौधे कम्पोस्ट खाद से मिलने वाले पोषक तत्वों की सीधे अवशोषित करते हैं रासायनिक खादों से मिलने वाले पोषक तत्व को पौधे भले ना सीधे ग्रहण करते हों। किंतु कम्पोस्ट खाद से मिलने वाले पोषक तत्वों को पौधे बड़ी सरलता से ग्रहण करते हैं। जिससे पौधों की वृधि व बढ़वार जल्दी होती है।पौधे के लिए आवश्यक पोषक कम्पोस्ट खाद में मौजूद रहते हैं खेत में कम्पोस्ट खाद डालते ही जड़ों के द्वारा इसमें मौजूद पोषक तत्व पौधे को मिलते हैं। जिससे पौधा बड़ी तेज़ी से बढ़ते हैं। बढ़वार अच्छी होती है। जिसके परिणाम स्वरूप फ़सल की पैदावार अच्छी होती है। इसके साथ कंपोस्ट खाद से तैयार अनाज व सब्ज़ी उच्च गुणवत्ता वाली होती है। खेतों में कई साल तक कंपोस्ट खाद का प्रयोग करते रहने से मिट्टी की संरचना सुधरती है । मिट्टी का गठन सही होने से उसमें जल धारण की क्षमता बढ़ती है। जिससे पौधों की जल माँग में कमी आती है। फ़सलों को बार बार पानी नही देना पड़ता है। जिससे सिंचाई कम करनी होती है। कंपोस्ट खाद सिंचाई में होने वाले ख़र्च को भी कम करता है। रासायनिक खादों से लगातार प्रयोग से मिट्टी में पोषक तत्वों की मात्रा घटने घटने लगती है । ज़मीन धीरे बंजर होने लगती है। जबकि कंपोस्ट खाद व जैविक खेती करने से पोषक तत्व ज़मीन में स्थिर रहते हैं।

अरबी की खेती

अरबी की उन्नतशील किस्में

इंदिरा अरबी - इसे सिंचित और असिंचित दोनो क्षेत्रो में सफलतापूर्वक की जा सकती है। यह किस्म 200-210 दिन में तैयार हो जाती है, इसकी औसत उपज 250-275 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

नरेन्द्र अरबी 1 - यह अरबी की अगेती किस्म है जो 170-180 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी पत्तियों का भी उपयोग किया जाता है। इसकी औसत उपज 150-160 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

आजाद अरबी- यह भी अरबी की अगेती और अच्छी उपज देने वाली प्रजाति है। यह 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 290-300 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

पंजाब अरबी-यह किस्म 170-180 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी औसत उपज 220-230 क्विंटल प्रति हेक्टयर है।

पंचमुखी - यह किस्म मध्यम अवधि की है यह 190-200 दिन में तैयार हो जाती है। प्रजाति के नाम के अनुसार इसमें पांचमुख पुत्री कंदिकाएं पायी जाती हैं। इसकी औसत उपज 225-230 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

इसके अतिरिक्त श्री रश्मि, व्हाइट गौरेया, श्री पल्लवी अरबी की प्रमुख प्रजातियां है ।

बीज की मात्रा एवं उपचार- अरबी की 18-20 क्विंटल प्रकन्द प्रति हेक्टेयर आवश्यकता पड़ती है और एक प्रकन्द का वनज 20-25 ग्राम हो। बुवाई से पूर्व प्रकन्दों का उपचार करें, प्रकन्द उपचार के लिए मैंकोजेबमेटालौक्जिल 3 ग्राम/ली. पानी की दर से घोल बनाकर 25-30 मिनट तक प्रकन्द हो डुबोकर रखें इसके पश्चात स्ट्रेप्टोसाइकिलीन 5 ग्राम प्रति 20 ली. पानी की दर से मिलाकर उपचारित करें। तत्पश्चात 3-4 घंटे छाया में सुखाने के पश्चात बुवाई करें।

प्रकन्द रोपण विधि

मेडनाली विधि- खेत तैयार करने के पश्चात् 603 45 से.मी. की दूरी पर मेड़ बनाकर 5 से.मी. गहराई पर प्रकन्दो की बुवाई करते हैं।

नालीमेड़ विधि - इस विधि से 60 से.मी. की दूरी पर नाली बना लेते है और 40-45 से.मी. की दूरी पर प्रकन्दो की बुवाई करते है। रोपण के 60 दिन के पश्चात खाद डालकर फसल पर मिट्टी चढ़ाते है ।

खाद एवं उर्वरक- अरबी की खेती के लिए 12-15 टन गोबर की खाद यदि खाद उपलब्ध नहीं है तो 5 ली. ट्राईकोडर्मा, 2 ली. जेड.एस.बी., 2 ली. के. एस. बी. 50 किलो गोबर की खाद में मिलाकर खेत में छिड़काव करें साथ ही नाइट्रोजन 80 कि.ग्रा., फास्फोरस 60 कि.ग्रा. और पोटाश 80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। नत्रजन की आधी मात्रा, फास्फोरस और पोटाष की पूरी मात्रा खेत के तैयारी के समय उपयोग करें, शेष नत्रजन की मात्रा दो भागों में टापड्रेसिंग के रूप में दें।

रोग एवं नियंत्रण- पत्तीधब्बा रोग - इस रोग से प्रभावित पत्तियां छोटे वृत्ताकर धब्बे बनने लगते हैं, जिनके किनारे पर बैंगनी और मध्य भाग राख के समान हो जाता है। इस रोग के नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति ली. पानी की दर से छिड़काव करें।

पत्ती अंगमारी रोग - इस रोग से प्रभावित पत्तियों पर छोटे- छोटे गोल या अण्डाकार भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं, जो धीरे-धीरे फैलकर डंठल को भी प्रभावित करते हैं, इसके प्रभाव से प्रकन्द का भी विकास रूक जाता है । इसके नियंत्रण हेतु प्रारम्भिक अवस्था में रिडोमिल जेड एम-72 का 2.5 ग्राम प्रति ली. पानी की दर से छिड़काव करें। **प्रकन्द सड़न रोग**-यह भण्डारण के समय अत्यधिक छति पहुंचाता है। इसमें प्रकन्द के ऊपरी सतह पर सूखा फफूंद चूर्ण बिखरा रहता है। इसके नियंत्रण हेतु 5 ग्राम स्ट्रप्टोसाइकिलीन प्रति 20 ली. पानी से उपचारित कर भण्डारण करें।

कीट एवं नियंत्रण

तम्बाकू की इल्ली - तम्बाकू की इल्ली हरी पत्तियों को खा जाती हैं । केवल शिराएं ही दिखाई देते हैं, इसके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास 2 एम.एल. प्रति ली. पानी की दर से छिड़काव करें।

माहू एवं थ्रिप्स - इसके कीट पत्तियों के रस चूसकर क्षति पहुंचाते है। इसमें पत्तियां छोटी, पीली एवं ऊपर की तरफ सिकुड़ जाती है। इसके नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोरोप्रिड 6 एम.एल. 15 ली. पानी के साथ घोल बनाकर छिड़काव करें।

तोरई की खेती कब करें

तुरई खेती के लिए किसान लो टनल पॉलीहाउस में बीजारोपण करने की तैयारी कर रहे हैं ताकि यहां नियंत्रित तापमान में पौध तैयार की जा सके। समय से बिजाई का उपयुक्त समय जनबरी के बाद आता है। कद्दू वर्गीय किसी फसल को लगाने के लिए फरबरी में ही उपयुक्त तापमान आता है।

तोरई की खेती करने का तरीका- कुछ लोग लो-टनल में पौध तैयार करके उन्हें जनवरी के अंत या फरवरी के प्रारंभ में खेत में रोपते हैं। दूसरा तरीका मल्चिंग का है। इस तकनीक में बीज जमीन में समय से पूर्व ही लगा दिए जाते हैं। इन्हें पॉलीथिन सीट से ढ़क दिया जाात है। बाद में अंकुरण होने और बढ़बार शुरू होने तक ढँक कर रखा जाता है। पॉलीथिन सीट तब हटाई जाती है जबकि मौसम सामान्य हो जाए।

तोरई के लिए कैसी मिट्टी चाहिए- यह नगदी फसल है और बाजार में इसकी कीमतें बहुत ज्यादा न गिरने से किसानों को इसकी खेती से नुकसान नहीं होता । तोरई उचित जल निकासी वाली मिट्टी, मीठा पानी और गर्म जलवायु में अच्छा उत्पादन देती है। शुष्क और आद्र मौसम में इससे अच्छा उत्पादन मिलता है। अच्छे उत्पादन के लिए सब्जी वाली फसलों में कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना बेहद आवश्यक है।

उन्न किस्मों का चयन- तोरई की अनेक उन्नत किस्में हैं। सस्ते बीज सरकारी संस्थानों में मिलते हैं। प्राईवेट कंपनियों के अनेक हाइब्रिड बाजार में मौजूद हैं। घिया तोरई, पूसा नसदार किस्म जिसे कुछ इलाकों में खर्रा भी कहा जाता है दिल्ली जैसे महानगरों में पसंद की जाती है। इसे दूसरे शहरों तक पहुंचाने में फल कम घिसते हैं। सरपुतिया, पंजाब सदाबहार, पी के एम 1, कोयम्बूर 2 आदि अनेक किस्में हैं। इनसे 70 से 80 दिन में फल मिलने शुरू हो जाते हैं। उपज 200 से 250 कुंतल प्रति हैक्टेयर मिलती है।

बीजारोपण- खेत को अच्छे से तैयार करते हैं। सड़ी गोबर की खाद जोत में मिलाते हैं। इसके बीजों को खेत में उगाने से पहले थीरम या बाविस्टीन से उपचारित कर लेना चाहिए. ताकि पौधे को शुरुआत में होने वाले रोगों से बचाया जा सके। एक हेक्टेयर में इसकी रोपाई के लिए दो से तीन किलो बीज काफी होता है। खेत में तीन से चार मीटर की दूरी पर नाली बना लेते हैं। इनके किनारों पर बीज रोपकर पानी लगा देना चाहिए।

पौधों की सिंचाई- तोरई के पौधों को सिंचाई की जरूरत बीजों के अंकुरित होने और पौधों पर फल बनने के दौरान अधिक होती है। इस दौरान पौधों की तीन या चार दिन के अंतराल में हल्की हल्की सिंचाई करते रहना चाहिए। खेत में 100 किलोग्राम एनपीके आखिरी जुताई में मिलाने और गोबर की खाद डालने के बाद किसी खाद की जरूरत नहीं होती। फसल विकास के समय बेहद हल्का यूरिया डालना चाहिए। खरपतवार नियंत्रण के लिए निराई गुडाई करते रहें।

लालड़ी- कीट के प्रभाव से फसल को बचाने लिए अंकुरण के बाद ही पौधों पर नीम का तेल पानी के साथ मिलाकर छिडक देना चाहिए।

फल मक्खी- इसके नियंत्रण के लिए जैविक उपचार के तौर पर नीम तेल या क्लोरोपायरीफास जैसे हल्के कीटनाशक का प्रयोग करें।

चूर्णी फफूंदी- इस रोग की रोकथाम के लिए पौधों पर कार्बेन्डाजिम या एन्थ्रेक्नोज की उचित मात्रा का छिडकाव पौधों पर करना चाहिए।

पत्ती धब्बा- इस रोग की रोकथाम के लिए पौधों पर मन्कोजेब या जिनेब की उचित मात्रा का छिडकाव करना चाहिए।

जड़ सड़न-इस रोग की रोकथाम के लिए पौधों की जड़ों में बाविस्टीन या मेन्कोजेब की उचित मात्रा को पानी में मिलाकर पौधों पर छिड़कना चाहिए।

चीकू की खेती और इससे लाभ

भारत में सपोटा या चीकू (मनीलकारा आचरस) एक लोकप्रिय फल है। इसका जन्म स्थान मेक्सिको और मध्य अमेरिका माना जाता है। इसका फल खाने में सुपाच्य, कार्बोहाइड्रेट (14 से 21 प्रतिशत), प्रोटीन, वसा, फाइबर, खनिज लवण, कैल्शियम और आयरन का एक अच्छा स्रोत माना जाता है और इसका प्रयोग खाने के साथ-साथ जैम व जैली आदि बनाने में किया जाता है। चीकू को मैदानी क्षेत्रों, घाटियों और निचले पवर्तीय क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। भारत में चीकू मुख्यत: कर्नाटक, तामिलनाडू, केरला, आंध्रा प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात में उगाया जाता है। कृषकों को इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए, ताकि इसकी फसल से अधिकतम और गुणवत्ता युक्त उत्पादन प्राप्त किया जा सके। इस लेख में चीकू की वैज्ञानिक तकनीक से खेती कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है।

उपयुक्त जलवायु- चीकू उष्ण कटिबन्धीय फल है तथा 800 मीटर की ऊंचाई तक इसे व्यापारिक स्तर पर उगाया जा सकता है। गर्म जलवायु और 125 से 250 सेंटीमीटर वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र इसके लिए अत्यन्त उपयुक्त हैं अर्थात फल के बेहतर विकास और चीकू की खेती के लिए 11 से 38 डिग्री सेल्सियस तापमान और .0 प्रतिशत आर एच आर्द्रता वाली जलवायु अच्छी मानी जाती है। इस तरह की जलवायु में इसकी फलत साल में दो बार होती है। जब कि शुष्क जलवायु में, यह पूरे साल भर में केवल एक ही फसल देता है। यह पाले के प्रति अधिक संवेदनशील है, इसलिए आरम्भ के वर्षों में सर्दियों में पौधों को ठण्ड और पाले से बचाना जरूरी होता है।

भूमि का चयन- चीकू की खेती कुछ हद तक लवणीयता एवं क्षारीयता सहन कर सकती है। इसके उचित विकास के लिए 6 से 8 पीएच अच्छा माना जाता है। चीकू की खेती से अधिक उत्पादन लेने के लिए गहरी उपजाऊ तथा बलुई दोमट मिट्टी अच्छी मानी जाती है। पौधों के उचित विकास के लिए खेत में जल निकास का अच्छा प्रवंधन होना चाहिए।

उन्नत किस्में- देश में चीकू की 41 किस्में हैं, जिसमें काली पट्टी, पीली पट्टी, भूरी पट्टी, झूमकिया, ढोला दीवानी, बारामासी और क्रिकेट वाल आदि किस्में अधिक उगाई जाती है। क्रिकेट वाल एक आहार उद्देश्शीय किस्म है, इसके फल आकार बड़ा, गोल, गूदा मीठा और दानेदार होता है। काली पट्टी भी अधिकतर क्षेत्रों में उगाई जाती है। काली पट्टी लोकप्रिय आहार उद्देश्य किस्म है, पत्ते बड़े तथा फल आयताकार या गोल होते है। इसकी मुख्य फलत सर्दियों के मौसम में आती है, उपज 350 से 400 फल प्रति पेड होती है। बारामासी यह किस्म उत्तरी भारत में प्रसिद्ध है, इसके फल गोल और मध्यम होते हैं, यह 12 महीने उपज देने वाली किस्म है।

प्रवर्धन की विधि- चीकू का प्रवर्धन बीज, इनारचिंग, वायु लेयरिंग और सॉफ्टवुड ग्राफ्टिंग द्वारा किया जा सकता है। इसकी व्यवसायिक खेती के लिए चीकू को इनारचिंग द्वारा लगाते है, जिसके लिए खिरनी (रायन) मूल वृन्त का उपयोग किया जाता है। क्योंकि रायन पौधे की शक्ति, उत्पादकता और दीर्घायु के लिए सबसे माना जाता है। गमलो में तैयार पेंसिल की मोटाई के दो वर्ष पुराने खिरनी मूलवृन्त पौधों का उपयोग कलम बांधने के लिए किया जाता है। इसको लगाने के लिए दिसंबर से जनवरी का महीना उपयुक्त माना जाता है। पौधे खेत में रोपाई हेतु अगले वर्ष जून से जुलाई तक तैयार हो जाते हैं। चीकू प्रवर्धन की अधिक जानकारी के लिए यहाँ पढ़ें- चीकू का प्रवर्धन कैसे करें

पौध रोपण- रेतीली मिट्टी में 60 × 60 × 60 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे और भारी मिट्टी में 100 × 100 × 100 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे अप्रैल से मई में बनाते है और गड्ढे में 10 किलोग्राम गोबर की खाद, 3 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट और 1.5 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश और 10 ग्राम फोरेट धूल अथवा नीम की खली (1 किलोग्राम) भरते है। गड्ढे भरने के एक महीने बाद मानसून के प्रारंभ (जुलाई) में पोधों की रोपाई कर देते हैं।

रोपाई की दूरी- रोपाई की दूरी पौधों के विकास पर निर्भर करती है। सामान्यतय: पौधों से पौधों की दूरी 8 मीटर एवं पंक्ति से पंक्ति की दूरी 8 मीटर रखनी चाहिए। सघन घनत्व रोपण लिए 8 × 4 मीटर (312 पौधों प्रति हेक्टेयर) दूरी पर रखते है।

अन्तर फसल- चीकू के साथ अन्तर फसल के रूप में केला, पपीता, टमाटर, बैंगन, गोभी, फूलगोभी, दलहनी और कददू बर्गीय फसलें चीकू लगाने के प्रारंभिक वर्ष के दौरान ली जा सकती है।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

पिकनिक पर जा रहे स्कूली बच्चों व शिक्षकों से भरी बस में लगी भीषण आग

सेना के जवानों व स्थानीयजनों ने सभी को बचाया

जबलपुर, देशबन्धु। खमरिया थाना क्षेत्र के डुमना क्षेत्र में रविवार सुबह एक स्कूल की महिला शिक्षकों और बच्चों को पिकनिक ले जा रही बस में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। बताया जा रहा है कि समय रहते चालक की सूझबूझ से शिक्षकों और बच्चों को बस से नीचे उतारा गया नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी।

जानकारी के अनुसार पाटन स्थित विनायक शासकीय विद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी स्कूल के बच्चों को पिकनिक पर ले जाया जा रहा था। जिसके लिये स्कूल प्रबंधन ने डुमना नेचर पार्क का चयन किया। शनिवार को सुबह लगभग 10.30 बजे स्कूल बस 37 बच्चों और 4 शिक्षकों को बैठाकर डुमना नेचर पार्क के लिये निकली। जैसे ही बस मिलिट्री कॉलेज ऑफ मेटेरियल्स मैनेजमेंट (एमसीएमएम) के पास पहुंची तो डुमना एयरपोर्ट के पास बस के इंजन में आग भभक उठी। आग की लपटें धीरे-धीरे बढ़ती जा रही थी। चालक ने देखा तो तत्काल शिक्षकों को घटना की सूचना दी। बस में आग की सूचना पाते ही शिक्षकों और बच्चों में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर वहां पर स्थित ओलड नेहरा कंपनी, एमसीएमएम के सूबेदार लक्ष्मण सिंह मौके पर पहुंचे और तुरंत मिलिट्री के अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना दी।

आग बढ़ती देख सूबेदार लक्ष्मण सिंह व उनके साथियों ने स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत बच्चों और शिक्षकों को बस से नीचे उतारा। थोड़ी ही देर में आग

37 बच्चे व 4 शिक्षक बाल-बाल बचे

पूरी बस में फैल गई। मौके पर पहुंची मिलिट्री के तीन अग्निशमन वाहन ने आग पर पानी की बौछारें की और आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक बस जलकर कबाड़ में बदल गई थी। इस बीच स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग लगते देख सड़क के दोनों ओर आवाजाही प्रभावति हो गई। और भीड़ लग गई। पुलिस ने थोड़ी ही देर में मोर्चा संभाला और स्थिति को काबू में किया। बस के जलकर राख होने के बाद स्कूल के शिक्षिकों व बच्चों को सैन्य वाहन से पिकनिक स्थल पर पहुंचाया गया। बस में लगी आग को देखकर शिक्षिकों व बच्चों में भय व्याप्त हो गया। जिन्हें सैन्य कर्मियों ने हौसला दिया। वहीं स्कूल की शिक्षिका शोभा सैरेया का कहना था कि इसके पहले भी कई बार बच्चों को लेकर पिकनिक मनाने के लिए आए हैं लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है जब बस में आग लग गई। स्थिति नियंत्रण में होने के बाद पुलिस ने आवाजाही को शुरू कराया और मामले में जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद शहर में चल रही सभी यात्री बसों के रखरखाव पर सवाल उठने लगे हैं कि कंडम हो चुकी बसों को डेंटिंग पेंटिंग करवा कर अभी शहरों में दौड़ाया जा रहा है। जिससे इस प्रकार की गंभीर घटनाओं की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

ठंड ने दिखाया अपना असर, आने वाले दिनों में कोहरा बढ़ने के आसार

जबलपुर, देशबन्धु। मौसम का रूख बदल गया है। आसमान से बादल छटने के साथ ही ठंडक का एहसास बढ़ गया है। इसे ऐंसे समझा जा सकता है कि रविवार को तापमान के ग्राफ में कमी आई है। दिन के तापमान में सामान्य से 1 डिग्री कम हुआ है। न्यूनतम तापमान 12.7 जो सामान्य से केवल 1 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है। अगले चौबीस घंटे में कोहरा बढ़ेगा जिसकी शुरूआत हो गई है। प्रदेश की बात की जाये तो सबसे कम तापमान राजगढ़ में 10 डिग्री सेल्सियस रहा। इस बीच उत्तर की तरफ से आने वाली बर्फीली हवाएं चल रही हैं जिनकी गति दो तीन किमी प्रतिघंटे बताई गई है। बीते साल 10 दिसंबर 27.5 और 8.5 डिग्री दर्ज किया गया था। ठंड के चलते सुबह से शाम तक लोग आग का सहारा ले रहे हैं। वहीं प्रदेश के कई जिलों में भी ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। बालाघाट, छिंदवाड़ा, सिवनी, डिंडौरी, मंडला, शहडोल, अनूपपुर, जबलपुर, कटनी व आसपास के जिलों में भी गलन वाली ठंड बढ़ गई है। कई जिलों में तो लोग दिन में ही आग जलाकर बैठ रहे हैं। कुछ जिलों में रविवार की सुबह से ही तापमान में काफी गिरावट आई है। वहीं शहडोल जिले में दो दिनों पहले तक तीन दिन के लिए बरसात हुई थीं, मौसम खुलते ही ठंड ने अपने असर को दिखाना शुरू कर दी। शहडोल में शनिवार से अधिक रविवार की सुबह से ठंड पड़ रही है। ठंड पड़ने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। मौसम वैज्ञानिक गुरप्रीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि रविवार को अधिकतम 23 और न्यूनतम 13 डिग्री तापमान रहेगा, जिसकी वजह से ठंड अधिक पड़ रही है। रविवार की सुबह से ही मौसम खुला और ठंड में अपना असर दिखना शुरू दिया तो लोग अब सुबह से ही जगह-जगह अलाव का सहारा लेते दिख रहे हैं।

दिन का तापमान सामान्य से 1 डिग्री नीचे लुढ़का

कई जिलों में अलाव की व्यवस्था, जबलपुर में नगर निगम मौन

ठंड का प्रकोप बढ़ते ही कई जिलों की नगर पालिका ने शहर के मुख्य चौराहा सहित रेलवे स्टेशन बस स्टैंड व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कर दी है। लेकिन जबलपुर में अभी भी नगर निगम प्रशासन सोया हुआ है। जिसने अभी तक अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की। बता दें कि पिछले दिनों गढ़ा क्षेत्र में एक युवक की ठंड से मौत हो गई है। इस घटना के बाद भी प्रशासन नहीं जागा। शहर के कई इलाके ऐसे भी हैं जहां गरीब तबके के लोग रातें गुजार रहे हैं और ठंड से कुकड़ रहे हैं।

नरसिंहपुर में बड़ा सड़क हादसा, बस पलटने से 25 से अधिक यात्री घायल, 1 की मौत

नरसिंहपुर, देशबन्धु। बरमान से नरसिंहपुर आ रही बस अचानक फोर लेन कपूरी चौराहे के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटने से एक व्यक्ति की मौत की सूचना है, जबकि 25 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें चार यात्रियों को सबसे ज्यादा चोट आई है। इधर, सूचना मिलने पर पुलिस बल व 108 एंबुलेंस सेवा घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया जा रहा है। 108 एंबुलेंस सेवा के ईएमटी हेमंत प्रजापति, देवाशीष नागवंशी, पायलट शेख इस्लाम, किशोर खंपारिया आदि ने तत्परता दिखाते हुए प्राथमिक उपचार के साथ सभी को 108 एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जिनका उपचार जारी है। बस पलटने की सूचना पर मौके पर पुलिस के उच्च अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंच गए। वहीं घायलों को उचित इलाज के निर्देश दिए गए।

कचरे के डिब्बे में नवजात को फेंका, पुलिस मामले की जांच में जुटी

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर जिले में नवजात बच्चे के कचरे के डिब्बे में मिलने का मामला सामने आया है। जहां उक्त नवजात शिशु नेशनल हाईवे 4 लाइन ओवरब्रिज के नीचे कचड़े के डिब्बे में पड़ा पाया गया। जिसके बाद पुलिस को इस घटना की सूचना दी गई। जिले के बमीठा थाना क्षेत्र के ह॥ 39 के ओवरब्रिज बसारी के नीचे सुबह 5 बजे कुछ लोगों को एक नवजात शिशु कचरे के डिब्बे में मिला। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बाइक सवार उसे फेंककर चले गये। जिसकी सूचना और बाइक का नंबर उन्होंने पुलिस को दिया है, जहां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर 108 जननी वाहन एंबुलेंस को बुलवाकर नवजात को अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस जांच में जुटी

उल्लेखनीय है कि पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुबह की सैर करने निकले नवयुवकों ने बताया कि सुबह तकरीबन 5 बजे दो लोग मोटरसाइकिल सवार आये और नवजात शिशु को राष्ट्रीय राजमार्ग 4 लाइन ओवरब्रिज (ग्राम बसारी के पास) के नीचे कचड़े के डिब्बे में डालकर चले गये। इस पूरे मामले के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

नक्सलियों ने फिर लगाये बैनर और पर्चे

बालाघाट, देशबन्धु। बालाघाट जिले के रूपझर थाना अंतर्गत सोनगुड्डा चौकी अंतर्गत सोनगुड्डा और सुंदरवाही मार्ग पर अस्पताल के पा नक्सली बैनर और पर्चे मिले हैं। इसमें नक्सलियों ने जिले की जनता का झमसिंह धुर्वे और कामरेड कमलू के एनकांउटर को एक्सपोज करने के लिये जिले की जनता का अभिवादन किया है।

जीआरबी डिवीजन कमेटी भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी(माओवादी) की ओर से लगाए बैनर और पर्चे में जिले के आईजी संजय कुमार और पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ के बारे में नक्सलियों ने उल्लेख किया है। नक्सलियों ने लगाए बैनर और पर्चे में यह पहली बार है कि नक्सलियों ने हिंदी संदेश के साथ ही उसका अंग्री अनुवाद भी लिखा है। रविवार सुबह सोनगुड्डा अस्पताला से महज 100 मीटर दूरी पर सुंदरवाह मार्ग के चौक में लगे नक्सली बैनर और पर्चे, ग्रामीणों ने देखे। इससे यह साफ है कि जिले में नक्सलियों की मौजूदगी अभी बालाघाट व आसपास के इलाके में बनी हुई है और वह इस तरह से अपनी मौजूदगी का एहसास करवा रहे हैं।

एसपी बोले मामले की कर रहे जांच-

रूपझर थाना अंतर्गत सोनगुड्डा चौकी के सुंदरवाही मार्ग में मिले नक्सली बैनर और पर्चे की पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बैनर और पर्चों को जप्त कर जांच की जा रही है। कि इन्हें नक्सलियों ने लगाया है कि किसी शरारती तत्वों की करतूत है।

साथियों के एनकाउंटर को एक्सपोज करने के लिये जनता का किया अभिवादन

अवैध परिवहन पर 43 हजार का जुर्माना, कृषि उपज मंडी के अधिकारियों ने वसूला मंडी शुल्क

कटनी, देशबन्धु। धान का अवैध परिवहन करने पर ट्रक के खिलाफ जुर्माना कार्रवाई करते हुए 43 हजार 321 रूपये का मंडी शुल्क वसूल किया गया है। ट्रक से 302 क्विंटल धान का अवैध परिवहन करना पाया गया। कृषि उपज मंडी के सहायक उपनिरीक्षक ने बताया कि कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश के बाद जिले के नाकों में कृषि उपज मंडी के फ्लाइंग स्कॉड ने एक ट्रक को धान का अवैध परिवहन करने पर पकड़ा गया है। ट्रक में 302 क्विंटल धान का अवैध परिवहन किया जा रहा था। धान का अवैध परिवहन करने पर जुर्माना कार्रवाई करते हुए 43 हजार 321 रूपए मंडी शुल्क वसूल किया गया है। दरअसल, जिले में समर्थन मूल्य की खरीदी के दौरान दलालों, व्यापारियों और बिचौलियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। इसके बाद जिले के नाकों में भी कृषि उपज मंडी का उड़नदस्ता दल को बैठाकर वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

ट्रक में लोड थी 302 क्विंटल धान

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 76
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 96
छोटा ब्रॉयलर - रु. 106
मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 110
मुर्गा मीडियम - रु. 100
मुर्गा बड़ा - रु. 80
मुर्गा जम्बो - रु. 66
मो.-9039925000, 9425800409

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888,89
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा
MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
16 seater Recliner Theatre Available for Private Screening for Families and Groups
BOOK NOW. 6232124487
ANIMAL
09:00 AM 10:00 AM
11:00 AM 12:00 PM
01:00 PM 02:00 PM
03:00 PM 05:00 PM
06:00 PM 07:00 PM
09:00 PM 10:00 PM
11:00 PM
LUXARY THEATER
SHOW TIME
ANIMAL
11:30 AM 04:00 PM
SAMबहादुर
1.12.2023
09:00 AM 03:45 PM 09:30 PM
हार नहीं मानूंगा
12TH FAIL
06:30 PM